सागर ■ रविवार 06 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -02 ■ अंक-158 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

दैनिक सत्ता सुधार

रामनवमी की शुभकामनाएं

जनता के साथ जनता की आवाज

राजकुमार की तरह सजेंगे रामलला...धारण करेंगे सोने का मुकुट-वस्त्र...तीन शुभ योग में होगा सूर्य तिलक

देशभर में आज मनाई जाएगी राम नवमी : दिल्ली में तैयार किया गया भगवान श्रीराम का विशेष पोशाक

एक दिन पहले हुआ सफल ट्रायल, चार मिनट तक पड़ती रहेंगी सूर्य की किरणें

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

अयोध्या पूरी तरह से श्रीराम जन्म महोत्सव के मुख्य पर्व रामनवमी के लिए तैयार हो चुकी है। इस साल रामनवमी के दिन, जब रामलला का जन्मोत्सव मनाया जाएगा, ठीक उसी समय सूर्य तिलक भी होगा। तीन शुभ योग रवि, सर्वार्थसिद्धि और सुकर्मा योग में रामलला का सूर्य तिलक किया जाएगा। शनिवार को लगातार तीसरे दिन सूर्य तिलक का सफल ट्रायल किया गया। शनिवार की दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की किरणों ने रामलला के मस्तक को आलोकित किया और यह प्रक्रिया चार मिनट तक चली। रविवार को भी सूर्य तिलक की यही प्रक्रिया चार मिनट तक चलेगी। इसके लिए मंदिर के ऊपरी तल पर रिफ्लेक्टर और लेंस स्थापित किए गए हैं। ताकि सूर्य की किरणें सटीक रूप से रामलला के ललाट पर पहुंच सकें। सूर्य की रश्मियां लेंस के माध्यम से दूसरे तल के मिरर पर पहुंचेंगी और फिर इन किरणों का टीका 75 मिलीमीटर के आकार में रामलला के ललाट पर दैदीप्तिमान होगा। यह प्रक्रिया सूर्य की गति और दिशा पर निर्भर करेंगी। सूर्य तिलक के साथ-साथ रामलला का अभिषेक, श्रृंगार और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण किया जाएगा, ताकि देश-दुनिया के श्रद्धालु इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन सकें।

- **यूपी में हाई अलर्ट,** परंपरागत मार्गों से निकलेगा जुलूस, ड्रोन से होगी निगरानी
- **अयोध्या में भीड़** प्रबंधन के लिए मजिस्ट्रेट तैनात, जोन और सेक्टर में बंटा शहर
- **सुबह 9 से दोपहर** 12 बजे तक राम मंदिर के सभी विशेष पास निरस्त रहेंगे
- **गूंज रही रामलला** के जन्मोत्सव की बधाइयां, गायन-वादन और नृत्य की त्रिवेणी के बीच मंदिरों में बिखरा उल्लास
- **इकबाल अंसारी** का बड़ा ऐलान-बोले- रामनवमी के दिन अयोध्या आने वाले भक्तों पर पुष्प वर्षा करेंगे
- **अयोध्या जन्म महोत्सव** के लिए तैयार, राममंदिर दर्शन मार्ग, भक्ति-राम पथ फूलों से सजे
- **रामलला को तीन** क्विंटल पंजीरी, सवा क्विंटल चरणामृत, लड्डू व मेवे का भी भोग लगेगा, पंजीरी पांच प्रकार की होगी
- **डेढ़ लाख लड्डू** का भक्तों को प्रसाद स्वरूप बांटा जाएगा, अंगद टीला परिसर में भोग प्रसाद का वितरण चल रहा
- **श्रीरामजन्मभूमि पथ,** भक्ति पथ और रामपथ पर श्रद्धालुओं के पांव न जले इसलिए लाल और हरे रंग के मैट बिछाए गए
- **तीनों मार्गों पर** भव्य टेंट लगाए, जगह-जगह कूलर सहित 200 स्थानों पर शुद्ध और शीतल पेयजल की व्यवस्था
- **हनुमानगढ़ी जाने** वाले भक्ति पथ पर रेड कारपेट और ऊपर से छाया के लिए टेंट लगाए गए हैं ताकि भक्तों को परेशानी न हो

श्रीराम जन्मोत्सव समारोह

- चैत्र शुक्ल नवमी संवत 2081, छह अप्रैल 2025 रविवार
- **रामलला का अभिषेक**- सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक
- **पर्दा रहेगा** – सुबह 10:30 बजे से 10:40 बजे तक
- **श्रृंगार** – सुबह 10:40 बजे से 11:45 बजे तक पर्दा खुला रहेगा
- **पर्दा रहेगा** – सुबह 11:45 बजे भोग लगेगा
- **श्रीराम जन्म, आरती व सूर्य तिलक**-दोपहर 12:00 बजे

पंचामृत अभिषेक होगा

जन्मोत्सव पर रामलला राजकुमार की तरह सज-धजकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। जन्मोत्सव पर सिर पर सोने का मुकुट और सोने-चांदी से जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे। सोना, चांदी, हीरा, मोती से जड़ित विभिन्न प्रकार के आभूषण उन्हें धारण कराए जाएंगे। इससे पहले उनका पंचामृत अभिषेक होगा। इसके बाद उन्हें पीले रंग का विशेष वस्त्र धारण कराया जाएगा। यह विशेष वस्त्र दिल्ली के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने तैयार किया है।

42 जिलों में हाई अलर्ट

रामनवमी को लेकर उत्तर प्रदेश के 42 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, प्रयागराज, मेरठ, कानपुर, चित्रकूट और मिर्जापुर सहित कई जिलों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जुलूस के मार्गों पर ड्रोन कैमरा और सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

इलाहाबाद हाईकोर्टः जस्टिस वर्मा चैंबर में ली शपथ

प्रयागराज। दिल्ली हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए जज यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश के चैंबर में उन्हें शपथ दिलाई गई। हालांकि उन्हें अभी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। जस्टिस वर्मा ने सीजेआई की इजाजत से अपने चैंबर में ही शपथ ली।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अभिनेता का अंतिम संस्कार

मुंबई। अभिनेता मनोज कुमार का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुंबई में जुहू स्थित पवनहंस श्मशान घाट पर उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। बेटे कुणाल गोस्वामी ने उनको मुखाग्नि दी।

वक्फ बिल के खिलाफ एक और याचिका दायर

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पास हो गया है। इसे अब राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। हालांकि, इससे पहले बिल के विरोध में तीन याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर हो चुकी हैं। शनिवार को आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने बिल के विरोध में याचिका लगाई है।

पैराशूट नहीं खुलने से एयर फोर्स अफसर की मौत

आगरा। आगरा में पैराशूट न खुलने से एयरफोर्स अफसर की मौत हो गई। पैराशूट नहीं खुलने से वो सीधे जमीन पर गिर पड़े। साथी उन्हें गंभीर हालत में लेकर आर्मी हॉस्पिटल पहुंचे। जहां 2 घंटे बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रतापगढ़ के रामकुमार तिवारी आगरा में एयरफोर्स के वारंट अफसर के पद पर तैनात थे। वह जवानों को हेलीकॉप्टर से जंप की ट्रेनिंग दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में दीनदयाल शोध संस्थान के सेमिनार में कहा

एआई में अच्छाई-बुराई दोनों! समाज पर होंगे दूरगामी प्रभाव

जब कंप्यूटर आए तो लोगों को डर था कि नौकरियां चली जाएंगी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विविध प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव हो सकते हैं। शालेय जीवन में जिस प्रकार से विज्ञान के वरदान अथवा अभिशाप होने पर चर्चा की जाती थी, कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में भी रोजगार को लेकर इसी प्रकार के प्रश्न उठते थे। वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में भी विभिन्न धारणाएं बन रही हैं, जिनसे इस अत्याधुनिक तकनीक को आशीर्वाद और संकट दोनों ही रूप में देखा जा रहा है। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान द्वारा दिल्ली में 'एआई के सामाजिक प्रभाव' विषय पर आयोजित सेमिनार के शुभारंभ सत्र में कही। सीएम ने आशा जताई कि इसके समाज पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई आने से यह धारणा बनी है कि इससे बहुत सी नौकरियां खत्म हो जाएंगी। जब कम्प्यूटर आए थे, तो यह ही डर बना था। लेकिन जैसे उस वक्त नौकरियां पैदा हुई, वैसे ही आज एआई नई नौकरियां पैदा कर रहा है और मौजूदा नौकरियों को बदल रहा है। हर चीज में अच्छी और बुरी दोनों बातें होती हैं वैसे ही एआइ में अच्छाई और बुराई दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग कैसे कर सकते है।

एआई शक्तिशाली तकनीक

सीएम ने कहा कि खासतौर पर डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में यह तकनीकी व्यवसायों को नए उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने और उनकी दक्षता में सुधार करने में मदद कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक है, जिसके सामाजिक प्रभाव बहुत गहरे हैं। हमें इस पर विचार करना चाहिए कि किस तरह हम इसे वरदान बनाएं।

विविध क्षेत्रों में एआई की संभावना

एआई आज केवल तकनीक नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि क्षेत्रों में एआई की बहुत संभावना है। जब संपूर्ण विश्व एआई में अपना भविष्य तलाश रहा है तब पीएम मोदी के नेतृत्व में एआई के वैश्विक पावर हाउस के रूप में उभर रहा हैं। यह तकनीकी क्रांति विकसित भारत 2047 के संकल्प की सिद्धि में अहम भूमिका निभाएंगी।

दिल्ली की सीएम को निमंत्रण

नई दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री ने शनिवार को दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता से मुलाकात की। जहां सीएम यादव ने रेखा गुप्ता को आगामी 12-13 और 14 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित होने वाले सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य में शामिल होने का निमंत्रण दिया। सीएम ने कहा कि आने वाले समय में हमारा प्रयास है कि महानगरों में भी इस महानाट्य का आयोजन हो, ताकि लोग सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, उत्कर्ष और पराक्रम से प्रेरणा ले सकें।

सीएम को किया गया सम्मानित

सेमिनार में केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत, दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव अतुल जैन, आरआईएस के महानिदेशक सचिन चतुर्वेदी ने भी सत्र में अपने विचार रखे। संस्थान की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

- प्रधानमंत्री बोले- यह करोड़ों भारतीयों का सम्मान
- गिरफ्तार भारतीय मछुआरों को तुरंत किया जाए रिहा

श्रीलंका ने पीएम मोदी को दिया मित्र विभूषण सम्मान

एजेंसी ■ कोलंबबो

श्रीलंका की सरकार ने पीएम नरेंद्र मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित किया है। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं। भारत के ऐतिहासिक तौर पर श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। साथ ही जब श्रीलंका आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था तो उस वक्त भी सबसे पहले भारत ने ही श्रीलंका के लिए मदद का हाथ बढ़ाया था। अब इन अच्छे संबंधों को ही मान्यता देते हुए श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान दिया है। सम्मान पाने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत के 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत सहयोग देगा। हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले में एक मानवीय सहायता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किए जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया।

शिवराज के काफिले का वाहन पलटा

सीहोर। मध्य प्रदेश में सीहोर के पास केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हुआ। दरअसल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा, तभी काफिले में शामिल पुलिस की फॉलो गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में वाहन में सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों की पहचान एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल के रूप में हुई है। इन सभी को सीहोर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीहोर में हादसा, तीन पुलिसकर्मी घायल

जब नक्सली मरता है तो किसी को खुशी नहीं होती

दावा-सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करेगी

- शाह के बस्तर दौरे के बीच 86 नक्सलियों ने डाले हथियार
- आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिला नक्सली भी शामिल
- चारों एरिया कमेटी सदस्यों पर था चार-चार लाख रुपए इनाम

एजेंसी ■ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपए दिए गए। इधर, छग सरकार के बस्तर पंडुम महोत्सव के समापन समारोह में शाह ने कहा नक्सली छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आदिवासियों के विकास को रोक नहीं सकते। सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। वो जमाना चला गया जब यहां पर गोलियां चलती थी, बम धमाके होते थे। जिनके हाथों में हथियार हैं उनसे आह्वान करता हूं कि हथियार डालकर मेनस्ट्रीम में आ जाएं, क्योंकि वो भी हमारे अपने हैं। कोई नक्सली मारा जाता है किसी को आनंद नहीं होता है। इस क्षेत्र को विकास चाहिए।

आह्वान

हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं, संघ का मतलब सबकी मदद करना, युवाओं को सही दिशा देना

भागवत बोले- एक हों हिंदुओं के मंदिर-पानी और श्मशान

- आईआईटी बीएचयू के छात्रों को हिंदुत्व का पाठ पढ़ाया
- काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने के बाद संघ प्रमुख बाबा काल भैरव का आशीर्वाद लेने पहुंचे

एजेंसी ■ वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। इसी लक्ष्य के साथ संघ काम कर रहा है। हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं। यही संघ की परिकल्पना है। संघ का मतलब सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा देना है। भागवत ने आईआईटी बीएचयू के छात्रों को हिंदुत्व का पाठ पढ़ाया। उनसे पूछा बताइये संघ क्या है। संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे। उन्होंने आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग, खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा। छात्र उन्हें देख कर जय बजरंगी, भारत माता की जय और वंदे मातरम् का उद्घोष करते दिखे। भागवत ने छात्रों से पूछा- क्या आप संघ को समझते हैं, बताइए संघ क्या है। इस पर छात्रों ने कहा कि संघ का मतलब हिंदुत्व को बढ़वा देना। सनातन की रक्षा करना। धर्म कोई भी हो, सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा दिखाना, यही संघ है। संघ संगठन का उद्देश्य हिंदू धर्म को मजबूत करने का है। हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है।

भाषा-संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद करें पहल

भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है। यह आपको भी ख्याल रखना चाहिए। हिंदू समुदाय को मजबूत करने के साथ ही हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है। हम अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद से पहल करें।

विश्वनाथ धाम पहुंचे संघ प्रमुख

भागवत शनिवार की सुबह श्री काशी विश्वनाथ धाम दर्शन के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दर्शन- पूजन किया। वे कॉरिडोर में 20 मिनट तक रहे। इसके बाद मंदिर से रवाना हुए। यहां से वे कोशी के कोतवाल बाबा काल भैरव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख इससे पहले वर्ष 2020 में काशी दौरे के दौरान बाबा के दरबार में आए थे। हालांकि इसके बाद भी कई बार संघ प्रमुख मोहन भागवत काशी आए, लेकिन उन्होंने मंदिर में हाजिरी नहीं लगाई।

पृथ्वी के वायुमंडल में फिर इसरो के पीओईएम-4 का प्रवेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इसरो ने जानकारी दी है कि पीएसएलवी ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल (पीओईएम-4) का चौथा संस्करण पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर गया है। पीओईएम-4 अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रयोग मिशन के लिए उपयोग किए जाने वाले ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान का पुनरुद्देशित प्रयुक्त ऊपरी चरण है। इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-अंततः पीओईएम-4 मॉड्यूल ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश किया और चार अप्रैल को भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न आठ बजकर तीन मिनट पर हिंद महासागर में टकराया। पीओईएम-4 को पृथ्वी के वायुमंडल में लाने की मुख्य वजह अंतरिक्ष मलबे की वृद्धि को रोकना है। इसरो के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

वायुमंडल में लाने की मुख्य वजह अंतरिक्ष मलबे को रोकना

ब्रीफ न्यूज

मंत्री शाह की अध्यक्षता में दो दिवसीय कार्यशाला कल से

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की अध्यक्षता में जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की दो दिवसीय प्रशिक्षण सह-उन्मुखीकरण कार्यशाला 7 एवं 8 अप्रैल को आयोजित की गई है। प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला में संभागीय एवं जिला अधिकारी भाग लेंगे। प्रशिक्षण कार्यशाला में मैदानी स्तर पर तैनात अधिकारियों को विभाग के दैनंदिनी कार्यों के साथ विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में आईटी के उपयोग एवं ई-ऑफिस प्रशिक्षण के रूप में एमपी टॉस्क पोर्टल के लाइव मॉडल्स का प्रशिक्षण शामिल किया गया है।

किसान गेहूं विक्रय के लिए 9 अप्रैल तक करा लें पंजीयन

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। किसान भाइयों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी है। जिन किसानों ने अभी तक अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे 9 अप्रैल तक पंजीयन जरूर करा लें। मंत्री कंषाना ने बताया कि गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए है और राज्य सरकार द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

दिल्ली के लाल किले पर होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन, 250 से ज्यादा कलाकार होंगे शामिल

गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्यप्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाने के लिए दो हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य द्वारा सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12-13-14 अप्रैल को होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास की ओर' हमारे लिए एक पाथेय की तरह सिद्ध हो रहा है। हम विकास कार्यों में विरासत को महत्वपूर्ण स्थान दे रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार सुशासन को ध्यान में रखते हुए विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में विक्रमोत्सव अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन के संबंध में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए, महानाट्य की कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसका मंचन दिल्ली में 12, 13 और 14 अप्रैल को लाल किले पर होगा तो इसमें हाथी, घोड़ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं। महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्यप्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास है। इस कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। इससे पहले हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है।

विक्रमादित्य का न्याय देश और दुनिया में प्रचारित : मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो, वही संवत प्रारंभ कर सकता है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने सुशासन, व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहन और दूरदृष्टि से यह संभव किया विक्रमादित्य ने विदेशी शक आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रारंभ 57 ईस्वी पूर्व में किया था। विक्रम संवत के 60 अलग-अलग प्रकार के नाम हैं। संवत 2082 को धार्मिक अनुष्ठानों के संकल्प में 'सिद्धार्थ' नाम दिया गया है। ये 60 नाम चक्रीकरण में बदलते रहते हैं। विक्रमादित्य का न्याय देश और दुनिया में प्रचारित हुआ। यह सम्वत् भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आधार वाला कालगणना सम्वत् बन गया, जो आज भी प्रचलित है।

- ■ सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल सुशासन व्यवस्था का प्रस्तुत करता है आदर्श उदाहरण
- ■ विक्रमादित्य द्वारा किए गए नवाचार और कार्य आज भी हैं प्रासंगिक
- ■ 2000 साल पहले सम्राट विक्रमादित्य ने की थी गणतंत्र की स्थापना
- ■ विक्रमादित्य की दानशीलता, वीरता और प्रजा के प्रति अद्भुत थी संवेदनशीलता

युग परिवर्तन और नवजागरण की एक महत्वपूर्ण धुरी रहे विक्रमादित्य

भारत वर्ष में उज्जयिनी के सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नवजागरण की एक महत्वपूर्ण धुरी रहे हैं और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम सम्वत हमारी एक अत्यंत मूल्यवान धरोहर है। विक्रम सम्वत् हिंदू समाज का महज एक पर्व या नववर्ष भर नहीं है। विक्रम सम्वत् तथा सम्राट विक्रमादित्य भारतवर्ष के गौरव को, मनोबल को और राष्ट्र की चेतना को जागृत करने का एक उपयुक्त अवसर है। यह पुरातन परंपरा से शक्ति प्राप्त कर भारत को विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि 'यही समय है, सही समय है...' विश्व में भारत का समय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम जानते हैं कि विदेशी आक्रांताओं और उपनिवेशवादी इतिहासकारों ने भारत गौरव तथा ज्ञान संपदा के प्रमाणों, साक्ष्यों, स्थापत्यों के सुनियोजित विनाश का अभियान चलाया। उनके द्वारा हमारी संपदा का विनाश किये जाने के प्रमाण लगातार मिलते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहली बार सम्राट विक्रमादित्य की शासन व्यवस्था में ही नवरत्नों का समूह देखने को मिलता है। इन नवरत्नों में सभी अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञ थे। उन्होंने सुशासन की व्यवस्था स्थापित की। नवरत्न सभी परिस्थितियों में सुचारू शासन संचालन में सक्षम थे। इसी क्रम में 300 साल पहले शिवाजी महाराज के अष्ट प्रधान की पद्धति में यही व्यवस्था दिखाई देती है। विक्रमादित्य उज्जैन के सार्वभौम सम्राट के रूप में लोक विख्यात हैं। आज विक्रमादित्य के अनेक पुरातत्वीय प्रमाण, लेख, मुद्रा अवश्य प्राप्त हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की दानशीलता, वीरता और प्रजा के प्रति संवेदनशीलता अद्भुत थी। विक्रम-बेताल पच्चीसी और सिंहासन बत्तीसी की कहानियों में इस प्रकार के कई प्रसंग आते हैं। सम्राट विक्रमादित्य के आदर्शों का सभी शासक अनुसरण करना चाहते थे। विक्रमादित्य का मूल नाम शशांक था, उन्हें विक्रमादित्य की उपाधि से सुशोभित किया गया, जो उल्टे क्रम को सूत्र में बदल दे, वो विक्रम और जो सूर्य के समान प्रकाशमान रहे वो आदित्य का भाव निहित था। उज्जयिनी के सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य भारतीय अस्मिता के उज्जवल प्रतीक हैं। वे शक विजेता, सम्वत् प्रवर्तक, वीर, दानी, न्यायप्रिय, प्रजावत्सल, स्तत्व सम्पन्न थे। वे साहित्य, संस्कृति और विज्ञान के उन्नेरक रहे।

सम्राट विक्रमादित्य ने कभी स्वयं को राजा नहीं कहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने 2000 साल पहले गणतंत्र की स्थापना की, उन्होंने कभी स्वयं को राजा नहीं कहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी स्वयं को देश का प्रधान सेवक मानते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने 20 साल पहले विक्रमादित्य शोध पीठ स्थापित की है, जो विक्रमादित्य के जीवन मूल्यों पर आधारित पुस्तकें प्रकाशित कर विभिन्न तथ्य सामने ला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने अपने जीवनकाल में मथुरा और अयोध्या जैसे 300 से अधिक स्थानों पर मंदिरों का निर्माण कराया, साथ ही किसी को भी बेघर नहीं रहने दिया। विक्रमादित्य काल के समान ही प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में गरीबों को मकान बनाने में मदद की जा रही है। देश की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सक्षम और सशक्त बन रहा है। यही राम राज्य है, जो विक्रमादित्य काल में परिलक्षित होता था।

मप्र सरकार सोलर पम्प देकर बिजली केबिल से मुक्ती का प्रयास कर रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जन कल्याण से जुड़े निर्णय लेते हुए किसानों को 30 लाख सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली केबिल के भार से मुक्त करने का प्रयास कर रही है। किसानों को कर्ज मुक्त करने की दिशा में भी प्रदेश में प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने अपने जीवनकाल में वेधशालाओं का निर्माण कराया। उनके काल में वर्तमान ईरान क्षेत्र में भी वेधशाला निर्माण का संदर्भ मिलता है। उनके कार्यकाल की उपलब्धियां स्वर्ण अक्षरों में अंकित होनी चाहिए। ईराक और मक्का के पुस्तकालयों में उपलब्ध ऐतिहासिक स्रोतों में सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और पड़ोसी देशों में उनकी सत्कीर्ति का उल्लेख मिलता है।

भाजपा का 45वां स्थापना दिवस आज

65,014 बूथों पर प्राथमिक सदस्य सम्मेलन हर घर में पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को बूथ पर आयोजित सम्मेलनों में वक्फ संशोधन बिल और धारा-370 पर होगी चर्चा होगी। 14 अप्रैल को बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर घर-घर जनसंपर्क अभियान चलेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को भाजपा प्रदेश कार्यालय समेत प्रदेश के सभी प्रदेश के सभी 65 हजार 14 बूथों पर मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर पार्टी का ध्वज फहराकर मिठाईयां बांटेंगे। इसी दिन बूथ और विधानसभा स्तर पर आयोजित सम्मेलनों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, धारा-370, नागरिक संशोधन अधिनियम, ट्रिपल तलाक, पार्टी की चुनावी सफलताएं, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर संबोधन होगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि 1980 में जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई तब पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा। आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और केंद्र सहित देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों का कल्याण करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी के सपने को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी कर रहे हैं।

बाबा साहब की प्रतिमाओं की सफाई कर मनाएंगे दीपोत्सव

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के एक दिन पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई कर संध्या के समय दीपोत्सव मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर मिष्ठान्न वितरण के साथ ही संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों और अनुसूचित जाति बस्तियों के स्कूलों में परिसर की स्वच्छता अभियान के साथ ही पेयजल व अन्य सामुदायिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाएगा। 15 से 25 अप्रैल के बीच समाज के विभिन्न वर्गों के वरिष्ठ नेताओं के साथ कम से कम 2 सत्रों की जिला स्तरीय संगोष्ठियों में कांग्रेस द्वारा किए गए बाबा साहब के अपमान और भाजपा द्वारा उन्हें दिए जा रहे सम्मान पर चर्चा की जायेगी।

'गांव-बस्ती चलो अभियान' में हिस्सा लेंगे पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि

6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। 7 से 13 अप्रैल के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि 'गांव-बस्ती चलो अभियान' के अंतर्गत पूरे दिन गांव, मोहल्ला एवं सेवा बस्तियों का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे। विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत कर आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे लेकर गलियों में यात्रा निकालेंगे। संध्या के समय स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजित करने के साथ ही विभिन्न समुदाय के नेताओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निवास पहुंचकर भेंट करेंगे। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं, मीसा बंदियों तथा कारसेवकों का सम्मान कर बूथ समितियों की बैठक में शामिल होंगे।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष के नाम की घोषणा जल्द होगी

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा जल्द होगी। संसद का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो गया है। ऐसे में अब प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव की तारीख की घोषणा की जा सकती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव जल्द किया जा सकता है। संसद का सत्र शुक्रवार को समाप्त हो गया। ऐसे में अब प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव की तारीख की घोषणा की जा सकती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा की योजना इसी माह के पहले पखवाड़े में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराने की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होना है और इससे पहले मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति होना है। ऐसे में अब चर्चा है कि अगले सप्ताह प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की तारीख की घोषणा हो सकती है, जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के नाम घोषित किया जा सकता है। मध्य प्रदेश में दो महीने पहले जिला अध्यक्षों के चुनाव हो चुके हैं। सामान्य प्रक्रिया के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जिला अध्यक्षों के चुनाव के तुरंत बाद किया जाना था, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव समेत कई कारणों से इसे टाल दिया गया। अब प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जल्द होने की बात कही जा रही है। ऐसे में दावेदारों के नामों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष की रेस में पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया, बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी समेत अन्य नेताओं के नाम चर्चा में हैं।

डिप्टी सीएम शुक्ल ने पूर्व मंत्री पटेल के स्व. पिता के निधन पर दी श्रद्धांजलि

मैहर। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल अपने मैहर जिले के प्रवास के दौरान, अमरपाटन में पूर्व राज्य मंत्री राम खेलावन पटेल के निवास पहुंचे। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने पूर्व राज्य मंत्री के पिता स्व भैया लाल पटेल के निधन पर अपनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, उनके परिवार जन सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने भोज विश्वविद्यालय की नियुक्तियां की निरस्त

नए सिरे से भर्ती के दिए आदेश

सत्ता सुधार ■ जबलपुर

युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान माना कि संपूर्ण चयन प्रक्रिया गहरी खामियों और पक्षपात से ग्रस्त थी। ऐसी स्थिति में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का कोई औचित्य नहीं बनता। अदालत ने एकलपीठ का आदेश रद्द करते हुए विश्वविद्यालय को निर्देश दिया है कि वह नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करें और नए सिरे से विज्ञापन जारी कर योग्य अभ्यर्थियों का चयन करे। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में की गई नियुक्तियों को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की युगलपीठ ने मनमानी और दूषित करार देते हुए निरस्त कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने चयनित अभ्यर्थियों के पक्ष में जारी एकलपीठ के आदेश को रद्द करते हुए नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। मध्य प्रदेश शासन और भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दायर अपील में कहा गया था कि वर्ष 2015 में प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर समेत अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गई। अपील में यह भी बताया गया कि चयन समिति में संबंधित विषयों के विशेषज्ञों को शामिल नहीं किया गया था, बल्कि अन्य विषयों के विशेषज्ञों से चयन कराया गया, जो नियमों के खिलाफ था। इसके अलावा, चयन समिति ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया।

न तो ठीक से जांच की गई और न ही निष्पक्ष मूल्यांकन

अपील में यह भी उल्लेख किया गया कि अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों की न तो ठीक से जांच की गई और न ही उनका निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया। अंकों के कई कॉलम बिना किसी स्पष्टीकरण के खाली छोड़ दिए गए थे। साक्षात्कार में कुछ अभ्यर्थियों को अत्यधिक अंक देकर अन्य अधिक योग्य उम्मीदवारों की अनदेखी की गई, जिससे चयन प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती है। इसके साथ ही, विज्ञापन में महिलाओं और दिव्यांगों के लिए आरक्षण का उल्लेख नहीं किया गया था और न ही आरक्षण रोस्टर उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार तैयार किया गया था। इन अनियमितताओं के कारण चयन प्रक्रिया को निरस्त कर दिया गया था। इसके विरुद्ध चयनित अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर एकलपीठ ने उनके पक्ष में राहतकारी आदेश दिया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए यह अपील दायर की गई थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान | डगवेल रिचार्ज विधि से होगा भूजल पुनर्भरण

प्रदेश में एक लाख कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य

सत्ता सुधार ■ भोपाल

जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान में भूजल पुनर्भरण के लिए डगवेल रिचार्ज विधि अपनाने का निर्णय लिया है। इसमें राज्य में एक लाख कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। यह पहल विशेष रूप से कृषकों को रबी की फसलों की सिंचाई हेतु स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। डगवेल रिचार्ज विधि उथले जलभृत के पुनर्भरण का एक सरल और सुलभ उपाय है। इस विधि में वर्षा जल को रिचार्ज पिट/फिल्टर के माध्यम से कुओं में प्रवाहित किया जाता है, जिससे भूगर्भीय जल स्तर में वृद्धि होती है। यह विधि भूजल स्तर बनाए रखने में मदद करती है और लंबे समय तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करती है।

समाज की भागीदारी भी होगी अहम

निजी कुओं की सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित हितग्राही की होगी, वहीं सार्वजनिक कुओं की देखरेख ग्राम पंचायतें करेंगी। इससे जनभागीदारी सुनिश्चित होगी और जल संरक्षण की भावना जन-जन तक पहुंचेगी। राज्य सरकार का यह प्रयास जल संकट से जूझते ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी समाधान के रूप में उभरेगा। यह अभियान किसानों के जीवन को समृद्ध बनाने में सहायक होगा। जल पुनर्भरण भू-जल संवर्धन और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगा।

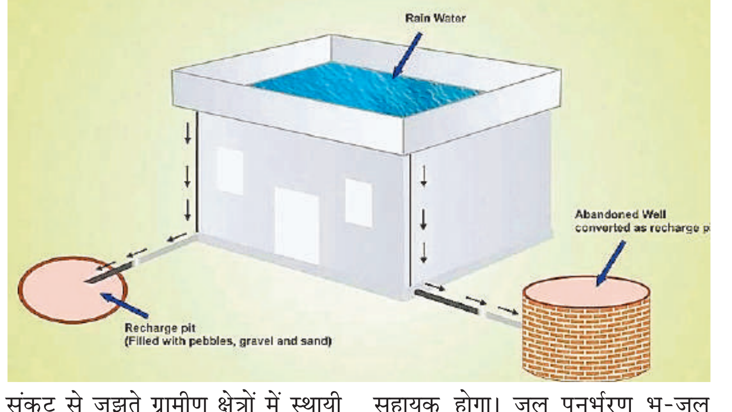

कुओं का चयन और रिचार्ज पिट का निर्माण

इस योजना में उन कुओं का चयन किया जाएगा जिनमें जल स्तर 10 मीटर से अधिक है और जो बरसात के बाद दिसंबर-जनवरी तक जल युक्त रहते हैं। मनरेगा अंतर्गत निर्मित कपिलधारा कुओं को भी इस योजना में सम्मिलित किया जा सकता है, यदि उनमें पूर्व में रिचार्ज पिट का निर्माण नहीं हुआ है। रिचार्ज पिट/फिल्टर का निर्माण कुंए से 3 से 6 मीटर की दूरी पर किया जाएगा। इसके लिए विशेष संरचना बनाई जाएगी जिसमें विभिन्न आकार के पत्थरों और मोटे रेत की परतें बिछाई जाएंगी, ताकि जल शुद्धिकरण और बहाव में कोई बाधा न आए। पाइप लाइन से यह पानी सीधे कुंए में पहुंचेगा और वहां से प्राकृतिक रूप से जलस्तर को पुनर्भरित करेगा।

प्रधानमंत्री को श्रीलंका में सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से सम्मानित किए जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और वैश्विक मंचों पर भारत की सशक्त उपस्थिति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'नया भारत' वैश्विक मित्रता का संवाहक बन रहा है। यह सम्मान भारत और श्रीलंका के बीच साझा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को और भी सशक्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीलंका द्वारा दिया गया यह सर्वोच्च सम्मान न केवल प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व, वरन् भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा की प्रतिस्थापना का प्रतीक भी है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति की सफलता को दर्शाता है।

ब्रीफ न्यूज

मारपीट कर घर में आग लगाने वाले आरोपियों गिरफ्तार

सागर। मोतीनगर पुलिस-दिनाँक 16 मार्च को फरियादी मारवाडी पिता सीताराम आदिवासी कुचवंदिया उम्र 20 साल नि0 गढेलू खुर्द सागर ने रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 14.03.2025 के रात 08.30 बजे की बात है मजदूरी करके घर आया था और ठाकुर बाबा मंदिर साफ करने के लिये गया था तो वहा पर अभय अहिरवार शराब पीकर बैठा था तो मैंने उसे शराब पीकर मंदिर में बैठने को मना किया तो वह मुझे गंदी गंदी गालिया देने लगा तभी मेरे उसके बीच में झूमाझटकी होने लगी तभी उसके घर के टीकाराम अहिरवार, हुकुम अहिरवार, रामकेश बंसल आ गये जिन्होने लात घूसो व डण्डे से मारपीट की जिससे चोट आई और फिर उन्होने डण्डो में कपडा बांधकर हमारी टपरियो (घर) में आग लगा दी रिपोर्ट पर अपराध धारा 296,115 (2), 326 (जी), 3 (5) बीएनएस का बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के मार्ग-दर्शन में आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किये जाकर प्रभावी कार्यवाही करते हुये मुखविर सूचना तंत्र स्थापित कर आरोपी 01. अभय पिता हुकुम अहिरवार उम्र 22 साल 02. टीकराम अहिरवार पिता चिन्तामन अहिरवार उम्र 27 साल 03. हुकुम पिता स्व. कलू अहिरवार उम्र 44 साल 04. रामकेश पिता दशरथ बंसल उम्र 34 साल सभी नि0 गढेलू खुर्द खुरई रोड सागर को दिनांक 05.04.2025 को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिन्होने अपराध कारित करना स्वीकार किया तथा घटना में प्रयुक्त डण्डा पेश करने पर जप्ती की जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। आरोपीगण अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं जिनके विरूद्ध विभिन्न अपराधिक मामले पंजीबद्ध हैं जिनका विवरण निम्नानुसार है-1. अभय अहिरवार उम्र 22 साल (कुल अपराध-02) 01. अप.क 144/2021 धारा 294,323,325,506,34 भादवि 02. अप क 752/2023 धारा 294,323,324,506,34 भादवि 01. अभय अहिरवार उम्र 22 साल (कुल अपराध-01) 01. अप.क 144/2021 धारा 294,323,325,506,34भादवि व कार्यवाही के दौरान निरी. जसवंत राजपूत थाना प्रभारी मोतीनगर, प्रआर पुष्पेन्द्र त्रिवेदी,प्रआर प्रदीप दुबे, प्रआर प्रमोद बागरी ,आर राहुल कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

मेडीकल संचालकों ने कलेक्टर एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

शाहगढ़/सागर। नगर के धनवंतरी मेडिकल क्लीनिक पर कार्यरत कर्मचारी के साथ मीडिया से जुड़े युवकों द्वारा की गई मारपीट के मामले में औषधि विक्रेता संघ ने सामूहिक रूप से कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम से शाहगढ़ तहसीलदार जीसी राय को ज्ञापन सौंपा है। पीड़ित युवक अरविंद यादव ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि हम मेडिकल क्लीनिक पर काम करते है गुरुवार को मेडिकल की जांच करने ड्रग इंस्पेक्टर की टीम आई थी। उसी दौरान कुछ लोग आए जो खुद को मीडिया लाईन से जुड़े होने का हवाला देकर मेडिकल के अंदर घुसने लगे तो मैने मेडिकल के अंदर आने से रोका तो हमारे साथ अनावश्यक दबाव डालकर गाली गलौज की।

मप्र सरकार का मालदार विभाग कुबेर का खजाना माना जाना वाला परिवहन विभाग के नुमाइंदे मोटर चालको से गुंडा टैक्स वसूल रहे

सरकार के नुमाइंदे वसूल रहे मोटर मालिको से गुंडा टैक्स, वसूली में लगे प्राइवेट कर्मी

सत्ता सुधार ■ मालथौन/सागर

हिंदी फिल्मों की तरह हफ्ता,मंथली बसूली गुंडा करते दिखाई देते है,जो देते है वह ठीक है जिसने देने से मना किया उसकी गुंडे धुलाई करते है,पैसे छीत लेते है।उसी तर्ज पर मध्यप्रदेश की सड़कों परिवहन का अमला बसूली कर रहा है। एमपी यूपी बॉर्डर के आटा मालथौन चेक पॉइंट इसी तरह के दृश्य फरमाए जा रहे हैं यहा पदस्थ चेक पॉइंट प्रभारी मीनिक्षी गोखले व उनकी टीम इसी तर्ज पर चल रही है।प्रभारी ने बसूली के लिए चबंल से आयात कर आधा दर्जन गुंडे पाल रखे है जो कभी आरक्षक की बर्दी में तो सिविल में दिखाई देते है मुंह पर कपड़े से बांधकर रखते हैं यह ट्रक ड्राइवरो को रोकते टोकते और धमकते दिखाई दे जायेगे। सरकार के आदेश से पिछले साल 1 जुलाई से प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में बने परिवहन चेक पोस्ट से अवैध वसूली बंद हो गई थी।इन चेक पोस्ट की जगह सरकार ने रोड सेफ्टी-एनफोर्समेंट चेकिंग पॉइंट बनाना तय किया था।जिसके चलते नेशनल

हाईवे 44 पर उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश की सीमा पर मालथौन में पुरानी जांच चौकी को भी चेकिंग पॉइंट बनाया गया है जहां चेकिंग के नाम पर बिना किसी आदेश के ट्रक चालकों से फिर से वसूली को शुरू कर दिया गया हैं।अनियमितताओं की जांच की आड़ में एंट्री के नाम पर रुपए नहीं देने पर वाहन मालिकों पर जबरन हजारों रुपए के चालान थोपे जा रहे हैं। जो वाहन चालक एंट्री नहीं देता है उस वाहन का चालन काट दिया जाता हैं।चेक प्वाइंट पर होमगार्ड के जवानों के साथ विभाग की महिला प्रभारी और महिला आरक्षकों को अब अवैध वसूली का जिम्मा सौंपा गया हैं। विभाग की गाड़ी क्रमांक स्क्क15 ञ्ज 9989 जिस पर ऋञ्जह्र चेक प्वाइंट सागर 1 लिखा हुआ हैं को रोड पर लगाकर प्रतिदिन लाखों रुपए की अवैध वसूली की जा रही हैं।अवैध उगाही को निर्बाध गति से चलाने का जिम्मा पहचान छुपा कर चेकिंग पोस्ट पर खड़े लुटेरे लठैतो और विभाग की महिला आरक्षक ऋतु शुक्ला पर है।

खबर है कि महिला आरक्षक सौरभ शर्मा की तर्ज पर विभाग परद्य कब्जा करना चाहती हैं। मप्रपु से परिवहन विभाग में पदस्थ हुई यह महिला आरक्षक सिंघम फिल्म के अजय देवगन जैसे तेवर रखती हैं और वाहन चालकों को जेल भेजने तक की धमकी दे देती है।जिससे वाहन चालक परेशान हो रहे है।सूत्र बतलाते है कि गौरतलब है कि परिवहन नाको पर पोस्टिंग नीलामी में जो अधिकारी ज्यादा राशि देता है उसे बसूली अधिकारी बनाकर भेजा जाता हैं।प्रभारी उप निरीक्षक भी बोली लगाकर ही चेक प्वाइंट पर आई है। गुरुवार को हरियाणा के ट्रक चालक सुनील चौरसिया को भी चालन के नाम पर धमकाकर अवैध वसूली की।

चैकिंग के दौरान ड्राइवर से हुई थी मारपीट

चैकिंग के दौरान बीते दिनों एक ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट की घटना सामने आई थी।जिस कर ड्राइवर ने अवैध बसूली एवं मारपीट के आरोप लगाए थे।मामला पुलिस थाने तक पहुचा था ,ट्रक ड्राइवर से मारपीट की घटना से बौखलाए ड्राइवरों ने उस दिन भी चक्काजाम खड़ा कर दिया था पुलिस की समझाइश के बाद मामला रफा-दफा कर जाम को खुलवाया गया था। प्राइवेट कर्मी लगे बसूली में आरटीओ के चैकिंग में चंबल के लठैतो से पहचान छुपाकर बसूली कराई जा रही है। सूत्र बतलाते है यह इन आधा दर्जन लोगों को आरक्षक की वर्दी पहनाकर बसूली और चैकिंग करवाई जा रही हैं। चैकिंग के दौरान कुछ इस तरह की फ़ोटो सामने आई हैं प्राइवेटकर्मी मुहं पर कपड़ा बांधकर काम कर रहे है।

विधानसभा के पटल पर उठ चुका मामला

दिसम्बर में चैकिंग प्वाइंट अटा कर्नेलगढ़ मालथौन में हुए घटनाक्रम की जिम्मेदार भी यही प्रभारी महिला अधिकारी हैं।जिनकी भृष्ट कार्यशैली के चलते एक माह की चेकिंग के दौरान ट्रक ड्राइवरों द्वारा आठ बार नेशनल हाइवे पर चक्काजाम कर दिया था। जिसका सवाल भी विधानसभा के सदन में गूंजा था।परिवहन चेक पोस्ट पर हो रही अवैध बसूली और बसूली से परेशान ट्रक चालकों ने नेशनल हाइवे पर बबाल मचाया था ,जिसको लेकर पूर्व मंत्री व विधयाक भूपेन्द्र सिंह द्वारा जोर सोर से मामला उठाया था ,यह मामला देशभर सुर्खियों में छाया रहा था। यहां तक कि स्थानीय नागरिकों द्वारा सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर महिला अधिकारी को हटाने की मांग करनी पड़ी।लेकिन परिवहन विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की।

मंदिरो में उमड़ता आस्था का जनसैलाव सुबह जल चढ़ाने के लिये लगती है कतारें

आज श्रीराम नवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

क्षेत्र में चैत्र नवरात्र का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। आस्था और विश्वास का केन्द्र माने जाने वाले पर्व पर श्रद्धालुओं द्वारा नौ दिनो तक मॉ भगवती की उपासना व्रत रखकर की जा रही है।जिसमें मॉ भगवती को निरंतर प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालुओं का मंदिरो में दुर्गा मां के दर्षनों के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।सुबह 4 बजे से किला प्रांगण में स्थित मां बीजासेन मंदिर,महामंगला महाकाली मंदिर,मां बगुलामुखी मंदिर , क्षीर सागर मंदिर में विराजमान नौ रूपो में मॉ दुर्गा मंदिर कछ्याने की देवी दुर्गा मंदिर,चंद्रघंटा दुर्गा मंदिर,श्री राधा कृष्ण मंदिर,नंदेश्वर मंदिर, हनुमान मंदिर के अलावा अन्य सभी दुर्गा मंदिरों में सुबह से ही जल चढ़ाने के लिए भक्तो की लम्बी लम्बी कतारे दिखाई देने लगती है । भक्तो के उमडता सैलाव से भक्ति और आस्था की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सुबह 4 बजे से श्रद्वालुओं द्वारा घंटो लाईन में लगकर जल चढ़ाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हे। श्रद्धालु दूर दूर से पैदल चलकर मॉ के दर्शनो के लिये आते है।

शाम को आरती में उमड रहा है जनसैलाब

भक्ति और शक्ति के पर्व मॉ भगवती के दर्शनों के लिए शाम 5 बजे से श्रद्धालुओं का मंदिरो में आना जाना प्रारंभ हो जाता है। जो देर रात्रि तक चलता रहता है। शाम के समय दुर्गा मंदिरों में दर्शनों एवं दिया रखने के लिए महिला श्रद्धालुओं के साथ बालिकाएं संख्या हजारों की संख्या में मंदिरों में पहुॅचती है और शाम को ऐसा लगता है मानो आस्था का सैलाव उमड़ रहा है। और एक बहुत विशाल मेला दिखाई पड़ता है वहीं पठार पर विराजमान महाकाली मंदिर और किले के बीजासेन मंदिर में शाम को आरती के समय भक्तो की बड़ी संख्या में भीड उमड रही हैं। मंदिर में भी जो श्रद्वालु अपनी मुरादे लेकर आते है उन्हे मॉ जगदम्बा पूरा करती है।

आज निकलेगी शोभायात्रा, मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

आज श्रीराम नवमी को लेकर राम मंदिर, हनुमान मंदिरो विशेष पूजाअर्चना होगी। मंदिरों में रामायण पाठ , सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर को विशेष साज सज्जा से सजाया गया है। वही रामभक्तो द्वारा नगर के प्रमुख मार्गो से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारिया अंतिम दौर में है। जगह जगह आमंत्रण भी दिए जा रहे जा रहे हैं। आयोजक समिति ने शोभायात्रा में शामिल होने के लिए नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से अपील की है।

आचार्य पदारोहण दिवस भाग्योदय में मनाया गया

सागर। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री समय सागर महाराज का चैत्र शुक्ल अष्टमी 5 अप्रैल को प्रथम आचार्य पदारोहण दिवस भव्य और दिव्य तरीके से भाग्योदय तीर्थ परिसर में हजारों लोगों की निर्यापक मुनि श्री योगसागर महाराज के ससंघ सानिध्य में मनाया गया। आचार्य श्री समय सागर महाराज का एक वर्ष पूर्व कुंडलपुर में आचार्य पदारोहण लाखों लोगों की उपस्थिति में हुआ था। भाग्योदय तीर्थ सागर में सुबह अभिषेक के पश्चात शांति धारा हुई इसके पश्चात आचार्य छत्तीसी विधान हुआ कार्यक्रम की शुरुआत में मंगलाचरण, पाठशाला के बच्चों के द्वारा किया गया। पूजन में 20 से अधिक महिला मण्डल गणवेश में उपस्थित प्रथम। पुरस्कार भाग्योदय महिला मंडल द्वितीय पुरस्कार मैत्री महिला मंडल बांसपूज्य राम पुरा और तीसरा पुरस्कार चौधरन बाई बीर बहू मंडल और बर्धमान वीर महिला मंडल आई टी आई को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री योगसागर महाराज ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज 1968 मैं राजस्थान में सब के बीच में कहा था ये शांतिनाथ भविष्य में शांतिसागर बनेगा प्रथम शिष्य उन्होंने अपने सबसे छोटे गृहस्थ जीवन के भाई को दीक्षा दे करके समय सागर नाम दिया था। और बाद में उन्हें आचार्य पद सौंपा गया। एक वर्ष हो गया है आचार्य श्री जी ने पूरे परिवार को समेट लिया और सभी मोक्ष मार्ग की राह पर चल रहे हैं। गुरुदेव कि कृपा ऐसी रही कि उन्होंने जो आदेश दिया उसमें हम लोगों ने कभी ना नहीं किया 1975 में आचार्य श्री ने हम ब्रह्मचारियों को काजू किशमिश का त्याग करने का बोला और हम लोगों ने त्याग कर दिया। आहार की कभी चिंता नहीं की। उन्होंने कहा कि कि आचार्य भगवन कभी भीड़ से प्रभावित नहीं होते थे वे हमेशा कहते थे। वे अपने कल्याण के लिए निकले हैं। मुनिश्री निरोग सागर महाराज ने कहा कि होते होते एक वर्ष बीत गया 45 वर्ष से आचार्य समय सागर जी महाराज की तपस्या चल रही है। उनकी ज्ञान और साधना अद्भुत है। आचार्य विद्यासागर महाराज निस्प्रही आचार्य थे। पद पर रहते हुए वे निर्लेप रहे वे पद को हमेशा भार मानते रहें उन्होंने 53 वर्ष तक आचार्य पद का निर्वाहन किया। एक बार किसी ने आचार्य श्री से कहा था किया दीक्षाएं देने का क्या आधार बनाते हैं आप, तो उन्होंने जवाब दिया था जिसका पुण्य होता है उसी पुण्य के कारण वह दीक्षा हेतु चुना जाता है। हमारा इसमें कुछ नहीं आचार्य श्री मुक्ति पद के राही थे और हमेशा कहते थे सारे पद मुक्ति में बाधक होते हैं उन्हें बाधक नहीं साधक बनना है और वे साधक ही बने। मुनि निरोग सागर महाराज ने बताया कि 2014 में विदिशा में मुनिश्री संभव सागर महाराज को प्रायश्चित्त ग्रंथ देकर समय सागर महाराज के पास भेजा था।

पार्टी स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मनाया गया दीपोत्सव

स्थापना दिवस पर आज जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी करेंगे झंडावंदन

आकर्षक विद्युत सजावट,और दीपों की रोशनी से जगमगा उठा भाजपा कार्यालय

सत्ता सुधार ■ सागर

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस आज अप्रैल रविवार को जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी प्रात: 09 बजे धर्म श्री स्थित संभागीय भाजपा कार्यालय में झंडा वंदन करेंगे इस दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे कार्यक्रम में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ,विधायक शैलेंद्र कुमार जैन एवं जनप्रतिनिधि,पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल होंगें।स्थापना दिवस के पूर्व संभागीय कार्यालय का रंग रोगन कर आकर्षण विद्युत सजावट व रंगोली एवं पुष्प मालाओं से सजाया गया है स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी विधायक शैलेंद्र कुमार जैन नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कार्यकर्ताओं के साथ

पार्टी कार्यालय में दीप जलाकर आतिशबाजी करते हुए उपस्थित पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर संगठनात्मक सागर जिले के सभी 1271 बूथों पर पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा जिसके अंतर्गत बूथों पर सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन,वरिष्ठ जनों का सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मालथौन के शुभम बने एमबीबीएस डॉक्टर, शुभचिंतक ने दी बधाई

सत्ता सुधार ■ मालथौन/सागर

सागर जिले मालथौन ब्लॉक के छोटे से गांव से आने वाले शुभम जैन एमबीबीएस डॉक्टर बन गए, एमबीबीएस डॉक्टर बनने से ग्राम व समाज में खुशी की लहर व्याप्त है। मध्यम जैन परिवार के स्वर्गीय जिनेश जैन माता अंजना जैन के मझले पुत्र शुभम जैन को एम बी बी एस डॉक्टर की डिग्री मिलने पर सकल जैन समाज मालथौन और ग्रामवासियों में खुशी का माहौल हैं डॉक्टर शुभम जैन व उनका परिवार आज भी ग्राम में निवासरत है एक ही जैन परिवार रहता है। ज्ञातव्य है की मुनि श्री सौम्य सागर जी

महाराज के गृहस्थ जीवन के मझले भाई है। स्वंगीय जिनेश जैन,मां अंजना जैन के पुत्र शुभम जैन को एमबीएस डॉक्टर बनने पर उनके ग्राम व समाज मे हर्ष का माहोल हैं। युवा भाजपा नेता आकाश जैन सीपुर के भाई शुभम जैन ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया से एमबी बी एस डॉक्टर की उपाधि हासिल कर ली ,उन्हें दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदाय की गई। आकाश जैन ने बताया कि दो साल कोटा में रहकर उन्होंने पीएमटी एक्जाम की तैयारी की उनका मेडिकल कालेज दतिया में सिलेक्शन हो गया था।

शिकायत **सेक्टर के उपयंत्री ने निर्माण कार्य अधूरा होने के बाद भी नियम विरुद्ध मूल्यांकन किया**

ग्रामीणों ने कलेक्टर एवं जिला सीईओ से की लिखित शिकायत

सत्ता सुधार ■ सागर

सागर।जिले के अंतर्गत आने वाली जनपद पंचायत देवरी के ग्राम सिंगपुर में उपयंत्री द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार को लेकर ग्रामीणों द्वारा शिकायत जिला कलेक्टर एवं जिला सीईओ से की शिकायत में बताया गया कि ग्राम पंचायत सिंगपुर के ग्राम कठौतिया में निर्मल नीर निर्माण मुन्ना वासुदेव के पास कठौतिया वर्क कोड क्रमांक 1710010047/DP/22012034525552 कूप की गहराई लगभग 2 से 3 मीटर है उपयंत्री द्वारा गलत मूल्यांकन किया गया है जिससे शासन को क्षति पहुंची है। इसी प्रकार निर्मल नीर राजकुमार के घर के पास ग्राम कठौतिया में जिसका क्रमांक 1710010047/

WC/22012035059968 है। कूप की गहराई वर्तमान में लगभग 6 मी बधाई ऊंचाई 4 से 5 मी है। निर्मल कूप निर्माण ग्राम कठौतिया वर्क कोड 1710010047/DP/22012034523734 लगानी भूमि में खोदा गया है।

उपयंत्री पर नहीं हो पा रही कार्रवाई

सुधीर पांडे निवासी सिंगपुर गंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत सिंगपुर गजन में उपयंत्री द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को लेकर कई बार शिकायत की लेकिन अभी तक उक्त मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पूरी जानकारी जिला के अधिकारी से लेकर जनपद के अधिकारियों तक को पता है लेकिन कार्रवाई नहीं कर रहे। उपयंत्री की मिलीभगत से शासन को लाखों रुपए की क्षति पहुंचाई जा रही है।

क्या है पूरा मामला

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना रोजगार गारंटी के अंतर्गत निर्मल कूप का कार्य किया जाता है,उक्त कार्य जितना होता है उसी हिसाब से उपयंत्री के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।मूल्यांकन होने के उपरांत ही पंचायत द्वारा राशि आहरित की जाती है लेकिन उपयंत्री द्वारा निर्माण कार्य अधूरा होने के बाद भी गलत मूल्यांकन कर, अधिक मूल्यांकन कर शासन को लाखों रुपए छति पहुंचने का कार्य किया गया है। इसी प्रकार उपयंत्री द्वारा अपने सेक्टर में निर्माण कार्य आधा अधूरा होने के बाद भी नियम विरुद्ध तरीके से मूल्यांकन किया गया है, उक्त मामले में जांच कार्यवाही की मांग की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में मारी टक्कर, एक गंभीर हालत में सागर रैफर

खुरई/सागर। शनिवार को ग्रामीण थाना क्षेत्र के धनौरा रोड पर एक ट्रक ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार फरियादी अनुज सिंह ठाकुर निवासी कबीरदास वार्ड ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके मामा विनोद सिंह ठाकुर पूजा करने विनायठा गांव गए थे। वापिस लौटते समय धनौरा और बेरी गांव के बीच तेज़ रफ़्तार चल रहे ट्रक क्रमांक जीजे 06 एएक्स 5937 ने पीछे से टक्कर मारकर दी। जिसमें स्कूटी सवार घायल हो गया, घायल को

सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के चलते उसे सागर रैफर कर दिया। बताया गया कि हादसे के बाद ट्रक तेज़ स्पीड में भाग गया था। खुरई में रेलवे फाटक के पास वह पकड़ा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू की।

ब्रीफ न्यूज

पर्वतारोही भावना डेहरिया को विक्रम पुरस्कार

ग्वालियर। प्रसिद्ध पर्वतारोही भावना डेहरिया का नाम मध्यप्रदेश शासन के राज्य स्तरीय खेल पुरस्कार-विक्रम पुरस्कार 2023 की सूची में शामिल किया गया है। इस उपलब्धि के साथ, भावना मध्यप्रदेश से एडवेंचर स्पोर्ट्स श्रेणी में विक्रम पुरस्कार के लिए चुनी जाने वाली पहली महिला बन गई हैं। मध्यप्रदेश सरकार हर वर्ष खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल हस्तियों को विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र, लाइफटाइम अचीवमेंट एवं प्रभाष जोशी पुरस्कार से सम्मानित करती है। विक्रम पुरस्कार 2023 की सूची का ऐलान खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया गया। छिंदवाड़ा की रहने वाली भावना ने 2019 में माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) फतह कर इतिहास रचा और अपनी पर्वतारोहण यात्रा में कई महाद्वीपों की ऊंची चोटियों को सफलतापूर्वक चढ़ा। उन्होंने साहसिक खेलों में रुचि रखने वाली युवा प्रतिभाओं, विशेष रूप से महिलाओं को, इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

चंबल प्रोजेक्ट एवं सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं को जल्द पूरा करें: सांसद कुशवाह

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मिशन लाइफ को संबंधित विभागों के अधिकारी गंभीरता से लें। यह अभियान प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसलिए इसमें कोई ढ़िलाई न हो। सभी विभाग मिशन लाइफ की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें और उसे क्रियान्वित करने के लिये कैलेण्डर भी निर्धारित करें। यह बात सांसद भारत सिंह कुशवाह ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में कही। उन्होंने ग्वालियर की दीर्घकालिक पेयजल व्यवस्था के लिये मूर्तरूप लेने जा रही चंबल प्रोजेक्ट में पाइप लाईन बिछाने का काम शीघ्र शुरू करने के निर्देश भी बैठक में दिए। बैठक में महत्वपूर्ण चंबल प्रोजेक्ट, रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण, एलीवेटेड रोड, निर्माणाधीन सड़कें व विकास कार्यों सहित केन्द्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा भी की गई। बैठक में सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किया गया मिशन लाइफ अभियान जलवायु परिवर्तन के गंभीर दुष्परिणामों से न केवल पर्यावरण और लोगों की जिंदगी बचाने पर केन्द्रित है, बल्कि इसका सीधा संबंध आर्थिक प्रगति से भी है। इसलिये सभी संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना बनाकर मिशन की गतिविधियों को धरातल पर लाएं। उन्होंने कहा इस मिशन में ऊर्जा व जल का संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करना, ई-वेस्ट व अन्य कचरे में कमी लाना, टिकाऊ खाद्य व्यवस्था एवं स्वस्थ जीवन शैली शामिल है। सांसद कुशवाह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन के तहत प्रोजेक्ट तैयार करें। बैठक में विधायक मोहन सिंह राठौर ने भी जिले के ग्रामीण अंचल के विकास एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में सांसद ने जोर देकर कहा कि वन विभाग की एनओसी न मिलने की वजह से विकास कार्य प्रभावित न हों। इसके लिये सभी संबंधित विभाग एवं वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण करें और एनओसी की प्रक्रिया पूर्ण कराएं। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट के सभी काम डीपीआर के अनुसार कराए जाएं। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर बनाए गए पुल की सीढ़ियों की चौड़ाई कम होने की ओर ध्यान आकर्षित किया। साथ ही निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्यों में श्रमिकों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो। बैठक में जिला पंचायत की अध्यक्ष दुर्गेश जाटव, विधायक मोहन सिंह राठौर व भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत, कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व वन मंडलाधिकारी अंकित पाण्डेय मौजूद थे।

थैलेसीमिया व ल्यूकेमिया से प्रभावित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भले ही ट्रीटमेंट के नए विकल्प उपलब्ध हैं, भारत में रक्त कैंसर और थैलेसीमिया गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं बनी हुई हैं। थैलेसीमिया के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट ही एकमात्र स्थायी इलाज है। यदि यह बचपन में किसी मेल खाने वाले भाई-बहन के डोनर से किया जाए, तो इसकी सफलता दर 90 प्रतिशत से अधिक होती है। इसी तरह ल्यूकेमिया जैसी रक्त कैंसर की जटिल स्थितियों के लिए सीएआर टी-सेल थेरेपी एक प्रभावी ट्रीटमेंट विकल्प साबित हो रही है। यह बात शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान मेदांता, गुरुग्राम के पीडियाट्रिक हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट डॉ. सत्य प्रकाश यादव ने कही। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, नीति निर्माताओं और आम जनता को मिलकर काम करना होगा, ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके, मिथकों को दूर किया जा सके और बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए एक सहयोगी वातावरण बनाया जा सके। यदि हम सब मिलकर प्रयास करें, तो असंख्य जीवन बचाए जा सकते हैं और थैलेसीमिया व ल्यूकेमिया से प्रभावित हजारों बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि रविवार को सिंधी धर्म शाला में सुबह 10 से 12 बजे तक शिविर आयोजित किया जाएगा।

अर्जी वाली काली माता पर हो रही पूजा अर्चना

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

कमलाराजा अस्पताल स्थित अर्जी वाली काली माता पर नवरात्रि के अवसर पर काफी भीड़ हो रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन व आम-जन यहां बड़े श्रद्धा-भाव से पूजा अर्चना कर रहे हैं। साथ ही मां के दरबार में अपनी अर्जी लगा रहे हैं। मां सभी श्रद्धालुओं की अर्जी पूरी करती हैं। नवरात्रि पर यहां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

शीतला माता के दर्शनार्थियों हेतु यूथ हॉस्टल ने लगाया भंडारा

ग्वालियर। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन यूनिट द्वारा शनिवार को शाम 7:30 बजे से ग्वालियर ही नहीं ग्वालियर चम्बल संभाग में प्रसिद्ध व ऐतिहासिक मंदिर शीतला माता मंदिर तिराहे पर भंडारे का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गर्ग के सहयोग व मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जो देर रात तक चला। नवरात्रि की सप्तमी पर शीतला माता मंदिर के दर्शन हेतु सर्वाधिक भीड़ पहुंचती है। भंडारे में पूड़ी, आलू की सब्जी, कद्दू की सब्जी का प्रसाद दर्शनार्थियों को वितरित किया गया। इस अवसर पर चैयरमेन शैलेंद्र माहौर, सचिव रामनारायण मिश्रा, कोषाध्यक्ष गौरव सिंघल, उपाध्यक्ष सुनील राय, सह कोषाध्यक्ष डॉ. समीर भार्गव, संगठन सचिव सतीश अग्रवाल, संयुक्त सचिव संजू कुरुषवानी ने इस पुण्य कार्य में सहयोग किया।

भागवत कथा कल से, निकलेगी भव्य कलश यात्रा

ग्वालियर। श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह 7 अप्रैल से विवेक विहार कॉलोनी स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया जा रहा है। उक्त कथा में विद्या वाचस्पति आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य पंडित

रामस्वरूप शास्त्री अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को भागवत कथा का श्रवण कराएंगे। भागवत कथा के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा विवेक विहार मंदिर से प्रारंभ होकर विवेक विहार कम्युनिटी हॉल स्थित कथा स्थल पहुंचेगी। उसके उपरांत गणेश पूजन एवं भागवत कथा का महत्व बताया जाएगा। उक्त जानकारी कथा परीक्षित श्रीमती गीता हरिश्चंद्र भटेले ने दी। 8 को सुखदेव जी का जन्म एवं सृष्टि वर्णन 9 को जड़ भरत चरित्र अजामल की कथा तथा प्रहलाद चरित्र महत्व सुनाया जाएगा। 10 को श्री रामचंद्र, श्रीकृष्ण जन्म और नंद उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। 11 को श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग लगाया जाएगा। 12 को गोपी उत्तर संवाद एवं रुक्मणी विवाह का आयोजन किया जाएगा। 13 को सुदामा चरित्र कथा के समापन तथा व्यास पूजन होगा। वहीं 14 अप्रैल को कथा को विराम देकर हवन पूर्णाहुति एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के प्रयासों से जिला सहकारी बैंक केंद्रीय बैंक को सरकार ने दी वित्तीय सहायता

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से नवरात्र में शिवपुरी को बड़ी सौगात मिली है। इससे अनेक किसानों के घरों में खुशियों का माहौल बनेगा। शिवपुरी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को प्रदेश सरकार की ओर से 50 करोड़ की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्णय को स्वीकृति मिली है। यह सहायता उस संकट की घड़ी में आई है जब बैंक गबन के मामलों के कारण वित्तीय संकट से गुजर रहा था। केंद्रीय मंत्री सिंधिया की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उसे पूरा करते हुए सैकड़ों किसानों के जीवन में खुशियों का नव संचार किया है। गौरतलब है कि सिंधिया ने दिसंबर 2024 में मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर बैंक के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया था। तीन महीने के अंदर ही मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के माध्यम से शिवपुरी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को 50 करोड़ की वित्तीय सहायता देने की मंजूरी दी है। इससे हजारों किसानों, छोटे व्यापारियों और गरीब जमाकर्ताओं को राहत मिलेगी। सिंधिया ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में किसानों के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की थी। अब यह राहत राशि किसानों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि बैंक पर खाद, बीज एवं कृषि से जुड़ी जरूरतों की आपूर्ति हेतु क्षेत्रीय निर्भरता अत्यधिक है।

श्रद्धाभाव से मनी बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारतीय दलित वर्ग संघ निर्भय भवन, पड़ाव के तत्वावधान में पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती समता पार्क फूलबाग में श्रद्धाभाव से मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा को 16 ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, प्रो. डीआर पवैया एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, कार्यवाहक अध्यक्ष चतुर्भुज धनौलिया, जयंती लाल नरेश आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को बाबू जगजीवन राम जी के जीवन भर किए गए कार्यों से शिक्षा लेनी चाहिए। इस अवसर पर सतगुरु कबीर आश्रम के अध्यक्ष रामप्रकाश मण्डेलिया, कमलेश रोजिया, विजय सिंह पाल, महेश अहिरवार, फूलसिंह माथुर, जबर सिंह अग्र, डीएन नॉर्वे, ओमीचरण सरस्वती, नरेंद्र चौधरी, संदीप सोलंकी, जितेंद्र भदौरिया, राजेश बाबू, डॉ. जसवंत सनाढ्य, पार्षद सुरेंद्र साहू, संदीप यादव, आनंद सिंह गौतम, अशोक सुमन, राजेंद्र सूर्यवंशी, एडवोकेट रामावतार इंदौरिया, डॉ. आंबेडकर बैंक के पूर्व अध्यक्ष निर्मल कुमार पलिया, पंचम सिंह भदौरिया, कांति कुंवर जाटव, फूल सिंह मौर्य आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी महेश मदुरिया ने किया। आभार व्यक्त वरिष्ठ दलित युवा नेता बृजेश धानुक ने किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर मंडल की कामकाजी बैठक हुई

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

डॉ भीमराव अंबेडकर मंडल की वृहद बैठक शनिवार को आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री विनोद शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार पार्टी के स्थापना दिवस एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती जिला एवं मण्डल एवं बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों जिसमें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा का झंडा अपने घरों पर फैलाकर उसके साथ सेल्फी लेना स्कूल, मंदिर एवं निकायों में साफ-सफाई सुनिश्चित करना, चौपाल लगाना, अंबेडकर की जयंती के एक दिन पूर्व उनकी प्रतिमा स्थलों की साफ सफाई एवं साज सज्जा कर दीप प्रज्वलित करना एवं 14 अप्रैल बाबा साहब की जयंती के दिन पुष्पांजलि कार्यक्रम रखना आदि अन्य विषयों के बारे में जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज ने की। संचालन विकास सिंह अग्र ने एवं आभार पिंटू परिहार ने व्यक्त किया। बैठक में जिला मन्त्री द्वय अमित जादौन एवं श्रीमती लता सिंह, वार्ड क्रमांक 24 के पार्षद नागेंद्र सिंह राणा, प्रदेश सहसंयोजक आईटी विभाग अभिनंदन त्यागी, वार्ड 28 के पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम टमोटिया, राम नरेश पाराशर, अरविंद सिंह तोमर, राजीव श्रीवास्तव, प्रेम सिंह मंडेलिया, अमित श्रीवास्तव, राकेश पुष्पद, नवीन भार्गव, सुभाष शर्मा, विनोद कुशवाहा, श्रीमती निष्ठा सिंह, श्रीमती उषा मिश्रा, श्रीमती पुष्पा चौधरी आशु कटारे सहित भाजपा मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

श्रेय लेने की भूख ने जिम्मेदारों को किया अंधा: प्रवीण पाठक

■ आरओबी को लेकर पूर्व विधायक ने दी आंदोलन की चेतावनी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

संभागीय आयुक्त कार्यालय से ओहदपुर के बीच बने विवेकानंद नीडम आरओबी पर ट्रैफिक शुरू करने के लिए गत दिवस शहर के विभिन्न संगठनों और आमजन की बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 तारीख को यदि शासन उद्घाटन नहीं करेगा तो 13 तारीख को किसी बुजुर्ग से कर लिया जाएगा। इसके बाद पूर्व विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस के महासचिव प्रवीण पाठक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली है। जिसमें लिखा है कि ग्वालियर के प्रति जिम्मेदारों का दायित्व नहीं, उनका अहंकार ग्वालियर का भाग्य लिख रहा है। ग्वालियर के लिए यह चिंताजनक संकेत है कि विवेकानंद नीड़म का तैयार पुल सिर्फ इसलिए आमजन के लिए नहीं खोला जा रहा है। क्योंकि नीति निर्धारक अब तक फीता काटने की तारीख नहीं चुन पाए हैं। ग्वालियर का विकास उनकी प्राथमिकता नहीं, बल्कि श्रेय लेने की भूख ने उन्हें अंधा कर दिया है। नीतियों का क्रियान्वयन करने वालों में पद पर टिके रहने के लिए चापलूसी की पराकाष्ठा ऐसी प्रतीत होता है जैसे वो रिटायरमेंट तक ग्वालियर में ही पदस्थ रहेंगे। नैतिकता का मानो स्वयं ने ही वध कर दिया हो। इसी कारण ग्वालियर विकास के पायदान में लगातार खिसकता जा रहा है। पार्टी के होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के चलते मैं 11 अप्रैल तक ग्वालियर से बाहर हूं, इसलिए स्वयं वहां उपस्तिथ होकर ये जनहित का विषय नहीं उठा पा रहा हूं, इसके लिए क्षमा चाहता हूं। सत्ता का अहंकार मुझे ही नहीं मुझ जैसे लाखों ग्वालियर वासियों को पीड़ा देता है। हम सभी लोगों को जो जनता की सेवा के लिए सार्वजनिक जीवन में हैं, उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर इसे जल्द से जल्द जनता के लिए खुलवाना चाहिए। उम्मीद है जल्द ही जिम्मेदार लोग अपने दायित्वों को समझेंगे, अन्यथा आंदोलन अंतिम विकल्प है।

निगम की खाली दुकानों के लिये व्यापारियों से मिले निगम अधिकारी

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा विभिन्न मार्केट में बनाई गई दुकानों के आवंटन हेतु निगम द्वारा निरंतर प्रक्रिया की जा रही है, जिसमें अभी अनेक मार्केट में कई दुकान है रिक्त हैं, जिनके आवंटन हेतु शनिवार को निगम के अधिकारियों द्वारा विभिन्न मार्केट के व्यापारियों के साथ बैठक कर चर्चा की गई। निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शनिवार को शहर के विभिन्न मार्केट के व्यापारियों के साथ चर्चा की गई। जिसमें हुजरात मार्केट की नगर निगम की दुकानों को लीज पर देने के लिए व्यावसायिक संगठनों से एवं आसपास के व्यापरियों से सुझाव लिया गया। इसके साथ ही मार्केट में आने वाली समस्या के निराकरण हेतु संबंधित को दिशा निर्देश दिए। इसी क्रम में गजराराजा स्कूल के पास खासगी बाजार में निगम मार्केट की दुकानों को टेंडर के माध्यम से लीज पर देने हेतु सुभाष मार्केट के व्यापरियों, नेहरू मार्केट के सचिव आदि व्यापरियों से संपर्क कर सुझाव एवम विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक राजस्व प्रमेन्द्र जादौन, राजस्व लिपिक मृगेंद्र सहित राजस्व कर संग्राहक एवं बड़ी संख्या में व्यवसाईगण उपस्थित थे।

पीस ऑफ माइंड आज हम सबकी जरूरत: बीके आदर्श दीदी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

कभी-कभी ज़िंदगी की इस दौड़ में हम भूल जाते हैं कि हम दौड़ किस चीज की लगा रहे हैं। सुबह से रात तक काम, जिम्मेदारियां, रिश्तों की खींचतान यह सब अधिकतर लोगों के जीवन चलता है। फिर जब कभी हम अकेले बैठते हैं, तो एक सवाल मन में उठता है – क्या मैं सचमुच शांति और खुशी का अनुभव कर रहा हूं। पीस ऑफ माइंड आज हम सबकी जरूरत है। जिस तरह शरीर को ऑक्सीजन चाहिए होती है, उसी तरह आत्मा को मन की शांति चाहिए होती है। उक्त बात राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने उच्च न्यायालय के के.के.डी. हॉल में अभिभाषकों को संबोधित करते हुए कही। बता दें कि यह कार्यक्रम उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ के सहयोग से प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के न्यायविद विंग द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता बीके प्रहलाद ने पीस ऑफ माइंड और मेडिटेशन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि हम दूसरों को खुश करने की कोशिश में, कई बार हम अपने को टाईम नहीं दे पाते है और शांति, खुशी, प्रेम, आनंद जैसे मूल गुण जिनके बिना सुंदर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती उनसे वंचित रहते हैं। इसके साथ ही राजयोग से आठ शक्तियों का हमारे जीवन में विकास होता है उस पर भी प्रकाश डाला। अंत में सभी को राजयोग ध्यान की सरल विधि बताते हुए अनुभूति कराई। कार्यक्रम में आशीर्वाद द्विवेदी, आरके जोशी, उमेश राजौरिया, जितेंद्र त्यागी, जितेंद्र सिमरोदिया, अंकिता शर्मा, राज राठौर, अरशद अली, अरुण सिंह, अनिरुद्ध सिंह सहित अनेकानेक अभिभाषक संघ के पदाधिकारी एवं अभिभाषक उपस्थित थे।

स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने परियोजनाओ के निर्माण संबंधी सभी बिन्दुओं का किया निरीक्षण

शहर के नागरिकों को मिलेगी जल्द थीम पार्क व आईएसबीटी की सौगात

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के नागरिकों को अब जल्द ही थीम पार्क व अन्तर्राजीय बस टर्मिनल की सुविधा का लाभ मिल सकेगा। क्योंकि यह दोनों ही परियोजना का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी को लेकर आज शनिवार को नगर निगम आयुक्त अमन वैष्णव के निर्देशानुसार स्मार्ट सिटी के अधिकारियो ने अंतरराजीय बस टर्मिनल व थीम पार्क के शेष फिनिसिंग के बचे कार्यों का निरीक्षण कर अंतिम शेष सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिये ठेकेदार को दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी के चीफ फाइनेंस ऑफिसर नरेंद्र कुमार शर्मा, अधीक्षण यंत्री श्री सुबोध खरे, कंपनी सेकेट्री प्रशांत साहू, सहायक यंत्री अनिल चौहान, आईटी प्रभारी नागेंद्र सक्सेना, उपयंत्री काजी खलील सहित अन्य संबंधित इंजीनियर व अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा दोनों ही परियोजनाओं में राजस्व सृजन किस प्रकार किया जा सकता इसको लेकर भी संभावनाएं देखी गई। वहीं अधिकारियों द्वारा संबंधित वेंडर को इन परियोजनाओं में आमजन सुविधाओं को और अधिक विस्तार देने के साथ जरूरी उपाय करने के जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। आईएसबीटी के निरीक्षण के दौरान दिव्यांगजन, बुजुर्गों के लिए किए गए प्रावधानों का भी अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया और संबंधित वेंडर को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। टीम के सदस्यों ने दोनों ही परियोजना में किये गए निर्माण कार्य व अन्य प्रावधानों का निविदा शर्तों के अनुसार जांच की व अन्य जरूरी कार्यों को पूरा करने के जरूरी दिशा निर्देश दिए।

जेयू में राष्ट्रीय कार्यशाला कल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

उच्च शिक्षा विभाग एवं जनजातीय विकास एवं अध्ययन केन्द्र जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जनजातीय गौरव (ऐतिहसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान) विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 7 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जेयू के गालव सभागार में होगा। राष्ट्रीय कार्यशाला के समन्वयक डॉ. शान्तिदेव सिसोदिया जनजातीय विकास एवं अध्ययन केन्द्र जीवाजी विश्वविद्यालय के अनुसार इस राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य जनजातीय नायकों के ऐतिहसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान जिसमें विशेष उल्लेखनीय है की भारत के स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय नायकों का योगदान महत्वपूर्ण है जिन्हें अभी तक समाज एवं राष्ट्र के सामने लाना है, क्योंकि अभी तक जनजातीय नायकों को साहित्य एवं इतिहास में उचित स्थान नही मिल पाया है, इन्हीं सभी विषयों पर विचार विमर्श कर अकादमिक जगत में जनजातीय सामाजिक सांस्कृतिक परम्पराओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना एवं विभिन्न जनजातीय नायकों के ऐतिहसिक योगदान पर शोध के लिये प्रेरित करना है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि पद्मश्री से सम्मानित एवं शिवगंगा समग्र ग्राम विकास परिषद झाबुआ के संस्थापक महेश शर्मा एवं विशिष्ठ अतिथि मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रथम जननायक टंट्या भील सम्मान से सम्मानित राजाराम कटारा तथा कार्यशाला के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के युवा कार्य प्रमुख वैभव सुरंगे होंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य करेंगे।

आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ हो रहा खिलवाड़

ग्वालियर। ग्वालियर सहित प्रदेश के सभी जिलों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एव सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा निजी आउटसोर्स एजेंसियों से अनुबंध किए गए थे, जो 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुके हैं। लेकिन अभी तक ग्वालियर सहित कई जिलों में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए नए टेंडर जारी नहीं किए गए। जबकि निजी कंपनियों द्वारा लगातार आउटसोर्स कर्मचारी के वेतन के नाम पर वित्तीय अनियमिताएं हो रही है। हर माह आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन के नाम पर करोड़ों रुपए का घोटाला हो रहा है, फिर बिना अनुबंध के नियम विरोध संचालित हो रही है। म.प्र. संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह का कहना है कि आउटसोर्स एजेंसियां प्रदेश के 30000 आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य के साथ सरकार द्वारा खिलवाड़ किया जा रहा है।

|| जगनिवास प्रभु प्रकटे
अखिल लोक बिश्राम.... ||

जन-जन की प्राण शक्ति
धर्म और न्याय के रक्षक मर्यादा पुरुषोत्तम
भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस

श्रीराम नवमी

के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मैहर
मां शारदा पूजन
विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं शिलान्यास
अपराह्न 1:00 बजे

चित्रकूट
गौरव दिवस कार्यक्रम
गंगा आरती एवं दीपोत्सव
सायं 5:30 बजे

गरिमामयी उपस्थिति
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
6 अप्रैल 2025

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अभ्युदय के पथ पर बढ़ता
धार्मिक पर्यटन को समृद्ध करता **मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11001/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

वैभवशाली भारत का राजनैतिक आधार भारतीय जनता पार्टी

▪ सुरेन्द्र शर्मा

भारतीय जनता पार्टी आज 12 करोड़ सदस्यों के साथ भारत ही नहीं विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष श्री अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। कांग्रेस की एकाधिकार वाली एक-दलीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था के रूप में जानी जाने वाली भारतीय राजनीति को भारतीय जनता पार्टी ने दो ध्रुवीय बनाकर एक गठबंधन-युग के सूत्रपात में अग्रणी भूमिका निभाई है। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में भाजपा नीत राजग शासन के दौरान रखी। वर्ष 2014 में तीन दशक बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसी एक पार्टी को देश की जनता ने पूर्ण बहुमत दिया है तथा वर्तमान में लगातार तीसरी बार भारी बहुमत से भाजपा नीत राजग सरकार केन्द्र में विद्यमान है।

पृष्ठभूमि: हालांकि भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के साथ ही देश में एक नई राजनीतिक परिस्थिति उत्पन्न हुई। गांधीजी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाकर देश में एक नया राजनीतिक षड्यंत्र रचा जाने लगा। सरदार पटेल के देहावसान के पश्चात् कांग्रेस में नेहरू का अधिनायकवाद प्रबल होने लगा। गांधी और पटेल दोनों के ही नहीं रहने के कारण कांग्रेस 'नेहरूवाद' की चपेट में आ गई तथा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज, राष्ट्रीय सुरक्षा पर लापरवाही, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक विषय देश में राष्ट्रवादी नागरिकों को उद्विग्न करने लगे। 'नेहरूवाद' तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर भारत के चुप रहने से क्षुब्ध होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरु मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इधर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ स्वयंसेवकों ने भी प्रतिबंध के दंश को झेलते हुए महसूस किया कि संघ के राजनीतिक क्षेत्र से सिद्धांततः दूरी बनाये रखने के कारण वे अलग-थलग तो पड़े ही, साथ ही संघ को राजनीतिक तौर पर निशाना बनाया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की आवश्यकता देश में महसूस की जाने लगी। फलतः भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर, 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में हुई।

जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय,प्रोफेसर बलराज मधोक इत्यादि लोग थे। भारतीय जनसंघ ने अपने स्थापना काल में ही देश में समान नागरिक संहिता,गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध एवं जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने जैसे राष्ट्र हित के मुद्दे उठाए। 1952 में हुए आम चुनाव में भारतीय जनसंघ ने 94 सीटों पर उमीदवार उतारे थे जिसमें से तीन विजयी हुए थे कोलकाता दक्षिण पूर्व से डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पश्चिम बंगाल के ही मिदनापुर झारग्राम से श्री दुर्गा चरण बनर्जी एवं राजस्थान की चित्तौड़गढ़ सीट से श्री उमाशंकर त्रिवेदी। भारतीय जनसंघ ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर एवं राष्ट्रीय अखंडता के मुद्दे पर आंदोलन छेड़ा तथा कश्मीर को किसी भी प्रकार का विशेषाधिकार देने का विरोध किया। नेहरू के अधिनायकवादी रवैये के फलस्वरूप डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कश्मीर की जेल में डाल दिया गया, जहां उनकी रहस्यपूर्ण स्थिति में मृत्यु हो गई। एक नई पार्टी को सशक्त बनाने का कार्य पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के कंधों पर आ गया। भारत-चीन युद्ध में भी भारतीय जनसंघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा राष्ट्रीय सुरक्षा पर नेहरू की नीतियों का डटकर विरोध किया। 1967 में पहली बार भारतीय जनसंघ एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय राजनीति पर लम्बे समय से बरकरार कांग्रेस का एकाधिकार टूटा, जिससे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की पराजय हुई। भारतीय जनसंघ को वर्ष 1952 में 3, वर्ष 1957 में 4, वर्ष 1962 में 14, वर्ष 1967 में 35, वर्ष 1971 में 22 सीटों पर विजय प्राप्त हुई अब जनसंघ अखिल भारतीय स्तर पर जन

स्वीकार्य विपक्षी दल का रूप ले चुका था। जन संघ का नेतृत्व करने वालों में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1951-52),पंडित मौली चन्द्र शर्मा(1954), श्री प्रेम नाथ डोगरा(1955),आचार्य देव प्रसाद घोष(1956-59), श्री पीतांबर दास (1960) श्री अवसरला राम राव(1961) , श्री आचार्य देव प्रसाद घोष (1962), श्री रघुवीर (1963) आचार्य देव प्रसाद घोष (1964), श्री बच्छराज व्यास(1965) श्री बलराज मधोक (1966),पंडित दीनदयाल उपाध्याय(1967-68), श्री अटल बिहारी वाजपेयी (1969-72), श्री लाल कृष्ण आडवाणी(1973-77) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जनसंघ का नेतृत्व किया एवं भारतीय जनसंघ को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया।

भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय: सत्तर के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में निरंकुश होती जा रही कांग्रेस सरकार के विरूद्ध देश में जन-असंतोष उभरने लगा। गुजरात के नवनिर्माण आन्दोलन के साथ बिहार में छात्र आंदोलन शुरू हो गया। कांग्रेस ने इन आंदोलनों के दमन का रास्ता अपनाया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने आंदोलन का नेतृत्व स्वीकार किया तथा देशभर में कांग्रेस शासन के विरूद्ध जन-असंतोष मुखर हो उठा। 1971 में देश पर भारत-पाक युद्ध तथा बांग्लादेश में विद्रोह के परिप्रेक्ष्य में बाह्य आपातकाल लगाया गया था जो युद्ध समाप्ति के बाद भी लागू था। उसे हटाने की भी मांग तीव्र होने लगी। जनान्दोलनों से घबराकर इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने जनता की आवाज को दमनचक्र से कुचलने का प्रयास किया। परिणामतः 25 जून, 1975 को देश पर दूसरी बार आपातकाल भारतीय संविधान की धारा 352 के अंतर्गत 'आंतरिक आपातकाल' के रूप में थोप दिया गया। देश के सभी बड़े नेता या तो नजरबंद कर दिये गए अथवा जेलों में डाल दिए गये। समाचार पत्रों पर 'सेंसर' लगा दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक राष्ट्रवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हजारों कार्यकर्ताओं को 'मीसा' के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। देश में लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा। जनसंघर्ष को तेज किया जाने लगा और भूमिगत गतिविधियां भी तेज हो गयीं। तेज होते जनान्दोलनों से घबराकर इंदिरा गांधी ने 18 जनवरी, 1977 को लोकसभा भंग कर दी तथा नये जनादेश प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर एक नये राष्ट्रीय दल 'जनता पार्टी' का गठन किया गया। विपक्षी दल एक मंच से चुनाव लड़े तथा चुनाव में कम समय होने के कारण 'जनता पार्टी' का गठन पूरी तरह से राजनीतिक दल के रूप में नहीं हो पाया। आम चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई तथा 'जनता पार्टी' एवं अन्य विपक्षी पार्टियां भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। पूर्व घोषणा के अनुसार 1 मई, 1977 को भारतीय जनसंघ ने करीब 5000 प्रतिनिधियों के एक अधिवेशन में अपना विलय जनता पार्टी में कर दिया।

भाजपा का गठन: जनता पार्टी का प्रयोग अधिक दिनों तक नहीं चल पाया। दो-ढाई वर्षों में ही अंतर्विरोध सतह पर आने लगा। कांग्रेस ने भी जनता पार्टी को तोड़ने में राजनीतिक दांव-पेंच खेलने से परहेज नहीं किया। भारतीय जनसंघ से जनता पार्टी में आये सदस्यों को अलग-थलग करने के लिए 'दोहरी-सदस्यता' का मामला उठाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंध रखने पर आपत्तियां उठायी जानी लगीं। यह कहा गया कि जनता पार्टी के सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य नहीं बन सकते। 4 अप्रैल, 1980 को जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने अपने सदस्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य होने पर प्रतिबंध लगा दिया। पूर्व के भारतीय जनसंघ से संबद्ध सदस्यों ने इसका विरोध किया और जनता पार्टी से अलग होकर 6 अप्रैल, 1980 को एक नये संगठन 'भारतीय जनता पार्टी' की घोषणा की। इस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई।

भाजपा के संस्थापक सदस्यों में: श्री अटल बिहारी बाजपेयी,श्री लाल कृष्ण आडवाणी,डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी,नानाजी देशमुख ,के आर मलकानी,श्री सिकंदर बख्त,श्री विजय कुमार मल्होत्रा,राजमाता विजया राजे सिंधिया,श्री भैरों सिंह शेखावत,श्री शांताकुमार,श्री जगन्नाथ राव जोशी थे। श्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1985 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए आम चुनाव में भाजपा की देश में करारी हार हार हुई देश में भाजपा केवल दो ही सीटों पर विजय प्राप्त कर सकी जीतने वाले सांसद थे गुजरात की मेहसाना सीट से शुरू ए के पटेल एवं आंध्रप्रदेश की हनम कोंडा सीट से श्री जंगा रेड्डी। पिछले 5 दशक में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री अटल बिहारी वाजपेयी(1980-86), श्री लाल कृष्ण आडवाणी (1986-1991,1993-98,2004-05) , डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी(1991-93), कुशा भाऊ ठाकरे (1998-2000),बंगारू लक्ष्मण(2000-20001), के.जना कृष्णमूर्ति (2001-2002), श्री एम बैंकैया नायडू(2002-04) श्री राजनाथ सिंह (2005-09,2013-14),श्री नितिन गडकरी(2009-13) श्री अमित शाह(2014-20) श्री जगत प्रकाश नड्डा (2020 से अबतक)अगर लोकसभा चुनावों में सफलता की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी को वर्ष 1984 में 2, वर्ष 1989 में 85, वर्ष 1991 में 120, वर्ष 1996 में 161,वर्ष 1998 में 182,वर्ष 1999 में 182,वर्ष 2004 में 138,वर्ष 2009 में 116 ,वर्ष 2014 में 282,वर्ष 2019 में 303 एवं वर्ष 2024 में 2040 सीटों पर विजय प्राप्त हुई।

विचार एवं दर्शन: भारतीय जनता पार्टी एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय है। पार्टी की कल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान 'विश्वशक्ति' एवं 'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। इसके साथ ही विश्व शांति तथा न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखे।

भाजपा भारतीय संविधान में निहित मूल्यों तथा सिद्धांतों के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आधारित राज्य को अपना आधार मानती है। पार्टी का लक्ष्य एक ऐसे लोकतान्त्रिक राज्य की स्थापना करना है जिसमें जाति, सम्प्रदाय अथवा लिंगभेद के बिना सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, समान अवसर तथा धार्मिक विश्वास एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो।

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। साथ ही पार्टी का अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर है।

ध्येनिष्ठ कार्यकर्ताओं की शक्ति भाजपा

देश को एक समर्थ राष्ट्र बनाने की मीमांसा के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में की गई। जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में भाजपा नीत राजग शासन के दौरान रखी।

भारतीय जनसंघ: गांधीजी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाकर देश में एक नया राजनीतिक षड्यंत्र रचा जाने लगा। सरदार पटेल के देहावसान के पश्चात् कांग्रेस में नेहरू का अधिनायकवाद प्रबल होने लगा। गांधी और पटेल दोनों के ही नहीं रहने के कारण कांग्रेस नेहरूवाद की चपेट में आ गई तथा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट- कोटा राज, राष्ट्रीय सुरक्षा पर लापरवाही, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक विषय देश में राष्ट्रवादी नागरिकों को उद्विग्न करने लगे। नेहरूवाद तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर भारत के चुप रहने से क्षुब्ध होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरु मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इधर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ स्वयंसेवकों ने भी प्रतिबंध के दंश को झेलते हुए महसूस किया कि संघ के राजनीतिक क्षेत्र से सिद्धांततः दूरी बनाये रखने के कारण वे अलग-थलग तो पड़े ही, साथ ही संघ को राजनीतिक तौर पर निशाना बनाया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की आवश्यकता देश में महसूस की जाने लगी। फलतः भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर, 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च विद्यालय में हुई। नेहरू के अधिनायकवादी रवैये के फलस्वरूप डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कश्मीर की जेल में डाल दिया गया, जहां उनकी रहस्यपूर्ण स्थिति में मृत्यु हो गई। एक नई पार्टी को सशक्त बनाने का कार्य पं दीनदयाल उपाध्याय के कंधों पर आ गया। भारत-चीन युद्ध में भी भारतीय जनसंघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1967 में पहली बार भारतीय जनसंघ का पं दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय राजनीति पर लम्बे समय से बरकरार कांग्रेस का एकाधिकार टूटा, जिससे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की पराजय हुई।

जनता पार्टी में विलय: सत्तर के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में निरंकुश होती जा रही कांग्रेस सरकार के विरूद्ध देश में जन-असंतोष उभरने लगा। जनान्दोलनों से घबराकर इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने जनता की आवाज को दमनचक्र से कुचलने का प्रयास किया। परिणामतः 25 जून, 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। देश के सभी बड़े नेता या तो नजरबंद कर दिये गए अथवा जेलों में डाल दिए गये। समाचार पत्रों पर सेंसर लगा दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक राष्ट्रवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हजारों कार्यकर्ताओं को मीसा के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। देश में लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा। ये जनसंघर्ष को देखते हुए इंदिरा गांधी ने 18 जनवरी, 1977 को लोकसभा भंग कर दी।

फीचर

बच्चों की सुनने की क्षमता को प्रभावित करते हैं हेडफोन

> विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हेडफोन, ईयरबड्स के बढ़ते उपयोग से बच्चों में सुनने में परेशानी होने की संभावना है क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी होती है।

बच्चे, किशोर और युवा वयस्क दुनिया भर में अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य सीमा से अधिक मात्रा में प्रतिदिन कई घंटे संगीत सुन रहे हैं। अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संस्था द क्विट कोएलिशन के डेनियल फिन्क ने कहा ''रोजमर्रा की जिंदगी में गैर-व्यावसायिक शोर एक्सपोजर मुट्ठी भर शोर स्रोतों जैसे व्यक्तिगत श्रवण प्रणाली, विशेष रूप से युवा लोगों के लिए; पारगमन शोर, घरेलू उपकरण; बिजली उपकरण; और मनोरंजन (खेल आयोजन, फिल्में, पार्टियां, एनएएससीएआर रेस, आदि) से आता है।'' पांच साल की अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक मात्रा में एक घंटे से अधिक व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम का उपयोग करने वाले लोगों के लिए श्रवण स्वास्थ्य जोखिम सबसे ज्यादा है। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा ''लोगों को लगता है कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डीबीए शोर जोखिम स्तर से सुरक्षित है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक शोर स्तर जो कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाई हानि को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा है।'' विशेषज्ञ ने कहा, ''बच्चे सबसे अधिक जोखिम में हैं क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी है और सामान्य श्रवण स्वास्थ्य सीखने, समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।'' अमेरिका की ध्वनिक सोसायटी की 180वीं बैठक के दौरान, जो 8 से 10 जून के बीच आयोजित हुई में फिन्क ने ऑडियोलॉजिस्ट जान मेयस के साथ व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम शोर उत्सर्जन मानकों और उनके उपयोग पर सार्वजनिक शिक्षा की आवश्यकता के लिए बात की।

भगवान श्री राम हैं दया के सागर

भगवान राम का अर्थ है सब कुछ। जो इस सब को घेरे हुए है, जो इस सबके भीतर छिपा है, उसकी तरफ जो आकर्षित हो गया।भगवान श्री राम हैं दया के सागर हैं जो पत्थर की अहिल्या को भी जीवन दिया. जो अब बूंद में आकर्षित नहीं है, बूंद में छिपे महासागर में आकर्षित है। जो व्यक्ति में आकर्षित नहीं है व्यक्ति के भीतर छिपे अव्यक्ति में आकर्षित है। अब जो सब तरफ उसे परमात्मा से ही खींचा जा रहा है और बुलाया जा रहा है,उसी महासागर के मिलन की तरफ।शब्द अपने आप में अर्थ हीन हैं ।सब कुछ उपयोग पर निर्भर करता है। शब्दों में खुद कोई अर्थ नहीं है। अर्थ तो हम डालते हैं और हम देते हैं। और अर्थ बदल जाता है। कृष्ण कहते हैं -मुझमें आसक्त मन वाला हो। मन इसमें नहीं तो उसमें,किसी न किसी में तो आसक्त होता ही है। जुड़ना,संलग्न-संबद्ध-नत्थी होना ही उसका काम है।इससे उसे सुख मिलता है। यही सुख बड़े दुख का कारण बन जाता है। स्थायी सुख तभी संभव है जब मन ईश्वर में आसक्त हो जाय।

ईश्वर हर हृदय में विद्यमान है।

ईश्वर~सर्वभूतानां हृद्देशेह्यर्जुन तिष्ठति।

मनुष्य किसी चेहरे में, अहंकार में,जीव में आसक्त हो जाता है।मुझमें आसक्त मन वाला का मतलब है उसका केंद्र बदल गया।

जैसे मैं करता हूं की जगह ईश्वर करता है यह ध्यान किया तो केंद्र बदल गया, अहंकार की जगह ईश्वर की स्थापना हो गयी।चेहरे में आसक्त होने के बजाय हृदयस्थ ईश्वर में आसक्ति हो गयी।केंद्र बदल गया। व्यक्ति वही है,चेहरा वही है,बूंद वही है मगर अब आसक्ति का केंद्र बूंद में रहा महासागर हो गया।है भी यही।हम वास्तव में व्यक्ति से नहीं अपितु उसके हृदय में रहे परमात्मा से ही प्रेम करते हैं।सच तो यही है।इसे स्वीकार कर सुखी क्यों नहीं हो जाते? क्यों नाम रुप में उलझे रहते हैं? या क्यों किसीको छुडाना चाहते हैं? केवल इतनी समझ देना काफी है कि वस्तुतः~तुम हृदय में रहे परमात्मा में ही आसक्त हो। वही खींचता है। उसीकी शक्ति वास्तविक है।

संजय गोस्वामी

आसक्ति का अर्थ है, जिसमें हम आकर्षित हो रहे है; जिसमें हम खींचे जा रहे हैं; जिसमें हम बुलाये जा रहे हैं; जिसमें हम पुकारे जा रहे हैं;जिसके बिना हम जी न सकेंगे।

तो चाहे कहें आसक्ति,चाहे कहें प्रेम,चाहे कहें अनन्य राग,चाहे कहें भक्ति; इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। इतना ही प्रयोजन है कि जो परमात्मा की तरफ खिंचा जा रहा है;जिसके आकर्षण का बिंदु परमात्मा हो गया।

आसक्ति लगाव,अनुराग,संबंध,बंधन,प्रेम हरेक से नहीं होता।अगर कोई ऐसा हो जो सभीके हृदय में रहे भगवान श्री राम में आसक्त हो तो यह दुर्लभ घटना है।वह सभी से प्रेम करेगा,सभी की सेवा करेगा।ऐसे पुरुष कम ही होते हैं।ऐसे लोग ही अधिक हैं जो इससे या उससे मोह से,प्रेम से, आसक्ति से बंधे हैं।यह असामान्य रुप लेकर अनेक व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक समस्याएं उत्पन्न करता है। उसे कहा जाता है-मोह छोड दो,संबंध तोड दो।कई बार आदमी स्वयं भी इस मोह से छूटना चाहता है मगर छूट नहीं पाता।तो छूटने की जरूरत नहीं है,केवल केंद्र बदलने की जरूरत है।बूंद से ध्यान हटाकर बूंद में रहे महासागर से प्रेम करना है,जीव की जगह भगवान श्री राम जैसे आसक्त मन वाला होना है। वही तो खींच रहा है।यह पता न होने से मुश्किल लगता है। लेकिन छोड़ने के लिए तो कहा नहीं जा रहा इसलिए मन में थोडा धैर्य बना रहता है।तात्पर्य है आपका जिसमें मोह है उसे मत छोडिये,केवल उसके हृदय में रहे भगवान श्री राम को, कृष्ण को मोह का, आसक्ति का(अटेचमेंट का)पात्र बना लीजिए जो आपको अपने में आसक्त किये हुए है। वही कर सकता है,और कौन कर सकता है?

भगवान राम में आसक्त मनवाला जब हम कहेंगे,तो आसक्त शब्द का वही अर्थ न रह जायेगा,जो धन में आसक्ति वाला,यश में आसक्ति वाला।

महासागर हर बूंद में है।सभी बूंदों में आसक्ति न हो,किसी एक में हो तो महासागर से आसक्ति का रुप बदल जायेगा।बूंद में आसक्त मन को खुद अपनी क्षुद्रता मालूम पडेगी।ऐसा भी कोई हो सकता है जो सैंकडों, हजारों लहरों को देखता है मगर किसी में आसक्त न होकर सीधे सागर में ही आसक्त होता है।सागर ही सभी लहरें बना हुआ है इसलिए सागर से प्रेम,सागर से मोह में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।उसका कोई रुप अर्थात् लहर नष्ट भी हो जाय तो कोई फर्क नहीं पड़ता।जलरुपी लहर वापस जलरुपी सागर में समा गयी, उससे एक होगयी।सागर ने अपने उस रुप विशेष को वापस अपने में समेट लिया।मूल में कोई हानि नहीं हुई।

अब अगर सागर के बजाय लहर विशेष में मोह है तो उसके मिटने पर दुख होगा।सागर ही था,है और रहेगा, उसमें कोई उत्पत्ति,विनाश नहीं है यह जाना तो कोई दुख नहीं होता है।

प्रेरणा

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया। कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

अपनी बात

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीरा कुमार ने अपने पिता को याद कर कहा कि समता का मतलब ही है समाज में बराबरी। कांग्रेस नेता मीरा कुमार ने कहा, इस देश में गैर-बराबरी और भेदभाव बहुत ज्यादा है। हम जब समता दिवस मनाते हैं, तब पूरी दुनिया में यही संदेश पहुंचाते हैं कि भेदभाव की भावना को समाप्त किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती पर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वह दो चीजें चाहते थे- एक मजबूत भारत और दूसरा लोकतांत्रिक भारत। पीएम मोदी ने कहा कि अनेक वर्षों तक राष्ट्र की सेवा में उन्होंने अपना पूरा जीवन खपा दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि।

ब्रीफ न्यूज

रोटरी भवन में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद आपरेशन शिविर रविवार को

गुना। जिला दृष्टिहीनता नियंत्रण समिति के अंतर्गत रोटरी क्लब गुना एवं सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर के तत्वाधान में स्व. चंदा वाई जैन एवं स्व. बाबूलाल जैन चौधरी की पुण्य स्मृति में निश्शुल्क नेत्र, शुगर व बीपी जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन रोटरी भवन में किया जा रहा हे। शिविर संयोजक विकास जैन ने बताया कि 6 अप्रैल, रविवार को रोटरी भवन गायत्री मंदिर के पास गुना में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 तक आयोजित नेत्र शिविर में सदगुरु संकल्प नेत्र चिकत्सालय के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा नेत्र, शुगर व बीपी की जांच की जाएगी। जिसमें से चिन्हित मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु लटेरी सदगुरु नेत्र चिकित्सालय भेजा जाएगा। जिसको लेकर रोटरी अध्यक्ष जितेंद्र खुराना, सचिव मनोज अग्रवाल एवं रोटरी सदस्यों ने जिलेवासियों से नेत्र जांच शिविर में सहयोग कर अधिक से अधिक लोगों स्वास्थ्य लाभ लेने का आग्रह किया गया हे।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया 9 अप्रैल को गुना में करेंगे गौशाला का भूमि पूजन

गुना। भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का 9 अप्रैल को एक दिवसीय गुना कार्यक्रम के दौरान गौशाला का भूमि पूजन करेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन ने बताया कि केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया 8 अप्रैल मंगलवार को दिल्ली से चलकर शिवपुरी होते हुए रात्रि करीब 11.15 बजे गुना आगमन होगा। केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया रात्रि विश्राम सर्किट हाउस गुना में करेंगे। तत्पश्चात अगले दिवस 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे गुना सर्किट हाउस से कंचन पूरा एबी रोड स्थित गौशाला का भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लेकर सुबह 11 बजे कार्यक्रम स्थल गुना से शिवपुरी जिले के बदरवास में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रस्थान करेंगे।

गुना में वक्फ संशोधन का मुस्लिम समाज ने आतिशबाजी चलाकर मिठाई बांटकर किया स्वागत

गुना। जिले में वक्फ संशोधन को लेकर मुस्लिम समाज में खुशी का माहौल देखने को मिला। संशोधन के समर्थन में समाजजनों ने उत्साह के साथ सार्वजनिक रूप से जश्न मनाया। इस अवसर पर आतिशबाजी की गई और मिठइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाइयां दी गई। समाज के लोगों ने वक्फ कानून में हुए इस बदलाव को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। समाजजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव, मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल और भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन में वक्फ जिला अध्यक्ष जाकिर बावड़ी की अगुवाई में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस बदलाव को समाजहित में बताया और इसे वक्फ संपत्तियों के संरक्षण व पारदर्शिता की दिशा में एक सकारात्मक कदम करार दिया। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि लंबे समय से वक्फ संपत्तियों को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आती रही हैं।

छात्रावास में पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की गई

कथा के साथ शुरू हुआ रघुवंशी समाज का राम जन्मोत्सव कार्यक्रम, आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सत्ता सुधार ■ गुना

श्रीराम नवमी पर्व की शुरुआत शहर में भक्ति और उत्साह के माहौल के साथ हो गई है। रघुवंशी समाज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में इस वर्ष भी भव्य चल समारोह की तैयारी जोरों पर है। आयोजन से एक दिन पूर्व प्रताप छात्रावास में पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की गई। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन बीते 20 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को पूरे समाज की सहभागिता से मनाया जाता है। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया गया है और श्रद्धालुओं के लिए बैठने व प्रसाद ग्रहण की समुचित व्यवस्था की गई है।

श्रीराम नवमी पर्व के दिन सुबह 9 बजे हवन और पूर्णाहुति के साथ पूजा-अर्चना की जाएगी, इसके पश्चात दोपहर 12 बजे सामूहिक आरती का

आयोजन होगा। इसके ठीक बाद प्रताप छात्रावास से रघुवंशी समाज का भव्य चल समारोह प्रारंभ होगा, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ पुनः छात्रावास परिसर में संपन्न होगा। चल समारोह में आकर्षक झांकियां, ढोल-नगाड़े, भक्तों की टोलियां, और श्रीराम-सीता की झलकियों के माध्यम से धार्मिकता की अलौकिक छटा देखने को मिलेगी। समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी समाजजन और श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजन को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

गुना के कार्यक्रम के बाद पहुँचंगे भोपाल

रघुवंशी समाज ने भोपाल के प्रतिष्ठिजनों को आश्वासन दिया कि गुना में आयोजित कार्यक्रम के बाद वह भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सुरेश रघुवंशी ने दिया। इस दौरान सीपी रघुवंशी, राजकुमार सिंह, अर्जुन सिंह, बसंत सिंह, देवेंद्र सिंह, हरि सिंह, कृष्ण योगेंद्र सिंह, सुरेश सिंह, सुनील रघुवंशी, उमेश रघुवंशी, अशोक सिंह, शैलेंद्र सिंह, नथन सिंह रघुवंशी, राजदीप सिंह, शिवराज सिंह, कुलदीप सिंह, हरेंद्र सिंह उकावद, हेमंत सिंह, अनिल सिंह, विश्वनाथ सिंह, सुनील रघुवंशी आदि मौजूद रहे। आभार बलवीर रघुवंशी ने माना।

श्रीराम जन्मोत्सव में शामिल होने दिया आमंत्रण

दरअसल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी का जन्मोत्सव रघुवंशी समाज द्वारा आगामी 6 अप्रैल को प्रदेश की राजधानी भोपाल में धूमधाम से श्रद्धा भाव से मनाया जाएगा। रविन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में पदमश्री संगीत सम्राट अनूप जलोटा भजन संध्या में मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही इस दौरान श्रीलयम नाटय श्री द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन को लेकर रघुवंशी समाज में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसको लेकर भोपाल से समाज के वरिष्ठजन उमाशंकर रघुवंशी, मदन सिंह रघुवंशी, केशव रघुवंशी, रघुवीर सिंह रघुवंशी शुक्रवार को गुना पहुँचे। इस दौरान उनके सम्मान में एक कार्यक्रम भी होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रघुवंशी समाज को भोपाल कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कियाा गया।

कुंभराज मंडी में आईसक्रीम बेचने वाले के साथ मारपीट करने वालों पर मामला दर्ज

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले की कुंभराज मंडी में आइसक्रीम बेचने वालों के साथ मारपीट व तोड़ फोड़ करने वाले के विरुद्ध थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी व ट्रैक्टर की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। दरअसल गत दिवस जिले के कुम्भराज की अस्थाई गल्ला मण्डी में आईस्क्रीम बेच रहे एक व्यक्ति सहित एक नाबालिक के साथ आइसक्रीम के पैसे मांगे जाने पर मंडी में फसल बेचने आए राजवीर उर्फ बीरु बना (राजपूत) निवासी ग्राम मुंहासा द्वारा झूमा झटकी कर मारपीट की गई। जिन्हें बचाने आए उनके एक परिजन की मोटर साइकिल में अपने जोनडियर ट्रेक्टर से टक्कर मारकर नुकसान पहुंचाया गया। इस घटना के पीडिति फरियादी दीपक जोगी पुत्र मोहन जोगी निवासी इन्द्रा कालोनी कुंभराज की रिपोर्ट पर आरोपी राजवीर सिंह के विरुद्ध कुंभराज थाने पर अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया है। आरोपी की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित की गई है, पुलिस द्वारा आरोपी की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

बमोरी क्षेत्र में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपती घायल, अस्पताल में भर्ती

गुना। जिले के बमोरी थाना क्षेत्र में गत शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप वाहन ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घायलों को तत्काल बमोरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरियादी विक्रम भिलाला निवासी धमकन चौकी ऊमरी ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी पत्नी कलमबाई के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम कलौरा से लहसुन काटने के बाद वापस लौट रहे थे। उनके आगे दूसरी बाइक पर उनका रिश्तेदार भूरा उर्फ भूरसिंह भिलाला व उसकी पत्नी लमबाई भी सवार थे। जब वे ग्राम साजरबाड़ा के पास आम रोड पर पहुंचे, तभी सामने से आ रही पिकअप क्रमांक आरजे 14 जीजी 7782 ने तेज और लापरवाही से चलाते हुए सीधे भूरा की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही भूरा और उसकी पत्नी सड़क पर जा गिरे।

जमीन के बंटवारे को लेकर भाइयों में विवाद, जमकर चलीं लाठियां, दोनों पक्षों पर क्रॉस मामला दर्ज

गुना जिले के आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम बरबटपुरा में पारिवारिक भूमि विवाद ने गत रात उग्र रूप ले लिया। बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों भानू अहिरवार और प्रीतम अहिरवार के बीच कहासुनी के बाद लाठियां चल गई। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों की शिकायतों पर क्रॉस केस दर्ज कर लिया है। मामले में पहले पक्ष के फरियादी भानू अहिरवार (27) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गत रात करीब 8 बजे अमर सिंह के घर के पास उसकी अपने बड़े भाई प्रीतम से मुलाकात हुई। भानू के अनुसार, जब उसने हिस्से की जमीन व मकान की बात उठाई, तो प्रीतम ने गालियां दीं और लाठी से सिर, हाथ और पैर में वार कर दिया। भानू की पत्नी भूरिया बाई, और उसके भांजे अंकेश व विकास ने बीच-बचाव किया। जाते-जाते प्रीतम जान से मारने की धमकी देकर चला गया।

हनुमान टेकरी मंदिर में 29वां वार्षिक रामायण पाठ प्रारंभ, नवदुर्गा पर्व पर भव्य धार्मिक आयोजन

सत्ता सुधार ■ गुना

सिद्ध बाबा सेवा समिति द्वारा सिद्ध बाबा स्थित हनुमान टेकरी मंदिर में 29वाँ वार्षिक रामायण पाठ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रारंभ किया गया। यह आयोजन नवदुर्गा महापर्व के पावन अवसर पर शुरू हुआ है, जो पूरे नौ दिनों तक चलेगा। मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन अखंड रामायण पाठ हो रहा है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रत्येक संध्या भजन-कीर्तन और आरती के साथ पाठ का समापन किया जाता है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन भाग ले रहे हैं। मंदिर समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि यह वार्षिक आयोजन वर्षों से धार्मिक परंपरा के रूप में चलता आ रहा है, जिसका उद्देश्य रामकथा के आदर्शों और

जीवन मूल्यों को समाज में फैलाना है। नवदुर्गा पर्व के अवसर पर रामायण पाठ और भंडारे का संयोजन वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना देता है। इस आयोजन में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समिति और स्वयंसेवकों द्वारा व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से संचालित किया जा रहा है।

जन्मदिन पर अनूठी भक्तिः अभि कुशवाह ने 24 घंटे की अखंड साधना कर प्रकट की श्रद्धा

गुना। आज जहाँ जन्मदिन मनाने के तौर-तरीके लगातार बदल रहे हैं, वहीं अभि कुशवाह ने अपने जन्मदिवस पर एक मिसाल पेश की। उन्होंने 24 घंटे की अखंड साधना कर प्रभु चरणों में अपनी गहरी श्रद्धा प्रकट की। यह साधना 3 अप्रैल की रात्रि 10 बजे से प्रारंभ होकर 4 अप्रैल की रात्रि 10 बजे तक श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, जयस्तंभ चौराहा पर सम्पन्न हुई। अभि कुशवाह ने इस तपस्या के दौरान मोबाइल फोन, अन्न और वार्तालाप का पूर्ण रूप से त्याग किया। मौन धारण करते हुए उन्होंने संपूर्ण समय केवल श्री राधे रानी के नाम का जाप किया।

नेशनल फर्टिलाइजर्स एम्प्लॉयज यूनियन के 15 सदस्यों का प्रशिक्षण हेतु शिलांग प्रस्थान

सत्ता सुधार ■ गुना

नेशनल फर्टिलाइजर्स एम्प्लॉयज यूनियन (एनएफईयू) ने प्रबंधन के सहयोग से अपने 15 सदस्यों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शिलांग मेघालय भेजा है। यह प्रशिक्षण 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक रीजनल लेबर इंस्टीट्यूट शिलांग में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को औद्योगिक सुरक्षा, श्रम कानूनों और कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं कुशल कार्य संचालन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। एनएफएल प्रबंधन एवं यूनियन की संयुक्त पहल से यह प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है, जिससे कर्मचारियों के कार्य दक्षता में वृद्धि होगी एवं कार्यस्थल की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कर्मचारियों में पीके जैन, एचबी साहू, रजनीश श्रीवास्तव, प्रकाश गुप्ता, दिनेश साहू,परिवेश

सिंह सेंगर, अन्नू परिवेश सेंगर,सुरेश कुमार, अमित चौधरी, जिनेश नायक, अरुण अलावा, माधव श्रीवास, राहुल कुमार, यूनियन के संगठन सचिव नरेश कुशवाह और टीम लीडर के रूप में यूनियन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह भोज शामिल होंगे। यूनियन के महासचिव एलएस रघुवंशी, उपाध्यक्ष वेदराम मीना, संयुक्त सचिव विकास श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंही के साथ ही कार्यकारी सदस्य आरबी वर्मा, मनोज कुमार शर्मा, साकेत पाराशर, अटल ग्वाल, मनोज शर्मा मेडिकल, कृष्ण कांत, अमितेश पांडे, डीआर ध्रुव, दिनेश कुमार के साथ ही समस्त कर्मचारी ने यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दी । यूनियन ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित अधिकारियों एवं प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।

बमोरी और विजयपुर में घरेलू व रंजिशन विवाद, दो महिलाओं से मारपीट

गुना। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों बमोरी और विजयपुर में गत दिवस को विवाद की दो गंभीर घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें महिलाओं के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बमोरी थाना क्षेत्र के ग्राम अमरोद निवासी श्रीबाई पत्नी कमलसिंह अहिरवार ने पुलिस को बताया कि गत शाम करीब 6 बजे जब वह गांव हासली के खेत पर गेहूं कटवा रही थीं, तभी बब्लू अहिरवार नामक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते उनके साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर बब्लू ने उन्हें थप्पड़-मुक्कों से मारा और बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया। इस हमले में श्रीबाई को दाहिने हाथ की कलाई, गालों और माथे पर चोटें आई। मौके पर मौजूद शिब्बा सहरिया, कैलाश भील और बलराम लोधा ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग प्लाईवुड दुकान में लाखों का नुकसान

रातभर चार्जिंग में लगी स्कूटी से भड़की आग, समय रहते बुझाई गई

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के बोहरा मस्जिद कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक प्लाईवुड की दुकान से अचानक धुआं उठने लगा। घटना बुरहानी प्लाईवुड नामक दुकान में हुई, जहां आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 11 बजे दुकान के भीतर से धुआं निकलता दिखा।

आसपास के लोगों ने तत्काल दुकान संचालक को सूचना दी। जब वे मौके पर पहुंचे और शटर खोलकर देखा तो इलेक्ट्रिक स्कूटी धधक रही थी। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखे प्लाईवुड व अन्य सामग्री भी उसकी चपेट में आ गई। स्थानीय दुकानदारों ने मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश की और पानी डालकर उसे बुझाना शुरू किया। जलती हुई

स्कूटी को किसी तरह बाहर निकाला गया ताकि आग और अधिक न फैले। इस बीच फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। दमकल की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी हद तक बुझा दी गई थी।

दुकान मालिक ने जानकारी दी कि शुक्रवार की रात उन्होंने अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी दुकान के अंदर चार्जिंग पर लगा दी थी और उसे वहीं छोड़ दिया। अनुमान है कि स्कूटी में रातभर चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे यह हादसा हुआ। गनीमत यह रही कि समय पर आग पर काबू पा लिया गया, वरना प्लाईवुड जैसी ज्वलनशील सामग्री के कारण आग बड़े क्षेत्र में फैल सकती थी और गंभीर जनहानि या अन्य दुकानों को भी नुकसान पहुंच सकता था। इस घटना ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग को लेकर सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आक्रोश गांव में प्रवेश की अनुमति और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत कुटीर निर्माण की मांग उठाई

गांव में प्रवेश से रोके जाने पर पारदी महिलाओं का विरोध, किया चक्काजाम

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीलाखेड़ी गांव की पारदी समुदाय की महिलाओं ने शनिवार को अचानक हनुमान चौराहे पर बैठकर सड़क जाम कर दी। करीब एक घंटे तक चले इस प्रदर्शन में महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गांव में प्रवेश की अनुमति और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत कुटीर निर्माण की मांग उठाई। महिलाओं का आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग पुराने विवादों का हवाला

देकर उन्हें गांव में घुसने नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें न केवल बेवजह रोका जा रहा है बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत घरों का निर्माण भी जबरन रुकवा दिया गया है। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने रामगोपाल और लाखन नामक दो लोगों पर लगातार मानसिक व सामाजिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि ये दोनों उनके परिवारों को डरा-धमका कर बेघर करने की कोशिश कर रहे हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत कर उन्हें समझाया और आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। समझाइश के बाद महिलाओं ने चौराहे से हटकर प्रदर्शन समाप्त किया, जिससे यातायात सामान्य हो सका। प्रशासन द्वारा महिलाओं से ज्ञापन भी लिया गया है, जिसे जिले के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।

मानव जीवन ही मोक्ष का माध्यम, सत्संग ही प्रथम सीढ़ी- महात्मा कार्तिकेय बाई

सत्ता सुधार ■ गुना/ म्याना

मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में ग्राम कुंदोरा में चल रहे सत्संग महोत्सव के प्रथम दिवस पर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति रस में डुबकी लगाई। इस अवसर पर सतपाल महाराज की शिष्या कार्तिकेय बाई ने सत्संग में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव शरीर ही मोक्ष का द्वार है। इस जीवन का उद्देश्य केवल सांसारिक सुख नहीं, बल्कि परमात्मा की प्राप्ति है। उन्होंने कहा कि भक्ति की पहली सीढ़ी संतों का संग है। भगवान श्रीराम ने भी शबरी को नवधा भक्ति में सबसे पहले 'संतों का संग' बताया। जब जीव सच्चे संतों के संपर्क में आता है, तभी उसे सच्चे ज्ञान का प्रकाश प्राप्त होता है। इसके बाद महात्मा हिमांगी बाई ने कहा कि सभी महान भक्तों ने गुरुओं की छत्रछाया में

रहकर सेवा और भजन के माध्यम से मोक्ष प्राप्त किया। भगवान का साक्षात्कार बाहर नहीं, बल्कि आत्मा में छिपे ज्ञान के माध्यम से होता है, जिसे केवल समय के सद्गुरु ही प्रकट कर सकते हैं। महात्मा तपस्विनी बाई ने कहा कि नवदुर्गा महोत्सव के इस समय में मां की आराधना का सही स्वरूप समझना ज़रूरी है। मां ज्योति स्वरूप हैं, और यह ज्योति हमारे ही भीतर है, जिसका ध्यान कर सच्चे भक्त दर्शन करते हैं।

एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं।

खेलों से जुड़ा एक अनोखा कॅरियर एथलेटिक थेरेपिस्ट

आज के समय में लोगों के मन में सिर्फ क्रिकेट के प्रति ही प्रेम नहीं है, बल्कि वह अन्य भी कई तरह के खेलों की तरफ अपना रूझान दिखा रहे हैं। भारत में अब जिस तरह खेलों को बढ़ावा मिल रहा है, उसने इसमें कॅरियर की नई संभावनाओं को जन्म दिया है। वैसे यह जरूरी नहीं है कि आप केवल खिलाड़ी बनकर ही स्पोर्ट फील्ड में खुद को स्थापित करें। अगर आप खेलों में विशेष दिलचस्पी रखते हैं तो बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट बनकर भी एक उज्जवल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

क्या होता है काम

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं। साथ ही खेल के दौरान वह खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसे तुरंत राहत पहुंचाते हैं।

स्किल्स

अगर आप एथलेटिक थेरेपिस्ट बनना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ स्किल्स होना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आपके भीतर खेलों के प्रति लगाव होना चाहिए। साथ ही आपके भीतर दृढ़ निश्चय होना चाहिए और खिलाड़ी को मोटिवेट भी करने का स्किल्स हो। चूंकि आपका काम चोट व हेल्थ से जुड़ा है, इसलिए आपको क्लीनिकल एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको मेडिसन के क्षेत्र में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए।

योग्यता

अगर आप बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास स्पोर्टस मेडिसिन में एमबीबीएस, व स्पोर्टस फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। वहीं आप फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि स्पोर्टस को हर देश में काफी बढ़ावा दिया जाता है, इसलिए उससे जुड़े कॅरियर में भी संभावनाओं की कमी नहीं होती। कोर्स करने के बाद स्पोर्ट कंपनी, स्पोर्टस क्लब, नेशनल टीम, राज्य टीम या किसी स्पोर्टस एकेडमी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

आमदनी

एक प्रोफेशनल एथलेटिक थेरेपिस्ट को काफी अच्छी सैलरी मिलती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी ही 30000 रूपए से 50000 रूपए के बीच होती है। वहीं कुछ सालों का एक्सपीरियंस होने के बाद आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
- डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू

पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए ये टिप्स होंगे कारगर

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। आज के काम्पिटिटिव युग में बच्चों पर पढ़ाई काफी प्रेशर रहता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बच्चा चीजों को उतना जल्दी और बेहतर तरीके से समझ पाए। चूंकि हर बच्चा अलग होता है और इसलिए उनका आईक्यू लेवल भी अलग होता है। अगर बच्चा पढ़ाई में कमजोर है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उस पर गुस्सा किया जाए या उसे दंड दिया जाए। बस आपका बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए कुछ आसान उपाय बता रहे हैं-

समझें परेशानी

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, हो सकता है कि बच्चा मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो और इसलिए वह पढ़ाई पर उतना ध्यान ना दे पा रहा हो। इसलिए पहले उसकी परेशानी समझें और उसके बाद ही उसकी समस्या को हल करें।

अलग से दें ध्यान

जो बच्चा चीजों को धीरे-धीरे समझता है, वह अक्सर पढ़ाई में पीछे रह जाता है। मसलन, अगर बच्चा पिछले पाठ को ठीक से नहीं समझ पाया है तो उसे अगला पाठ समझने में भी परेशानी हो सकती है। इस तरह, वह धीरे-धीरे पीछे होने लगता है। ऐसे में उस पर अलग से ध्यान देने की जरूरत होती है। आप तीस बच्चों की क्लास में उसे सही से नहीं पढ़ा सकते। कोशिश करें कि आप उसे अलग से समय दें और उसके मन की सभी कन्फ्यूजन को दूर करें।

करें प्रोत्साहित

यह भी एक समस्या है, जो अक्सर कमजोर बच्चों के साथ देखी जाती है। जिस तरह बच्चा पढ़ाई में धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है, उसका आत्मविश्वास भी गिरने लगता है। ऐसे में उनको लगता है कि वह कभी भी पढ़ाई में अच्छा नहीं कर सकते। इसलिए ऐसे बच्चों को बेहतर बनाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है उन्हें प्रोत्साहित करना। जब आप उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करेंगे तो वो पढ़ाई में अतिरिक्त ध्यान लगा पाएंगे। हालांकि अगर बच्चे को किसी स्पेशल नीड्स की जरूरत है तो उसकी जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएं।

तय करें समय

कमजोर छात्रों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त मेहनत की जरूरत होती है। इसलिए उनके लिए पढ़ाई का समय तय करें। जिस विषय में वह कमजोर हैं, उनके लिए अतिरिक्त समय निकालें। बच्चे को रेग्युलर और तय समय पर जरूर पढ़ाएं। कभी भी उनकी पढ़ाई का नियम ना तोड़े और पढ़ाते समय बच्चों के साथ धैर्य बरतें। कभी भी उन पर गुस्सा ना करें।

सोशल मीडिया की मदद से मिलेगी एक बेहतरीन जॉब

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा।

आज के समय में सोशल मीडिया सिर्फ अपने विचारों को व्यक्त करने या फिर नए लोगों से जुड़ने का ही एक साधन मात्र नहीं रह गया है। बल्कि वर्तमान में लोग एंप्लाय व कंपनियां दोनों ही इसका बेहद स्मार्टली इस्तेमाल कर रही हैं। जहां एक कुशल व्यक्ति इसकी मदद से अपनी योग्यताओं के अनुरूप जॉब ढूंढता है, वहीं कंपनियां भी अपनी जरूरत के हिसाब से एक बेहतरीन कर्मचारी को सोशल प्लेटफॉर्म पर ढूंढती हैं। ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइट्स अब अपने स्किल्स को एडवरटाइज करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म बन गई हैं। आप यहां पर खुद को एक ब्रांड बनाने से लेकर अपने काम को डिस्प्ले करने यहां तक कि अपनी फील्ड के ही एक्सपर्ट व अन्य लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं। वैसे इसके अतिरिक्त आप सोशल मीडिया की मदद से एक अच्छी जॉब भी ढूंढ सकते हैं। जानिए कैसे-

लिंक्इडन

लिंक्इडन आपकी जॉब सर्च में एक महत्वपूर्ण टूल बनकर सामने आ सकता है, क्योंकि यहां पर आपको रिक्रूटर्स से लेकर कंपनी के हेड मिलेंगे, जो अपनी कंपनी में खास जॉब के लिए कैंडिटेंट की तलाश करते हैं। ऐसे में यहां पर उनसे सीधा संपर्क किया जा सकता है। अगर आप एक अच्छी जॉब सर्च कर रहे हैं तो आपका लिंक्इडन पर अकाउंट जरूर होना चाहिए। साथ ही आप उसे अप-टू-डेट रखें। आपका लिंक्इडन प्रोफाइल ऑनलाइन सीवी लिखने के जैसा ही है। हालांकि यह कोई जॉब सर्चिंग साइट नहीं है, लेकिन अगर आप किसी अच्छी कंपनी में अपना रिज्यूम देंगे तो वह यकीनन लिंक्इडन पर आपका प्रोफाइल देखेंगे। इससे उन्हें आपके स्किल्स का अंदाजा पहले ही हो जाता है। अगर आप वहां पर नहीं हैं तो कंपनी के रिक्रूटर समझते हैं कि या तो आप टेक्निकली आउटडेटेड हैं या फिर आप अपने बारे में कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्विटर

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा। आप ट्विटर पर जॉब के लिए सामने से ट्वीट ना करें, बल्कि अपनी पसंदीदा कंपनियों को ट्विटर पर फॉलो करें। उनके ट्वीट पर रिट्वीट करें या फिर आप अपने ट्वीट्स को ही किसी विशेष कॅरियर में इंटरस्ट दिखाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही आपके ट्वीटर प्रोफाइल में आपकी प्रोफेशनल लुकिंग फोटो, एक बेहतरीन बायो जरूर होना चाहिए। आप चाहें तो इसमें अपनी वेबसाइट या लिंक्इडन प्रोफाइल के लिंक को भी एड कर सकते हैं।

जॉब सर्च में सोशल मीडिया के फायदे

- इसकी मदद से आप आसानी और प्रभावपूर्ण तरीके से खुद को सबके सामने पेश कर सकते हैं, जिससे अच्छी जॉब मिलने के चांसेज कई गुना बढ़ जाते हैं।
- आप खुद का नेटवर्क बिल्ड अप कर सकते हैं और कई सोशल चैनल्स से लोगों को जोड़ सकते हैं। ऐसे में रिक्रूटर आपसे आसानी से प्रभावित होते हैं।
- सोशल मीडिया के जरिए आप कंपनी हेड या रिक्रूटर के साथ सीधे जुड़ सकते हैं।

इंटर्नशिप कर रहे हैं आप तो ध्यान रखें ये बातें आसानी से मिलेगी नौकरी

जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है।

पढ़ाई पूरे करने के बाद जब छात्र प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखते हैं तो उनकी शुरूआत होती है इंटर्नशिप के साथ। किताबी ज्ञान प्राप्त करने के बाद इंटर्नशिप व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इतना ही नहीं, अगर इंटर्नशिप के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे इंटर्नशिप समाप्त होते ही एक बेहतरीन नौकरी बेहद आसानी से मिल जाती है, वहीं जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि इंटर्नशिप के दौरान अच्छी नौकरी पाने के लिए क्या किया जाए-

कंपनी में दिखाएं कौशल

सबसे पहला नियम यह याद रखें कि आप अपने काम को कभी भी हल्के में न लें। भले ही आपको काम के पैसे न मिल रहे हों लेकिन फिर भी एक प्रोफेशनल की तरह काम सीखें और दिए गए प्रोजेक्ट उतनी ही मेहनत से करें। इसके अतिरिक्त ऑफिस में कुछ छोटी-छोटी बातों का विशेष ध्यान रखें। मसलन, समय पर ऑफिस पहुंचना, नए काम को सीखने के लिए आतुर रहना और ऑफिस में प्रोफेशनलिज्म को मेंटेंन रखें। साथ ही इस बात की भी कोशिश करें कि आपके द्वारा किया गया काम बॉस व एचआर की नजर में आए ताकि बाद में आप वहीं पर जॉब के लिए अप्लाई कर सकें।

निखारें गुण

किसी भी व्यक्ति को सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए पहले स्वयं को तराशना पड़ता है। हो सकता है कि आप काम बेहद जल्द सीख जाएं या फिर आप अपनी फील्ड में कुछ ही दिनों में माहिर हो जाएं लेकिन अगर आप उसे दूसरों के सामने सही ढंग से पेश नहीं कर सकते तो वह सीखा गया काम भी व्रयथ हो जाता है लेकिन खुद के गुणों को निखारने का प्रयास करें। अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारने व प्रेजेंटेबल बनने के लिए इंटर्निशप के दौरान ही शॉर्ट टर्म पर्सनैलिटी डेवलपमेंट क्लासेज लें। अगर आपका काम ऐसा है कि विदेशी क्लाइंटस से डील करना पड़ता है तो फॉरेन लैंग्वेज भी अवश्य सीखें। खुद को तराशने के बाद आपको न सिर्फ लोग नोटिस करेंगे, बल्कि किसी भी कंपनी में इंटरव्यू को क्लीयर करने में भी काफी मदद मिलेगी। इससे एक बेहतरीन नौकरी पाना बेहद सरल हो जाएगा।

सोशल मीडिया का सहारा

इंटरनेट के इस युग में जो व्यक्ति खुद की ब्रांडिंग नहीं कर पाता, उसके लिए अच्छी नौकरी पाना वाकई कठिन हो जाता है। खुद की ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया का सहारा लें। खुद की वेबसाइट बनाएं या फिर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने द्वारा किए गए काम को डिस्प्ले करें। साथ ही इंटर्नशिप के दौरान खुद की अचीवमेंट्स को हाईलाइट करना न भूलें। इससे बहुत सी कंपनियां जब आपके काम को देखेंगी तो हो सकता है कि वह सामने से ही आपको एक अच्छी जॉब ऑफर कर दें।

पढ़ाई रखें जारी

अगर आपने प्रोफेशनल दुनिया में कदम रख लिया है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपनी पढ़ाई को अलविदा कह दें। भविष्य में बेहतरीन अवसर प्राप्त करने के लिए पढ़ाई को जारी रखें। मसलन, अगर आपने ग्रेजुएशन या संबंधित डिप्लोमा कोर्स के बाद ही इंटर्नशिप की है तो इंटर्निशप के साथ-साथ मास्टर्स की तैयारी करें। इस तरह अगर आप शुरूआती कुछ सालों में अधिक मेहनत करके अच्छी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन प्राप्त कर लेते हैं तो एक समय ऐसा आएगा, जब आपके पास बेहतरीन ऑफर्स की कमी नहीं होगी और आपके लिए उनमें से किसी एक को चुनना कठिन होगा।

अवंतिका दसानी ने झेले ढेरों रिजेक्शन

वेब सीरीज मिथ्या से अपनी एक्टिंग पारी शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवंतिका दसानी ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया। इसी सिलसिले में हुई एक खास मुलाकात के दौरान जानी-मानी अदाकारा भाग्यश्री की बिटिया अवंतिका ने अपने फिल्मी सफर के बारे में कुछ रोचक खुलासे किए

फिल्मी परिवार के बच्चों के बारे में ऐसा माना जाता है कि उन्हें आसानी से थाल में सजाकर फिल्में मिल जाती हैं। हालांकि, यह बात हर स्टार किड पर लागू नहीं होती। कम से कम मैंने प्यार किया फेम एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी का अनुभव तो यही रहा है। साल 2022 में वेब सीरीज मिथ्या से एक्टिंग करियर शुरू करने वाली अवंतिका ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है। अवंतिका के मुताबिक, इस फिल्मी सफर में उन्होंने इतने रिजेक्शन सहे हैं कि उसकी गिनती भी याद नहीं।

पैरेंट्स की बदौलत नहीं मिलता काम

स्टार किड होने के बावजूद इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में अवंतिका बताती हैं, हमारी इंडस्ट्री में किस्मत बहुत अहम है। आप जितनी भी कोशिश करो, आप कभी लकी होंगे, कभी नहीं, तो यह बहुत बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, कई मुश्किलें ऐसी होती हैं, जिसका लोगों को यकीन भी नहीं होता, जैसे लोगों को लगता है कि हमारे पैरेंट्स इंडस्ट्री से हैं तो हमें बड़ी आसानी से काम मिल जाता है, मगर ऐसा नहीं है। मैंने इतने ऑडिशन दिए हैं, इतने रिजेक्शन झेले हैं कि उसकी गिनती भी मुझे याद नहीं है और यह हर रोज होता है। इसके बावजूद, मैं इस उम्मीद में डटी हुई हूं कि शायद आने वाले समय में अच्छा काम मिलेगा, जहां यह दिखा पाऊं कि हममें क्या क्षमता है।

तय किया था, एक्ट्रेस नहीं बनूंगी

मां भाग्यश्री और भाई अभिमन्यु दसानी के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को ही करियर चुनने के फैसले पर अवंतिका कहती हैं, असल में मैंने यह फैसला बहुत देर से लिया। मैंने लंदन से बिजनेस ऐंड मार्केटिंग की पढ़ाई की है। मैंने कारपोरेट में काम भी किया है। हालांकि, मुझमें क्रिएटिविटी और परफॉर्मेंस का कीड़ा स्कूल से था। मुझे उसमें मजा आता था, मगर कभी इस चीज को सीरियसली नहीं लिया। उल्टे स्कूल में जब लोग मुझे बोलते थे कि तुझे क्या फर्क पड़ता है, तू तो एक्ट्रेस ही बनेगी तो मुझे बहुत चिढ़ होती थी। मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था कि मुझे एक बॉक्स में डाला जाए, क्योंकि मुझे जिंदगी में जो करना है, मैं कर सकती हूं। इसलिए, इसका विरोध करने के लिए मैंने तय किया था कि मैं एक्टिंग नहीं करूंगी। मुझे उन्हें दिखाना था कि चूंकि आपको ऐसा लगता है कि मैं एक्टर ही बनूंगी तो मैं ऐसा नहीं करूंगी। इसलिए, मैंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मार्केटिंग में अंडर ग्रेजुएशन किया। काम भी किया लेकिन मैं अपने काम को उतना एंजॉय नहीं कर रही थी। कहीं ना कहीं वह क्रिएटिविटी मुझे खींच रही थी, तब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप करना शुरू किया और मुझे एक्टिंग के प्रॉसेस से प्यार हो गया। मम्मा कहती हैं, आंखों में सचाई दिखनी चाहिए अवंतिका को अपनी मां भाग्यश्री से सबसे पते की सलाह क्या मिली? यह पूछने पर उन्होंने बताया, मम्मा एक ही चीज बोलती हैं कि आप जो भी डायलॉग बोलो, कुछ भी ऐक्शन करो, वो इमोशन आपकी आंखों में दिखना चाहिए। अगर वह आपकी आंखों में नहीं है तो उसका कोई मतलब नहीं है। आंखों में सचाई दिखनी चाहिए। आज भी अगर मैं ऑडिशन दे रही हूं और मम्मा मेरा ऑडिशन टेप कर रही होती हैं, तो बोलती है कि आंखों में नहीं दिख रहा है, एक बार फिर से करो। यह मम्मा की सबसे बड़ी सीख रही है। वहीं, फिल्म इन गलियों में के लिए एक आम सब्जीवाली के किरदार में ढलने की तैयारी के बाबत वह बताती हैं, असल में हमें तैयारी करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिला था। शूटिंग से पहले दो हफ्ते ही मिले थे, मगर मैंने अपने डायलेक्ट पर बहुत काम किया। हमारे डायलेक्ट कोच थे, उनकी मदद से काफी रिहर्सल की, ताकि शूटिंग में मेरा किरदार बनावटी ना लगे।

त्रिविक्रम की फिल्म में काल्पनिक किरदार में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

पुष्पा राज फेम अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। हाल ही में खबर आई थी कि अल्लू जवान के निर्देशक एटली के साथ फिल्म करने वाले है, वहीं अब यह चर्चा जोरो पर है कि अल्लू निर्देशक त्रिविक्रम के साथ भी एक पौराणिक फिल्म कर सकते हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, पुष्पा 2 – द रूल की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट की तैयारी के लिए ब्रेक ले रहे हैं। नागा वामसी ने पुष्टि की है कि इस आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग अक्तूबर 2025 में शुरू होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं के एक काल्पनिक किरदार पर आधारित होगी, जिसे अल्लू निभाएंगे।

फिल्म में कैसा होगा अल्लू का किरदार

वहीं फिल्म में यह अटकलें भी लगाई जा रही है कि इसमें अल्लू भगवान कुमारस्वामी का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म के बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बहरहाल, फिल्म की पूरी कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस फिल्म को नागा वामसी और फॉर्च्यून फोर सिनेमा साथ मिलकर बनाएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 या उसके बाद रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन का करियर

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द रूल 4 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। यह अल्लू के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई कर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े। इस फिल्म में अल्लू के साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया।

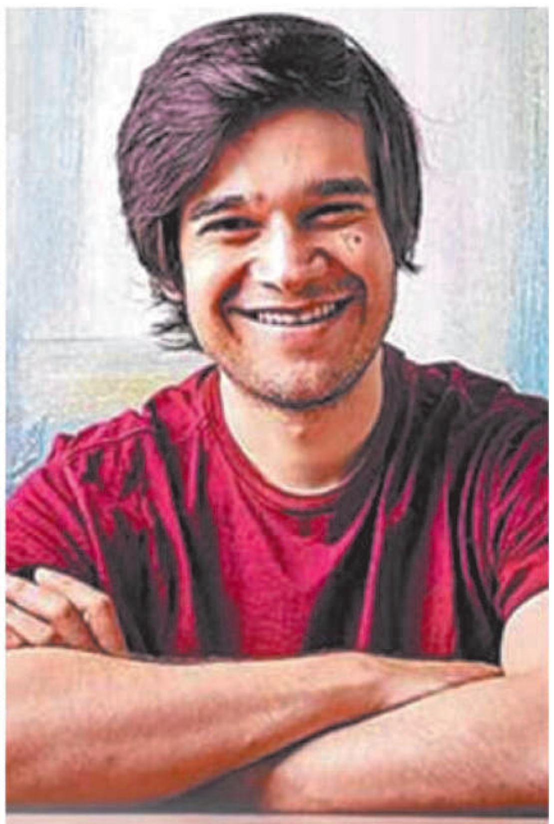

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कई नए लोगों को मौके दिए

विवान शाह की फिल्म कोट हाल ही में वेव्स पर रिलीज हुई है। इसमें संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं।

किस चीज ने आपको फिल्म कोट करने के लिए प्रेरित किया?

यह एक ऐसी कहानी है और किरदार है, जो मेरे तजुर्बे और समझ से बहुत ही बाहर है। इसे जीवित करने के लिए कल्पना, इंसानियत और ऑब्जर्वेशन की जरूरत पड़ी। यह ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें कई बार हम देखते रहते हैं लेकिन हम उनके बारे में सोचते नहीं हैं। यह मेरे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कहानी थी। ये हमारी एक छोटी सी कोशिश है, जो समस्याएं है उन्हें सुधारने की। इसमें जो मेरा किरदार है उसे एक एक्टर और इंसान के तौर पर निभाना बहुत बड़ा चैलेंज है। शायद इसी चीज ने मुझे इस कहानी का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

अब फिल्म ओटीटी पर है तो इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म ओटीटी पर आई है और एक ऐसे प्लेटफार्म पर है, जिसकी परंपरा बहुत पुरानी है। दूरदर्शन (वेव्स) के जरिए बहुत बड़ी कहानियां और फिल्में एक बड़ी ऑडियंस तक पहुंच पाई। दूरदर्शन एक इंपॉर्टेंट इंस्टीट्यूशन है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी फिल्म इस प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है क्योंकि यह इंस्टीट्यूशन हम सभी के दिलों के बेहद करीब है। ये हमारे बड़े होने के दौरान का एक बहुत बड़ा हिस्सा था और आज

क्या ओटीटी आने के बाद इंडस्ट्री में कुछ बदलाव आए हैं?

जी हां। बहुत सारे बदलाव आए हैं। बहुत सारे बढ़िया मौके मिले हैं। बहुत सारे कलाकारों को चाहे वो अभिनेता हों, अभिनेत्रियां हों या फिर डायरेक्टर-राइटर-टेक्निशियन हों। ओटीटी ने कई लोगों को मौके दिए हैं और इसके आने से काम के मौके भी बढ़े हैं। साथ-साथ एक्सपेरिमेंट्स के भी मौके बढ़ गए हैं। हमारी इंडस्ट्री के लिए बहुत ही बड़ा रिवॉल्यूशन है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुईं श्रीलीला

श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं।

अखंडा 2-थंडवम में राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी विद्या बालन

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे। नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंडा 2 – थंडवम की शूटिंग में व्यस्त है। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2- तांडव के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी।

शारिब हाशमी ने बताया 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में क्या होगा नया

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे भाग का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब तक इस सीरीज के दो पार्ट आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। अब इसके आने वाले तीसरे भाग को लेकर शारिब हाशमी ने बात की है। साथ ही उन्होंने ये दावा किया है कि आने वाले तीसरे सीजन में मजा भी तीनगुना होने वाला है और सीरीज में कई नए तथ्य भी देखने को मिलेंगे।

काफी बड़े पैमाने पर होगा सीजन 3

बातचीत में शारिब हाशमी ने 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर बात की। उन्होंने कहा, तीसरे सीजन में मेरे किरदार में काफी कुछ नया है। हम नई चीजें सीखेंगे, ज्यादा मौज मस्ती करेंगे और यह सीजन बाकी दोनों सीजन से काफी बड़े स्तर पर होने वाला है। पहले सीजन को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद दूसरे सीजन में लोगों का मजा दोगुना हो गया। अब तीसरे सीजन में गारंटी लेता हूं कि सभी का मजा तीन गुना होने वाला है।

मेरे लिए किरदार में ढलना आसान था

सीरीज में अपने किरदार जेके तलपड़े के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए किरदार में ढलना काफी आसान था। क्योंकि मैं मुंबई में ही पैदा हुआ और यहीं पर बड़ा हुआ हूं। मैं चारों तरफ मराठी भाषा बोलने वाले लोगों से ही घिरा रहता हूं। मैंने 10वीं कक्षा तक स्कूल में मराठी पढ़ी है। मेरे अधिकांश दोस्त महाराष्ट्र से ही हैं। इसलिए मिला जेके तलपड़े का किरदार शारिब ने आगे बताया कि उनकी भाषा में कई तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं, क्योंकि उनके पिता उत्तर प्रदेश से और मां दिल्ली से थीं। हालांकि, उन्हें मराठी काफी पसंद है। इसलिए जब उन्होंने 'द फैमिली मैन' के लिए ऑडिशन दिया, तो निर्माताओं ने उन्हें जेके तलपड़े का किरदार निभाने को दिया।

'संदूक' में नजर आए शारिब

वर्कफ्रंट की बात करें तो शारिब हाशमी की हालिया रिलीज 'संदूक' है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर स्ट्रीम कर रही है। इसके अलावा वो इसी साल रिलीज हुई जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमेट' में भी नजर आए थे।

विश्वंभरा में अभिनय के साथ गायकी का हुनर दिखाएंगी चिरंजीवी?

विश्वंभरा को लेकर फैंस के बीच उत्साह बना हुआ है। फैंस फिल्म से जुड़ी जानकारी का इंतजार करते हैं। अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है। चर्चा है कि चिरंजीवी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी के निर्देशन में विश्वंभरा के एक गाने को अपनी आवाज दे सकते हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह सच हुआ तो इससे फैंस काफी खुश होंगे।
फिल्म में तृषा कृष्णन, आशिका रंगनाथ, कुणाल कपूर, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला और अश्रिता वेमुगंती नंदूरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। युवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित यह फिल्म अगस्त या सितंबर 2025 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

ब्रीफ न्यूज

भगवान राम के दरबार भव्य आरती की

अशोकनगर। भगवान श्री राम महोत्सव समिति द्वारा भगवान राम के दरबार में जिनको आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। करण सिंह पंथी कोरी समाज अध्यक्ष ,प्रदीप शक्य्, दयाललु शाक्य, अभिषेक खेरा, प्रबंधक गायत्री स्कूल रघुवंशी समाज समाज के अध्यक्ष संजय रघुवंशी, युवा अध्यक्ष विनोद रघुवंशी, राजकुमार रघुवंशी, रंगेश रघुवंशी, धर्मेंद्र रघुवंशी, विजय रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी, जितेंद्र रघुवंशी, राजेंद्र दुबे द्वारा भगवान राम की आरती की गई। इस अवसर पर शिवाजी शर्मा मडखेड़ा की टीम बहनों द्वारा अखाड़ा प्रदर्शन किया गया। जिसमें नन्ही नन्ही बहन लाठी प्रदर्शन सामूहिक और एकल प्रदर्शन कर जोरदार प्रस्तुति दी गई सभी प्रतिभाओं का सम्मान विश्व हिंदू परिषद प्रांत धर्म प्रसा प्र्मुख डॉक्टर दीपक मिश्रा जिला अध्यक्ष दिनेश जैन विकास जैन बाली रामकुमार चौधरी अशोक रघुवंशी हेमराज नामदेव मोहन नामदेव रमेश गुप्तावेदराम लोधी दीपक जोशी वकील लोधी शिवेंद्र यादव आदि प्रमुख।

मंत्री सिंधिया से महिला मोर्चा नेत्री की 12 सूत्रीय मांग रखी

अशोकनगर। गुना शिवपुरी सांसद केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पिपरई नगर परिषद कार्यालय का लोकार्पण कर सभा संबोधन करते हुए क्षेत्रीय विकास को बताया। कार्यक्रम में मीडिया पत्रकारों को नहीं थी बैठने की व्यवस्था। भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती रजनी राजेन्द्र सोलंकी (गरेंठी) ने क्षेत्रीय सांसद पिपरई नगर आगमन पर क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर लिखित आवेदन पत्र देकर विकास करने की मांग की है।

सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों को मिली गणवेश और पुस्तकें

खरगोन। सीएम राइज विद्यालय टेमला में प्रवेश उत्सव एवं भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शिक्षिकाओं द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर पुष्प वर्षा एवं चाकलेट वितरण के साथ बच्चों का स्वागत किया गया। डिप्टी कलेक्टर प्रताप कुमार अगास्या विद्यार्थियों से संवाद में कहा कि मैं भी ग्रामीण क्षेत्र से हूं एवं मेरे माता.पिता भी शिक्षक रहे हैं। शिक्षकों की मेहनत एवं विद्यार्थियों की लगन का ही परिणाम है किए आज मैं डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ हूं। उन्होंने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले एवं सर्वोच्च उपस्थिति वाले छात्राओं को सम्मानित किया। अतिथियों द्वारा निन्शुल्क पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण भी किया गया। बतौर अतिथी महेश पाटीदार, भगवान पाटीदार, हेमराज पाटीदार, रजनीश जायसवाल, वासुदेव पाटीदार, भगवान पाटीदार, श्याम पाटीदार, सतीश सेन,अशोक पाटीदार एवं रवि जायसवाल आदि मौजूद रहे। अशोक सिंह पवार प्राचार्य विद्यालय टेमला ने अध्यक्षता की । विद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन सांस्कृतिक प्रभारी साधना सक्सेना ने प्रस्तुत किया।

आज दुर्लभ संयोग में मनेगा श्रीराम जन्मोत्सव

श्रीराम दरबार की अगुवाई में निकलेगी शोभायात्रा

सत्ता सुधार ■ खरगोन

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव याने चैत्र नवमी शहर सहित समूचे अंचल में उत्सवी माहौल के बीच मनाई जाएगी। अपने आराध्य के जन्मोत्सव को लेकर सनातन धर्मावलंबियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। श्रीराम जन्मोत्सव पर शहर में अलग- अलग समय पर दो शोभायात्राएं निकाली जाएगी, जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है।

सुबह 8.30 बजे पहाड़सिंह पूरा कलश चौक श्रीराम मंदिर से परंपरागत शोभायात्रा निकाली जाएगी जो कलश चौक से तालाब चौक, तवड़ी चौक होते हुए पुनः श्रीराम मंदिर कलश चौक पहुंचेगी। रघुवशी समाज अध्यक्ष दीपक डंडीर ने बताया ठीक 12 बजे रामलला का जन्म, महाआरती होगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन होगा।

श्री राम जन्मोत्सव समिति शाम 4 बजे निकालेगी

शोभायात्रा : श्री राम जन्मोत्सव समिति अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने बताया शोभायात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी है। रामलला राजसी ठाट- बाट से बग्गी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने भोला चौक से आरती बाद दोपहर 2 बजे अपने परंपरागत मार्ग पर निकलेंगे। शोभायात्रा तालाब चौक, काला देवल मार्ग से गणेश मंदिर, किला गेट, सराफा बाजार होते हुए रात करीब 12 बजे बस स्टैंड स्थित श्रीराम मंदिर पहुंचेगी, जहां महाआरती बाद यात्रा का समापन होगा।

पुलिस ड्रोन कैमरे से कर रही निगरानी : एसपी धर्मराज मीना ने बताया मुख्यालय सहित ब्लॉक स्तर पर होने वाली शोभायात्राओं को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। जिले में पर्याप्त बल तैनात है। फ्लेग मार्च कर आमजन को सुरक्षित होने का एहसास कराया जा रहा है। यात्रा मार्ग पर पूरी मुस्तेदी के साथ पुलिस जवान तैनात रहेंगे। पूरी यात्रा पर ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त बल भी बुलाया गया है। नशा कर के उत्पात मचाने वालो को तत्काल हिरासत में लिया जाएगा।

दशकों बाद थोक सब्जी मंडी की राहें हुई आसान, खिले व्यापारियों के चेहरे

- स्थाई थोक सब्जी मंडी का हुआ उद्घाटन, नपा अध्यक्ष, पूर्व विधायक और पार्षदों ने किया शुभारंभ
- स्थानीय आरोन रोड पर शुरू हुई थोक सब्जी मंडी

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

शहरवासियों और व्यापारियों की वर्षो पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। शनिवार को स्थानीय आरोन रोड पर अशोकनगर की स्थाई थोक सब्जी मंडी का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया, पूर्व विधायक जजपाल सिंह और पार्षदो द्वारा किया गया। आपको बता दे कि कोरोना काल के दौरान पुराने बस स्टैंड से थोक सब्जी मंडी को हटाए जाने के बाद से यह मंडी अस्थायी रूप से विभिन्न स्थानों पर संचालित की जा रही थी। व्यापारियों द्वारा लगातार एक स्थाई स्थान की मांग की जा रही थी, लेकिन उपयुक्त स्थान न मिलने के कारण यह मांग अधूरी रह गई थी। नवीन नगरपालिका परिषद के गठन के बाद व्यापारियों ने अपनी समस्या नपा अध्यक्ष नीरज मानोरिया के समक्ष रखी। श्री मानोरिया ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांग जल्द ही पूरी की जाएगी। तत्पश्चात पूर्व विधायक जजपाल सिंह के सहयोग से स्थान का चयन कर थोक सब्जी मंडी का निर्माण कार्य आरंभ कराया गया।

नई मंडी में लगभग 60 दुकानें बनाई गई हैं, जिन्हें शनिवार को सभी व्यापारियों को समर्पित कर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्री जज्जी ने कहा कि जिन्हें दुकानें मिली है वो ही व्यापार करें किसी को दुकानें न बेचें अगर कोई भी व्यापारी अपनी दुकान बेचता है तो वो दुकान नगरपालिका को ही वापिस होगी। बही नपा अध्यक्ष श्री मानोरिया ने कहा कि लंबे समय से आपकी मांग थी जिसे हमारी परिषद ने पूरा कर दिया है साथ ही उन्होंने कहा कि जिन्हें दुकानें नहीं मिली है उन्हें भी जल्द दुकानें मिल जाएंगी मगर मिलेंगी उन्हें ही जो व्यापार करते है और पुराने व्यापारी है, साथ ही उन्होंने पूर्व विधायक जी बात का समर्थन करते हुए कहा कि जिसे दुकानें मिली है वो ही दुकानें संचालित करें अगर कोई अन्य व्यक्ति दुकानें संचालित करते हुए पाए गए तो दुकानें निरस्त कर दी जाएंगी।

थोक सब्जी व्यापारियों ने नगरपालिका के इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें एक व्यवस्थित और स्थाई स्थान मिल गया है, जिससे व्यापार में और अधिक सुविधा और गति मिलेगी। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष नीरज मानोरिया, पूर्व विधायक जजपाल सिंह, नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा, महेंद्र भारद्वाज, प्रमेंद्र तायडे जॉर्ज, धर्मेंद्र रघुवंशी ,विपिन शिवहरे, राजकुमार यादव, राजेंद्र कुशवाह, सतपाल लोधी, गोपाल ओझा, योगेश खैरा, मनीष धुरेंटे नपा सीएमओ विनोद उन्नीथान सहित नगरपालिका के कर्मचारीगण एवं थोक सब्जी मंडी के व्यापारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पंधाना विधायक ने सुनी किसानों की समस्याएं

अधिकारियों को समस्या दूर करने के लिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ खंडवा,पंधाना

झिरनिया नहर परियोजना में व्याप्त समस्याओं के निराकरण और परियोजना को लेकर किसानों की आशंकाओं कुशंकाओं को दूर करने लिए पंधाना विधायक छाया मोरे ने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों, कार्यरत कंपनी और क्षेत्र के किसानों के साथ ग्राम बरखेडी में बैठक आयोजित की, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि विधायक विधायक छाया मौरे की उपस्थिति में आयोजित बैठक में किसानों ने नहर परियोजना में चल रही गडबड़ीयों से अधिकारियों और विधायक को अवगत करवाया, किसानों की समस्त समस्याओं को समझने के बाद विधायक छाया मोरे ने पाइप लाइन की गहराई, कोटिंग, जॉइंट और खराब गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों और कार्यरत कंपनी को गुणवत्ता पूर्ण कार्य एवं तय समय सीमा में काम करने जिससे क्षेत्र के किसानों के खेत जल्द से जल्द नर्मदा जल से सिंचित हो, साथ ही 2.50 हेक्टेयर प्रति चक से सिंचाई जल वितरित करने और प्रति 20 हेक्टेयर चक पर एक ओएमस बॉक्स से 8 वाल्व देने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया, विधानसभा क्षेत्र के वनग्राम राजगढ़, काकोडा को झिरनिया नहर परियोजना का विस्तार करते हुए कालंका क्षेत्र के 12 गांवों के साथ जोड़ने की उनके द्वारा पूर्व में की गई कार्यवाही पश्चात परियोजना विस्तार की तकनीकी स्वीकृति से किसानों को अवगत करवाया गया, प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि बैठक में ग्राम बरखेडी, खारवा, पावई, राजगढ़, राजपुरा, आभापुरी,मिटावल, गवला, छेन्डिया, निहालवडी, उमारदा, बुलिया खेड़ी, गोराडिया, कुसुम्बिया, पाबइ, घटाखेडी,कालंका आदि गांवों से जितेन्द्र पटेल गवला, बरखेड़ी उपसरपंच वीरेंद्र सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह खारवा, राजेश पटेल,जयपाल सिंह राजगढ़, सुरेंद्र सिंह चौहान, पुष्पेंद्र सिंह आभापुरी पिंटू दादा, बंटी दादा, चंद्रपाल सिंह छेड़िया , भावसिंग भाई के साथ लगभग 800 किसान व नहर सैनिक मौजूद रहे।

अशोकनगर में पहली बार कुत्ते को चढ़ा खून

- जिला पशु चिकित्सालय में पहली बार किसी डॉग को चढ़ाया गया ब्लड
- डॉक्टर शिवेंद्र अग्रवाल और डॉक्टर तृप्ति लोधी द्वारा किया गया जिले का पहला सफल ब्लड ट्रांसफ्यूजन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

अभी तक आपने इंसानों को ब्लड चढ़ते और ब्लड डोनेट करते हुए देखा होगा आज हम आपको दिखाएंगे एक ऐसा डॉग जिसने एक डॉग की जान बचाने के लिए अपना ब्लड डोनेट किया। मेडिकल संचालक सोनू रघुवंशी की फीमेल डॉग को अधिक ब्लीडिंग होने से फीमेल डॉग के बच्चे पेट में ही खत्म हो गए थे जिसके बाद उसका ऑपरेशन होना आवश्यक हो गया था। डॉक्टर शिवेंद्र अग्रवाल द्वारा ब्लड टेस्ट करने पर पाया गया कि डॉग में ब्लड की बहुत अधिक कमी है जिनका ऑपरेशन हो पाना या डॉग को जिंदा रख पाना संभव नहीं है उसके बाद डॉक्टर ने मेडिकल संचालक सोनू रघुवंशी को जल्द से जल्द 3 यूनिट ड्ग्यशशस्त्र की व्यवस्था करने के लिए बताया गया इसके बाद मेडिकल संचालक द्वारा जिले में कार्यरत समाजसेवी प्रियेश शर्मा जो की लंबे समय से जिला अस्पताल में मरीजों को ब्लड उपलब्ध कराते आए हैं। उनसे संपर्क कर अपने डॉग के लिए ब्लड उपलब्ध कराने की बात बताई इसके बाद प्रियेश शर्मा और थाना कोतवाली में पदस्थ आरक्षक हरेंद्र रघुवंशी और कृष्णा रघुवंशी जो कि ब्लड हेल्प ग्रुप के सक्रिय सदस्य है से संपर्क किया जिन्होंने अपने डॉग (गूगल) को ब्लड डोनेट के लिए जिला पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर शिवेंद्र अग्रवाल एवं डॉक्टर तृप्ति लोधी द्वारा ड्ग्यशशस्त्र को क्रॉस चेक कर सफल ब्लड ट्रांसफ्यूजन कराया इससे पहले जिले मैं कभी किसी एनिमल को ब्लड नहीं चढ़ाया गया प्रियेश शर्मा जी द्वारा लोगों से अपील की गई की जब एक डॉग दूसरे डॉग की जान बचाने के लिए ब्लड डोनेट कर सकता है तो हम इंसान क्यों नहीं कर सकते हमें अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को ब्लड डोनेट करना चाहिए। जिले की प्रथम एनिमल ब्लड ट्रांसफ्यूजन में डॉ शिवेंद्र अग्रवाल डॉक्टर तृप्ति लोधी , सहायक भीम सिंह यादव , समाजसेवी प्रियश शर्मा कृष्णा रघुवंशी , हरेंद्र रघुवंशी एवं नितेश चंदेल की मुख्य भूमिका रही ।

आम भक्तों की सुविधाओं में विस्तार, ओंकार भोजन प्रसादालय में भोजन वितरण व्यवस्था का समय बढ़ाया

खंडवा/ओंकारेश्वर। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में दूर-दूर से बड़ी आस्था श्रद्धा के साथ पहुंचने वाले भक्तों को अब ज्योतिर्लिंग सी ओंकारेश्वर मंदिर संस्थान द्वारा संचालित ओमकार भोजन प्रसादलय में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 तक भोजन प्रसादी का लाभ मिलेगा ।वही शाम का भोजन शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक मिलेगा। भोजन व्यवस्था में समय का विस्तार ज्योतिर्लिंग मंदिर संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं एसडीएम श्री शिवम प्रजापति ने भक्तों की सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से किया है। ज्योतिर्लिंग भगवान के दर्शन के लिए भक्त सुबह 5 बजे से मंदिर पहुंचने लगते हैं कई भक्त देश के विभिन्न प्रांतो से यहां आते हैं। दर्शन के बाद कई भक्त ओंकार जी के प्रसाद की आस भी रखते हैं। श्री प्रजापति ने कहा कि भक्तों को सुगम सुविधा मंदिर संस्थान की ओर से मिले इसी उद्देश्य से ओमकार भोजन प्रसादालय की पूर्व में निर्धारित समय सारणी में बदलाव करते हुए अब भोजन का समय और अधिक बढ़ाया गया है। पहले दोपहर 12 :30 से 3 तक भक्तों को भोजन मिलता था। साथ ही शाम का भोजन 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहता था। अब वक्त सुबह 10 बजे शाम 4 और शाम का भोजन शाम 5 बजे रात्रि 9 बजे तक ले सकेंगे। इसी के साथ ओंकार भोजन प्रसादालय में मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा करके आने वाले भक्तों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था और ठहरने की व्यवस्था भी संस्थान की ओर से रहेगी। समय सारणी में किए गए विस्तार और प्रसादालय की व्यवस्थाओं में भूपेंद्र चौहान के साथ सहायक के रूप में मनोज त्रिवेदी को भी नियुक्त किया है। इससे पहले त्रिवेदी ओंकारेश्वर मंदिर में अपनी कुशल सेवाएं देते आ रहे हैं।

मंदिर भूमि पर नगर परिषद कार्यालय निर्माण को लेकर उपजा विवाद

मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने प्रेस वार्ता में दी सफाई

सत्ता सुधार ■ मुंगावली

नगर परिषद द्वारा सिद्धेश्वर बगीचा के पास शासकीय भूमि पर नए नगर परिषद कार्यालय के निर्माण को लेकर उपजा विवाद अब और गहराता नजर आ रहा है। नगर के कई नागरिकों ने आरोप लगाए हैं कि यह निर्माण सिद्धेश्वर महादेव मंदिर की भूमि पर किया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को मंदिर परिसर में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राव यादवेंद्र सिंह यादव सहित कई गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि यह निर्माण कार्य रोका नहीं गया, तो मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा और जरूरत पड़ी तो न्यायालय का भी सहारा लिया जाएगा।

इस पूरे विवाद पर नगर परिषद कार्यालय के मुख्य नगर परिषद अधिकारी विनय भट्ट ने प्रेस वार्ता कर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का यह नया भवन शासन से स्वीकृत है और इसके निर्माण में पूरी पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। नगर परिषद द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया कि पहले निर्धारित की गई भूमि नगर से काफी दूर थी, जिससे नागरिकों को असुविधा होती। इसीलिए नगर के केंद्र में वर्तमान स्थान पर निर्माण का निर्णय लिया गया है वहीं प्रेस वार्ता से पहले सीएमओ, उपयंत्री, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, एवं समस्त पार्षद की बैठक आयोजित की गई जिसके बाद सर्व सम्मति से प्रेस को इस मामले की पूरी जानकारी सीएमओ द्वारा दी गई।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर की सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित रखते हुए भवन का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाई गई है, और न ही ऐसी कोई योजना है। दोनों परिसरों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित हैं और श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। प्रेस नोट में यह भी उल्लेख किया गया कि सिद्धेश्वर मंदिर की देखरेख, पेयजल, लाइट, पेंटिंग और अन्य व्यवस्थाएं नगर परिषद द्वारा ही की जाती रही हैं। मंदिर की चारों ओर की बाउंड्री भी नगर परिषद ने ही बनवाई थी। नगर परिषद ने यह भी कहा कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि नगर के विकास में सहयोग करें और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखें।

कुछ लोग कर रहे राजनीतिकरण : आपत्तिकर्ताओं को स्पष्टीकरण दिया गया था आज परिषद द्वारा प्रेस वार्ता की गई परिषद के सारे बिंदु सत्यता के साथ मीडिया के माध्यम से आम जन के लिए सार्वजनिक किए गए लेकिन कुछ लोग इस मुद्दे को राजनीतिक रूप देना चाहते है।

> **नीतू नरेश ग्वाल अध्यक्ष नगर परिषद मुंगावली**
>
> निर्माण कार्य का उद्देश्य नगर के नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं प्रदान करना है न कि किसी की भावनाओं को आहत पहुंचाना है नगर परिषद समस्त नागरिकों से अपील करती है कि वह किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे शांति और सौहार्द बनाए रखे यदि किसी भी नागरिक को शंका ओर सुझाव हो तो वह नगर परिषद कार्यालय में संपर्क कर ओर अपने विचार झांसा कर सकता है।
>
> **विनय कुमार भट्ट , सीएमओ मुंगावली**

प्रवचन | जैन संत जीवन जीने की नहीं, मरने की कला सिखाते है, मुनि संघ का हुआ खण्डवा में मंगल प्रवेश,आर्यिका संघ ने की मंगल अगवानी

सबसे शक्तिशाली मंत्र णमोकार है जिसका जाप करने से सभी संकट पीड़ायें दूर होती हैं: मुनि श्री प्रणेय सागर

सत्ता सुधार ■ खंडवा

समाज का सौभाग्य और पुण्य है कि आपको चतुरविद मुनि संघ के दर्शन का लाभ प्राप्त हो रहा है।जीवन को कैसे जीना है जैन धर्म हमें बताता है जीने की कला तो आप सब खुद सिख लोगे पर जीवन के बाद मरने की कला है वो हम लोग सीखाने हम आये है, जैन धर्म में जन्म से ज्यादा मोक्ष को महत्व दिया गया है ये उद्गार नवकर नगर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश पर प्रवचन देते हुए प्रणेय सागर जी महाराज में व्यक्त किये महाराज जी ने कहा की बच्चों को मोबाईल तो आप खुद गिफ्ट करते हुए खुश होते हो और जब बच्चा को मोबाइल की लत्त पड़ जाती है तो मोबाइल को छुड़वाने के लिए साधु संतों की शरण मे आकर बोलते हो की बच्चों की मोबाइल की लत्त छुड़वा दो और बच्चों का दुश्मन हमें बनाते हो। जैन समाज के हर घर मे नवकार मंत्र पढ़ा जाता है इसलिए जैन समाज सम्पन्न समाज कहलाता है।जीवन मे सबसे शक्तिशाली मंत्र कोई है तो वो नवकार मंत्र है।जब घर मे सुबह उठकर नवकार मंत्र पढ़ोगे तो जीवन सफल होगा और मरण समय मे नवकार मंत्र सुन लिया तो मरण भी सफल हो जाएगा, हमारे कार्य सफल तब ही होंगे जब मन शांत होगा,और जब मन मे कोई हलचल मच जाए तो कार्य सफल नही होगा। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः मुनि श्री प्रणेय सागर,सवार्थ सागर,सौम्यसागर महाराज का मंगल प्रवेश हुआ, खंडवा में विराजमान माताजी संघ एवं समाज जनों ने मुनि संघ की अगवानी की, बैंड बाजे के साथ मुनि संघ शहर के प्रमुख मार्गो से होकर नवकार नगर जैन मंदिर पहुंचा, मंगल प्रवेश के अवसर पर मुनि श्री सर्वार्थ सागर महाराज ने कहा कि जिसको जीवन मे सफलता पाना है वो नियम ले ले कि प्रतिदिन मंदिर में जाकर अभिषेक पूजा पाठ करूंगा एवं घर के बड़े का आशीर्वाद लूंगा तो देखना निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।घर मे शांति तभी आएगी जब आप घर के बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद लोगे। हमे तो आज खण्डवा में प्रवेश करते हुए ऐसा लगा कि आज ही महावीर जयंती है ऐसा उत्साह यहा के श्रावकों में था फिर ऐसा लगा की अपने चातुर्मास की अगवानी आज हो रही है। पंचमकाल का जो चमत्कार है वह यही चमत्कार है की दिगंबर साधुओं के साक्षात दर्शन प्राप्त हो रहे हैं, जीवन को सफल बनाने के लिए अपने कल्याण के लिए दिगम्बर साधु की शरण मे चले जाओ आपके ताप,संताप,पाप सब मिट जाएंगे।इस अवसर पर खंडवा में विराजमान श्रमणी आर्यिका विदुषी श्री

माताजी ने संबोधित करते हुए कहा कि बड़े अंतराल के बाद निर्ग्रन्थ साधुओं के दर्शन प्राप्त हुए हैं।ये संत नही ये तो भगवंत है, मुझे तीर्थकरों के दर्शन की इच्छा है, संत का दर्शन करना भाग्य है,संत के निकट पहुँच जाना सौभाग्य है,संत की सेवा करना अहो भाग्य है और संत जैसा बन जाना ये परम भाग्य है ये सामान्य संत नहीं पंचम काल के चलते फिरते तीर्थकर है भगवान महावीर को तो हमने नही देखा पर निर्ग्रन्थ साधुओं को देखते हैं तो भगवान महावीर के साक्षात दर्शन होते हैं इसने कोई दो राय नही है।माताजी ने सभी उपस्थित श्रावको से आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में इंदौर सुमतिधाम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सह परिवार शामिल होने का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि आगामी मई माह में इंदौर के सुमतिधाम में दिगम्बर जैन सन्तो का सबसे बड़ा महाकुम्भ आयोजित किया जा रहा है।जिसमे देश भर से लगभग 500 से अधिक दिगम्बर जैन आचार्य,उपाध्याय ,मुनि,आर्यिका माताजी, ब्रम्हचारी भैया एवम दीदियों के उपस्थित होने की सम्भावना है।अभी नगर नगर विहार कर रहे लगभग सभी मुनि संघ सुमतिधाम पहुचेंगे। मुनि सेवा समिति के सुनील जैन प्रेमांशु चौधरी ने बताया की मुनि संघ के प्रवेश पर श्रमण प्रणेय सागर जी महाराज ससंघ के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य श्रीमती सुधा सुभाष सेठी परिवार को प्राप्त हुआ।विदुषी श्री माताजी संघ के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य धनपाल जी कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ,महाराज जी को जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य आलोक सेठी परिवार को प्राप्त हुआ।वही माताजी को जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य वॉइस ऑफ विस्मिता श्री ग्रुप को प्राप्त हुआ।कार्यक्रम का संचालन प्रदीप छाबड़ा ने किया ।मंगलाचरण गीत नीता लुहाड़िया ने प्रस्तुत किया। मुनिसंघ नवकार नगर स्थित संत निवास में विराजमान है, प्रतिदिन मंगल प्रवचन प्रातः 8:30 बजे से एवं दोपहर 3 से 4 बजे तक स्वाध्याय एवं शाम 7बजे गुरु भक्ति आरती आयोजित होगी।

इस अवसर पर वीरेंद्र भटयाण, दिलीप पहाड़िया, विजय सेठी ,कैलाश पहाड़िया, सुनील जैन,प्रेमांशु चौधरी, पंकज छाबड़ा, प्रदीप कासलीवाल, अशोक पाटनी,पंकज सेठी, मनीष पाटनी, राजेन्द्र छाबड़ा,डॉ पंकज जैन, सुलभ सेठी,तरुण गंगवाल, अविनाश जैन, अतुल जैन,अर्पित जैन, पवन जैन, संदीप जैन,कल्याणमल जैन, विपुल छाबड़ा, विकास बड़जात्या, कांतिलाल जैन, सौरभ जैन,गौरव जैन, मनीष जैन,आनंद जैन, समर्पण जैन ,मनीष सेठीसहित समाजजन उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

प्रिंस पाल टोंग्या बने स्वर्ण रथ यात्रा के प्रमुख संयोजक

इंदौर। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रिंस पाल टोंग्या को महावीर जयंती के अवसर पर निकलने वाली ऐतिहासिक स्वर्ण रथ यात्रा का प्रमुख संयोजक बनाया। प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया इस नियुक्ति पर एमके जैन, पुष्पा कासलीवाल, अमित कासलीवाल, सुशील पांड्या, राकेश विनायका, राजेंद्र सोनी, सतीश जैन, दिलीप पाटनी, देवेंद्र सोगानी, ऋषभ पाटनी ने उन्हें बधाई दी।

इंदौर नगर निगम में महिला पार्षदों ने पढ़ी नमाज

इंदौर। बीते दिन को इंदौर में नगर निगम के बजट सत्र के दौरान महिला पार्षदों के नमाज पढ़ने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में नगर निगम के सभापति मुन्नालाल यादव ने शनिवार को कहा कि लंच ब्रेक हुआ था। नमाज की अनुमति नहीं दी थी। इधर, कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान ने पलटवार में कहा कि अब क्या फांसी पर चढ़ा देंगे या उलटी नमाज पढ़े। हम नमाज ही पढ़ने गए थे, कोई आतंकवादी जैसे बम लेकर तो नहीं गए थे। बता दें कि बीते दिन को नगर निगम परिसर में बजट पर चर्चा हुई थी। इस दौरान लंच के बाद मुस्लिम महिला पार्षदों ने नगर निगम परिसर में ही नमाज पढ़ी थी। दावा है कि सभापति की अनुमति से उन्होंने नमाज पढ़ी। ऐसा नगर निगम में पहली बार हुआ है।

बिजली महंगी होने पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, ऑफिस घेरकर सौंपा ज्ञापन

इंदौर। जिले में बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में शनिवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने पोलोग्राउंड स्थित बिजली कंपनी मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर के नाम एक ज्ञापन विद्युत मंडल के मुख्य अभियंता सचिन तालेवार को सौंपा गया। कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरें बढ़ाकर आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। वहीं, प्रदेश से बाहर अन्य राज्यों को सस्ती बिजली दी जा रही है, जो जनता के साथ अन्याय है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पहले ही स्मार्ट मीटर की गड़बड़ी और महंगाई से परेशान जनता पर अब नई टैरिफ दरों ने और मार डाली है। घरेलू उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट 6.79 रुपए चुकाने होंगे, जबकि पहले यह दर 6.61 रुपए थी। दूसरी ओर, प्रदेश से बाहर बिजली 27 पैसे प्रति यूनिट सस्ती दर पर बेची जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने बिजली कंपनी में हुए कथित घोटालों का मुद्दा भी उठाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि कंपनी में 100 करोड़ रुपए का ढ्क्कस घोटाला हुआ है, जिसकी जांच उन्हीं अधिकारियों के हाथ में है जो इसमें शामिल रहे हैं। दिनदयाल उपाध्याय योजना और आरडीएसएस योजना में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया गया। नेताओं ने यह भी कहा कि कुछ रसूखदार उपभोक्ताओं पर करोड़ों की बकाया राशि है, लेकिन वसूली नहीं की जा रही।

पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का काम मिशन मोड में

तीन माह में पूरी होगी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया, 15 मिनट में तय होगी 20 किमी की दूरी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर मध्य प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में उभर रहा है। यह कॉरिडोर इंदौर और पीथमपुर को जोड़ने के साथ-साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा और उद्योग, रोजगार व समग्र आर्थिक प्रगति के लिए एक नया मॉडल स्थापित करेगा।

कॉरिडोर की प्रगति को लेकर एमपीआईडीसी कार्यालय में कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करने और जमीन मालिकों से सकारात्मक संवाद स्थापित कर सहमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि प्रोजेक्ट को समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रशासन को मिशन मोड में काम करना होगा। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौर ने प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इंदौर बड़े शहरों का अनुसरण करने के बजाय, खुद को नवाचार का केंद्र बनाए। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रोजेक्ट को परिकल्पना के अनुरूप विकसित किया गया तो इंदौर अन्य शहरों से प्रेरणा लेने के बजाय खुद एक मॉडल बनेगा। कलेक्टर ने कहा कि इस तरह की महत्वपूर्ण योजनाएं सरकार और प्रशासन की छवि को मजबूत करती हैं और इनके समय पर क्रियान्वयन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलता है। उन्होंने निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को जमीन मालिकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। राजस्व संबंधी लंबित कामों का तुरंत निराकरण किया जाए। यदि आवश्यक हो तो अधिकारी खुद जमीन मालिकों से मिलें और उनकी सहमति लें।

इकोनॉमिक कॉरिडोर से खुलेंगे समृद्धि के द्वार

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के निर्माण से औद्योगिक और व्यवसायिक गतिविधियों में तेजी आएगी, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होंगे। पश्चिमी इंदौर का तेजी से विकास होगा और स्थानीय निवासियों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। इंदौर और पीथमपुर के बीच की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, जिससे सफर का समय घटकर मात्र 15-20 मिनट रह जाएगा। जमीन की मांग और उसकी गुणवत्ता में सुधार होगा और अच्छा निवेश होगा। समय पर अधिग्रहण पूरा करने पर अधिकारियों को मिलेगा पुरस्कार प्रोजेक्ट के लिए तीन माह में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। राजस्व अमले को समय पर अधिग्रहण पूरा करने के लिए पुरस्कृत करने का प्रस्ताव वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रखा जाएगा।

यह है पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर

पीथमपुर, धार जिले का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहां पहले से ही विशेष आर्थिक क्षेत्र और 1500 से अधिक कंपनियां कार्यरत हैं। इसे मध्य प्रदेश का डेट्रॉइट भी कहा जाता है। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर 20 किलोमीटर लंबा होगा। पीथमपुर के सेक्टर 7 से शुरू होकर इंदौर एयरपोर्ट तक होगा। यह 75 मीटर चौड़ा होगा जिसमें दोनों ओर 300-300 मीटर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। इसे औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय विकास को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाएगा। इससे इंदौर और पीथमपुर का आर्थिक और औद्योगिक विकास नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

भाजपा कार्यालय पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने किया पत्रकार वार्ता को संबोधित

हर्षोल्लाह के साथ आज मनाएंगे भाजपा का स्थापना दिवस

सत्ता सुधार ■ इंदौर

जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय पर एवं सभी कार्यकर्ताओं के घर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा फहराया जाएगा। इसके साथ सेल्फी लेकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कार्यकर्ताओं को हेशटेग के साथ पोस्ट करना है। साथ ही कार्यालय पर प्रदर्शनी लगाकर मिठाई वितरण भी किया जाएगा। 6 एवं 7 अप्रैल को मंडल स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के प्राथमिक सदस्यों द्वारा हर्षोल्लाह के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। 8 एवं 9 अप्रैल को विधानसभा स्तर पर एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करेगी जिसमें सक्रिय सदस्य एवं सभी कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा। साथ ही प्रदेश स्तर पर भी अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलन में अलग-अलग तीन विषयों पर बात रखने के लिए तीन वक्ता नगर या फिर प्रदेश स्तर से भेजे जाएंगे। जिसमें पहला विषय बीजेपी की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार तो वहीं दूसरा विषय भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन होगा एवं तीसरा विषय प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के साथ पिछले 11 वर्षों में विकसित भारत की यात्रा होगा। इन तीनों विषयों पर अलग-अलग वक्ता अपनी बात रखेंगे। 7 से 13 अप्रैल के बीच एक बूथ स्तर कार्यक्रम होगा जिसका नाम बस्ती चलो अभियान होगा और इसमें पार्टी के नगर और प्रदेश स्तर तक के सभी पदाधिकारी एक-एक बूथ पर जाएंगे और कम से कम 8 घंटे वे कार्यकर्ता उस मोहल्ले एवं बस्ती में वहां के रहवासियों के साथ व्यतीत करेंगे। पार्टी द्वारा दिया गया कार्य जैसे की किसी सार्वजनिक स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाना एवं पार्टी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के कम से कम 10 लाभार्थियों से संपर्क करना है। साथ ही अभियान के दौरान मंदिर, अस्पताल, स्कूल व गलियों में स्वच्छता अभियान चलाना है। जल स्त्रोतों एवं निकायों की सफाई भी करना शामिल है। संध्या के समय रहवासियों की चौपाल अनिवार्य रूप से लगाई जाएगी। मंडल समितियां की बैठक भी ली जाएगी। 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं परिसरों को सजाने के साथ ही संध्या के समय दीपोत्सव मनाया जाएगा। 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ ही मिष्ठान वितरण भी किया जाएगा। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ भी किया जाएगा। 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच जिले में डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रमों को लेकर सभी 34 मंडलों की बैठक संपन्न हो चुकी है। स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे को संयोजक एवं अशोक अधिकारी, भरत पारीख एवं निलेश चौधरी को सहसंयोजक बनाया गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर घनश्याम शेर को संयोजक एवं हरप्रीत सिंह बक्शी, मुकेश राजावत एवं राजेश शिरोडकर को सहसंयोजक बनाया है। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, मीडिया प्रभारी रितेश तिवारी, सह मीडिया प्रभारी नितिन द्विवेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी ने किया प्रदर्शन

ज्ञापन देकर कहा- प्रदेश में महंगी, बाहर सस्ती, टैरिफ घटाने के लिए रखी मांग

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में शनिवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने पोलोग्राउंड स्थित बिजली कंपनी मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर के नाम एक ज्ञापन विद्युत मंडल के मुख्य अभियंता सचिन तालेवार को सौंपा गया। कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरें बढ़ाकर आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। वहीं, प्रदेश से बाहर अन्य राज्यों को सस्ती बिजली दी जा रही है, जो जनता के साथ अन्याय है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पहले ही स्मार्ट मीटर की गड़बड़ी और महंगाई से परेशान जनता पर अब नई टैरिफ दरे लगाई है। घरेलू उपभोक्ताओं को अब प्रति यूनिट 6.79 रुपए चुकाने होंगे, जबकि पहले यह दर 6.61 रुपए थी। दूसरी ओर, प्रदेश से बाहर बिजली 27 पैसे प्रति यूनिट सस्ती दर पर बेची जा रही है।

घोटालों और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने बिजली कंपनी में हुए कथित घोटालों का मुद्दा भी उठाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि कंपनी में 100 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है, जिसकी जांच उन्हीं अधिकारियों के हाथ में है जो इसमें शामिल रहे हैं। दिनदयाल उपाध्याय योजना में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया गया। नेताओं ने यह भी कहा कि कुछ रसूखदार उपभोक्ताओं पर करोड़ों की बकाया राशि है, लेकिन वसूली नहीं की जा रही। साथ ही कई अधिकारी वर्षों से एक ही पद पर जमे हुए हैं। कुछ अधिकारियों के रिश्तेदार निजी कंपनियां बनाकर ठेके ले रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। कांग्रेस ने मांग की कि बिजली दरों में की गई वृद्धि तुरंत वापस ली जाए और घोटालों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

स्मृति नगर से निकली प्रभात फेरी अशोक नगर में किया ध्वजारोहण

सत्ता सुधार ■ इंदौर

दिगंबर जैन समाज की 20 दिवसीय प्रभात फेरी शनिवार सुबह श्री चैतन्य चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, स्मृति नगर से निकलकर, विद्या पैलेस होते हुए अशोक नगर जिनालय पर पहुंची। समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर निकलने वाली भव्य स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बने मुकेश-चंदन बालाजी पाटोदी परिवार का सम्मान अशोक नगर, स्मृति नगर, विद्या पैलेस जैन समाज के अध्यक्ष राजमल रावका, स्वर्ण कुमार जैन, मुकेश जैन व अन्य पदाधिकारीयों ने किया। उन्होंने 10 अप्रैल, महावीर जयंती को निकालने वाली स्वर्ण रथ यात्रा के विषय में विस्तार से जानकारी दी। समाज के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि बैंडबाजों के साथ निकल रही इस प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में समाजजन भगवान महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएं भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थी।

अशोक नगर मंदिर प्रांगण पर मुकेश-चंदन बालाजी पाटोदी, राजकुमार पाटोदी, सुशील पांड्या, अजय जैन, देवेंद्र सोगानी, राजेंद्र सोनी ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात श्री जी के अभिषेक हुए। इस अवसर पर मयंक जैन, प्रफुल्ल जैन, राकेश सेठी, अंकित गोधा, रितेश पाटनी, दिलीप लुहाड़िया, ऋषभ पाटनी, संजय पापड़ीवाल, मनीष जैन सहित अधिक संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

प्रचार प्रमुख सतीश जैन के अनुसार रविवार को प्रातः प्रभात फेरी सुबह 6ः45 पर अंजनी नगर दिगंबर जैन मंदिर से निकलेगी। बहुत सारे मुनि संघों के यहां पधारने पर भव्य आगवानी भी की जाएगी।

सिविल अस्पताल का का काम अंतिम चरण में, जून में होगा शुरू

इंदौर। नंदानगर स्थित सिविल अस्पताल का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अस्पताल का निर्माण 10 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, और मई के अंतिम सप्ताह तक सभी कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है। अस्पताल का उद्घाटन जून माह में किया जाएगा। यह अस्पताल पांच मंजिला होगा और इसमें 50 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल में ऑपरेशन, डिलीवरी और अन्य आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला, सुमित मिश्रा और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अस्पताल के निर्माण कार्य की जानकारी ली और सभी आवश्यक साधनों और सुविधाओं सहित अस्पताल के निर्माण कार्य को मई के अंत तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। गुणवत्ता के साथ होगा निर्माणउप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल का निर्माण गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस अस्पताल का निर्माण पूर्व में प्रसूति अस्पताल के रूप में प्रसिद्ध मिल क्षेत्र की प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए किया जा रहा है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने छह करोड़ के अत्याधुनिक रैन बसेरे का किया भूमिपूजन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर। महापौर परिषद सदस्य मनीष शर्मा (मामा) ने बताया कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आधुनिक रैन बसेरे के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। यह रैन बसेरा नवलखा बस स्टैंड के पास लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। इस मौके पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि रैन बसेरे का संचालन स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से किया जाए।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव को इस संबंध में निर्णय लेने के लिए कहा जाएगा। संस्थाएं रैन बसेरा का संचालन सुव्यवस्थित रूप करे और आने वाले जरूरतमंदों को इसका लाभ अच्छे से प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला, महापौर परिषद सदस्य मनीष शर्मा, निगम अधिकारीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

महापौर परिषद सदस्य मनीष शर्मा (मामा) ने बताया कि यह रैन बसेरा अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसमें यात्रियों और जरूरतमंदों के ठहरने के लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसमें स्वच्छ जल, शौचालय, विश्राम कक्ष, चिकित्सा सुविधा एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका उद्देश्य गरीब और बेसहारा लोगों को सुरक्षित एवं ससम्मान आश्रय देना है।

रिपोर्ट

24 और 25 मार्च को अंतिम सीएमआरएस निरीक्षण हो चुका है

मेट्रो प्रोजेक्ट : पहले फेस के 16 स्टेशन पर नहीं बनाई पार्किंग व्यवस्था

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में मेट्रो को पटरी पर दौड़ाने का काम अंतिम चरण में है। 24 और 25 मार्च को अंतिम सीएमआरएस निरीक्षण हो चुका है। जिसकी रिपोर्ट भी जल्द ही मेट्रो प्रबंधन को मिलने वाली है। सीएमआरएस की रिपोर्ट आने के बाद मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर 5.9 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी। जिसे कॉमर्शियल रन कहा जा रहा है। इंदौर के मेट्रो प्रोजेक्ट में मेट्रो स्टेशन के पास पार्किंग स्थल की मांग शहरवासी कर रहे हैं, वहीं मेट्रो प्रोजेक्ट की प्लानिंग के दौरान पार्किंग जैसी सुविधा को योजना में शामिल नहीं किया गया है। सिटी इंजीनियर अतुल सेठ का कहना है कि मेट्रो स्टेशन के आसपास पार्किंग होना आवश्यक है। मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों व सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

इंदौर के नागरिक मेट्रो उपयोग करें इसके लिए पार्किंग स्थल होना चाहिए, ताकि लोग वाहन छोड़कर मेट्रो उपयोग करें। वर्तमान में दोपहिया वाहन पार्किंग जरूरी है, ताकि मेट्रो का उपयोग बढ़ सके। भविष्य में इसके विस्तार के साथ चार पहिया पार्किंग की भी आवश्यकता होगी। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी और प्रशासन ने दावा किया है कि वो शहर में मेट्रो के यात्रियों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी जैसी सुविधा देंगे। यह कितना व्यावहारिक होगा समय के साथ पता चलेगा, लेकिन दिल्ली में 80 प्रतिशत पार्किंग स्थल मेट्रो स्टेशन के चंद कदम की दूरी पर है। इन मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग की जगह नहीं इंदौर मेट्रो के लिए 16 स्टेशन बनाने का काम पहले फेस में तेजी से किया जा रहा है। इसमें लगभग आधे स्टेशन पर 90 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। पहले फेस में शहीद पार्क, रेडिसन होटल चौराहा, विजय नगर, मेघदूत गार्डन, बापट चौराहा, हीरानगर, चंद्रगुप्त चौराहा, आईएसबीटी, एमआर-10 रोड, भौंरासला चौराहा, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नम्बर-1, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नम्बर-2, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नम्बर-3, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नम्बर-4, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नम्बर-5 और गांधी नगर मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग की प्लानिंग प्रोजेक्ट में नहीं है।

गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक चल रहा है काम

इंदौर में मेट्रो के पहले चरण का निर्माण कार्य गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक चल रहा है। 17.2 किलोमीटर के इस एलिवेटेड ट्रैक पर कुल 16 मेट्रो स्टेशन हैं। किसी भी मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग की प्लानिंग प्रोजेक्ट में नहीं है, जबकि इसी हिस्से में 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर में मेट्रो ट्रेन जल्द ही आम नागरिकों के लिए शुरू कर दी जाएगी। इस हिस्से में 5 मेट्रो स्टेशन हैं। यहां भी वाहन पार्किंग नहीं बनाई गई।

एंबुलेंस में गोवंश तस्करी के प्रकरण में वाहन चालक गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ धामनोद

एंबुलेंस में गोवंश तस्करी के मामले में पुलिस ने 24 घंटे में सफलता हासिल कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी संतोष दूधी ने बताया कि आरोपी चालक जो की गाड़ी मालिक भी है। उसका नाम विजय पिता पप्पू चौहान मालवीय नगर महू है। वाहन चालक बीनागंज ब्यावरा राजगढ़ के पास से पप्पू लोहार निवासी बीनागंज ब्यावरा ने परसों रात को करीब 10ः00 बजे एक खाली खेत से गाड़ी में उक्त मवेशी भरवाये थे तथा सुंदरेल बाजार में ले जाने का बताया था। एक नग मवेशी के 4000 भाड़े के रूप में तय हुआ था, रात्रि करीब 11ः00 बजे बीनागंज ब्यावरा से गाड़ी लेकर रवाना हुआ था तथा गाड़ी के आगे-आगे पप्पू लोहार तथा उसके दो अन्य साथी एक सफेद रंग की कार में पायलटिंग करते हुए चल रहे थे। घटनास्थल के पास जैसे ही टायर पंक्चर हुआ वैसे ही पप्पू लोहार ने फोन करके बताया कि टायर की जुगाड़ करके हम आते हैं तुम गाड़ी के पास ही रहना। कुछ देर बाद लोगों को आते हुए देखकर डर के कारण चालक मौके से भाग गया था। पूछताछ में बताया कि आरोपी चालक पहले पिकअप की ड्राइवरी करता था। करीब 1 साल पहले उक्त टेंपो ट्रैवलर गाड़ी नौलखा इंदौर से एक लाख रुपए में खरीद कर उसको मोडिफाइड करवाई थी। पप्पू लोहार के लिए ही गाड़ी चलाता था।

ब्रीफ न्यूज

पुस्तक मैला के संबंध में बैठक सम्पन्न

मुरैना। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मुरैना में पुस्तक विकेताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पुस्तक विक्रेताओं द्वारा अवगत कराया गया कि वे शासकीय पुस्तक विक्रय करते हैं। जिसमें मुद्रित मूल्य का 2 से 3 प्रतिशत ही पैसा मिलता है। पुस्तक मेला आयोजित करने के लिये पुनः स्थानीय पुस्तक विकताओं एवं पुस्तक प्रकाशक आदि को आमंत्रित किया जायेगा, जिसकी तिथि एवं स्थान की सूचना पृथक से दी जावेगी।

पार्थ योजना के तहत खेल विभाग में आवेदन 15 अप्रैल तक आमंत्रित

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार युवाओं को खेल और रोजगार से जोड़ने की दिशा में पार्थ योजना आरंभ की गई है। पार्थ (पुलिस, आर्मी, रिफ्टमेंट ट्रेनिंग और हुनर) योजना 2025 के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रदेश के 10 संभागीय मुख्यालयों पर प्रारंभ की जाना है। जिसमें चम्बल संभाग को सम्मिलित किया गया है। इसके लिये आवेदन 15 अप्रैल तक आमंत्रित किये गये। संभागीय खेल अधिकारी प्रशांत कुमार कुशवाह ने बताया कि योजना खिलाड़ी प्रशिक्षक कल्याण समिति के माध्यम से संचालित की जाना है। योजना के अन्तर्गत पुलिस, आर्मी और अर्द्ध सैनिक बल में भर्ती हेतु शारीरिक परीक्षा और लिखित परीक्षा की तैयारी करवाई जाना है। शारीरिक परीक्षा और लिखित परीक्षा की तैयारी न्यूनतम शुल्क पर करना चाहते है तो संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम मुरैना पर उपस्थित होकर संपर्क कर सकते है। कार्यालय में संविदा जिला एथलेटिक्स प्रशिक्षक नरेन्द्र सिंह तोमर के मोबाईल नंबर 7974480880, संविदा ग्रामीण युवा समन्वयक ब्लॉक मुरैना जितेन्द्र कुमार शुक्ला के मोबाइल नंबर 9301065512 से कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर रजिस्ट्रेशन करा सकते है।

हनुमंत नगर में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के हनुमंत नगर इमलिया रोड पर रहने वाली एक नव विवाहित युवती ने बीती रात्रि अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार मुरैना स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत हनुमंत नगर इमलिया रोड पर रहने वाली 23 वर्षीय नव विवाहिता खुशबू पत्नी मनोज बघेल ने बीती रात अज्ञात कारणों के चलते घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जैसे ही परिजनों को पता चला वैसे ही परिजन नवविवाहिता को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहाँ डॉक्टर ने चैकअप करने के बाद खुशबू को मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर अस्पताल चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और मृतिका की डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए शव गृह भेजा गया। पुलिस द्वारा मृतिका के मायके पक्ष वालों को बुलाया गया, तब कहीं जाकर उसका पोस्टमार्टम हो सका। फिलहाल स्टेशन रोड थाना पुलिस द्वारा मर्द कायम कर मामले की जांच कर आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है।

कथा मन से सुनी जाए, कथा स्थल पर शरीर से नहीं बल्कि आत्मा से विराजमान हो तभी कथा अंगीकार होगी: विधानसभा अध्यक्ष

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मेरा यह सौभाग्य है कि लेखराज ने यह अनुष्ठान किया और इस अनुष्ठान में मुझे भी आमंत्रित किया और उनके इस आयोजन के परिणाम स्वरूप में आज व्यास जी के दर्शन भी कर पाया और आप सबके दर्शन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला। यह बात विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सैलटेक्स पर चल रही श्रीमद् भागवात कथा का श्रवण करते समय कही। इस अवसर पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, डॉ. योगेशपाल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिला, पुरुष उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि मैं बहुत आभार प्रकट करता हूं कि श्रीमद् भागवत कथा का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। कथा शिक्षाप्रद और कथा से मनुष्य अपना सुधार कर सकता है। उन्होंने कहा की देवकीनंदन महाराज सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए आम आदमी के

कल्याण के लिए धर्म की स्थापना के लिए और मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए देशभर में भ्रमण करते रहते हैं और अपने मुखारविंद से प्रभु का स्मरण करते भी हैं और आप सभी को कराने का कार्य भी करते हैं। इस आयोजन के शिरोधार लेखराज को भी यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि जब उनके मन में प्रभु ने आदेश दिया कि अनुष्ठान को संपन्न करो, तो अनुष्ठान कोई भी आता तब भी संपन्न होता। लेकिन प्रभु की कृपा से इस अनुष्ठान को पूर्ण करने के लिए परम पूज्य देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज आए, यह सब परिवार के साथ हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। कथा मन से सुनी जाए कथा स्थल पर शरीर से न बैठे, आत्मा से विराजमान हो, तो कथा अंगीकार होती है और श्रवण भी होती है। हम सब सांसारिक प्राणी है तो संसार की जो विकृतियां हैं, वह हम सबको घेरे रहती हैं। हम सब जानते हैं कि पहले विवाह की चिंता इसी चक्रव्यूह में मनुष्य फंसा रहता है, जिसके कारण मन में विकृति भी जन्म लेती हैं। ईर्ष्या भी जन्म लेती है, लोग भी जन्म लेता है और इसकी जो धुंध है, आत्मा के ऊपर छा जाती है। इसलिए मनुष्य अंधकार मय बना रहता है। ऐसी कथाओं का रसपान करते रहना चाहिए।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि कथा का जो रसपान करने जा रहे हैं, वह अपने लिए और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए जरुर सुनकर जाएं, जिससे आने वाली पीढ़ी का भी जीवन सफल हो जाए।

चैत्र नवरात्र पर रात भर हुए हवन यज्ञ, आज होंगे भंडारे आयोजित, मंदिरों पर मनाई जाएगी रामनवमी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

रविवार से आरंभ हुए चैत्र नवरात्र आज रविवार रामनवमी के दिन संपन्न हो जाएंगे। शनिवार की शाम से ही माता मंदिरों में हवन यज्ञ की तैयारी शुरू हो गई और देर रात एवं सुबह तक हवन यज्ञ चलते रहे तथा लोगों ने पूर्ण आहुति दी। इसके साथ ही अष्टमी के अंतिम दिन माता मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। आज रविवार को चैत्र नवरात्र के समापन के साथ ही मंदिरों पर राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

पिछले एक सप्ताह से देश भर के साथ मुरैना जिले का वातावरण भिक्तमय हो गया था और चारों ओर लोग माता की भक्ति में डूबे हुए थे। माता के मंदिरों पर लोगों का आना-जाना लगा रहा, वहीं देवी दर्शनों के लिए भक्त पैदल यात्रा एवं वाहनों से यात्रा करते नजर आए। देवी मंदिरों पर पिछले एक सप्ताह से लगातार भजन कीर्तन लांगुरिया कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिले के कुछ प्रसिद्ध देवी मंदिरों पर भव्य मेले आयोजित किए गए, जिसमें जिले भर के लोग पहुंचे और देवी मंदिरों के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। शनिवार की शाम से ही सभी देवी मंदिरों पर हवन यज्ञ की तैयारी आरंभ हो गई और देर शाम को हवन यज्ञ आरंभ हुए जो रात भर एवं सुबह तक चले तथा भक्तों ने पूर्ण आहुति देकर अपने उपवास पूर्ण किए। चैत्र नवरात्र के समापन के साथ आज रविवार को देवी मंदिरों एवं घरों में भंडारे एवं कन्या भोज आयोजित किए जाएंगे। चैत्र नवरात्र के समापन के साथ ही शहर के विभिन्न मंदिरों पर रामनवमी राम जन्मोत्सव मनाया जाने की तैयारी शनिवार से ही आरंभ हो गई है और रविवार को भगवान राम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा।

रविपुष्य, सर्वार्थ सिद्धि योग में 06 अप्रेल को मनेगी राम नवमी

चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को कौशल्या की कोख से पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ था। ज्योतिषाचार्य डॉक्टर हुकुमचंद जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस साल रामनवमी 6 अप्रैल रविवार को मनाई जाएगी और इस दिन सुकर्मा योग, रवि योग, रवि पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि और पुष्य नक्षत्र का संयोग है। रविवार होने के कारण और रविपुष्य नक्षत्र के कारण इस बार रविपुष्य योग बन रहा है। इसलिए इस बार की राम नवमी खास है साथ ही दान और पूजा का बहुत फल मिलेगा। इस साल अष्टमी तिथि 05 अप्रैल शनिवार शाम को 07.26 मिनट तक रहेगी और इसके बाद नवमी तिथि शुरू हो जाएगी। इसलिए उदया तिथि को नवमी तिथि होने के कारण 06 अप्रैल राम नवमी मनाई जाएगी। श्री जैन के अनुसार रामनवमी पूजा अनुष्ठान आदि करने हेतु मध्यान्ह का समय सर्वाधिक शुभ होता है मध्यान्ह काल 06 घटी अर्थात लगभग 02 घंटे 24 मिनट तक रहता है। पूजन मुहूर्त रामनवमी मध्यान्ह समय में 11:08 बजे से 01:36 बजे तक इसका कुल समय 2 घंटे 28 मिनट। रामनवमी मध्याह्न का क्षण दोपहर 12:22 पर रहेगा।

भव्य झाकियों के साथ निकलेगी भगवान राम की शोभायात्रा

रामनवमी पर भगवान राम के जन्मोत्सव के चलते यहां मंदिरों में तैयारी चल रही है वहीं राम उत्सव समिति द्वारा शहर में भगवान राम की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें तमाम प्रकार की झाकियां लोगों को आकर्षित करेंगी। इस दौरान राम जी की शोभायात्रा का जगह-जगह भक्तजनों द्वारा स्वागत किया जाएगा। यह शोभा यात्रा गल्ला मंडी प्रांगण से आरंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरेगी। उक्त जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राठौर युवा संघर्ष मंच भारत के दिलीप राठौर द्वारा दी गई।

जैन प्रतिमाओं के अपमान को लेकर जैन संगठनों ने दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ जौरा

ग्वालियर में दुर्ग स्थित जैन प्रतिमाओं पर बैठकर जूते चप्पल पहनकर रील बनाकर जैन प्रतिमाओं का अपमान करने के विरोध में अखिल भारतीय दिगंबर जैन बरैया महासभा के तत्वाधान में सुपरस नाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी जैन मिलन युवा जौरा महिला जैन मिलन के तत्वाधान में एक ज्ञापन तहसीलदार को दिया गया।

दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि ग्वालियर दुर्ग में स्थित जैन प्रतिमाओं के ऊपर जूते चप्पल पहनकर बैठकर रील बनाने के दोषी प्रीति कुशवाह एवं उनके अन्य साथी जो कि नरवर जिला शिवपुरी के निवासी बताए गए हैं उनके द्वारा रील बनाई गई, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यहां न केवल जैन समाज की धार्मिक आस्था के साथ गंभीर खिलवाड़ है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों का भी घोर अपमान भी है। उक्त लोगों पर जैन समाज के समाजसेवियों ने तत्काल एफ आईआर कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। जैन समाज की प्रतिमाओं के ऊपर बैठकर किया गया अपराध दंडनीय है। इसलिए उक्त सभी दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई है। ज्ञापन के दौरान शीतल प्रसाद जैन, विकास जैन, राजेश जैन, प्रदीप जैन, अभिषेक जैन, विकास जैन, अजय जैन, अनिल जैन, कपिल जैन, गौरव जैन, शशांक जैन सहित अन्य समाज से भी उपस्थित रहे। ज्ञापन नायब तहसीलदार श्याम सुंदर सिंह को दिया गया।

अपर एवं नायब तहसीलदार ने कॉलेज परीक्षाओं का किया निरीक्षण

जौरा। जीवाजी विश्वविद्यालय के तत्वाधान में चल रही बीए, बीएससी, बीकॉम की परीक्षाओं का आकस्मिक निरीक्षण अपर तहसीलदार आशीष जायसवाल, नायब तहसीलदार श्याम सुंदर सिंह द्वारा लगातार करने से नकल प्रतिबंध लग गया है। शनिवार को शासकीय स्नातक महाविद्यालय एवं अशासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर बीकॉम एवं बीएससी द्वितीय वर्ष के फाउंडेशन विषय की परीक्षा थी। कलेक्टर अंकित अस्थाना द्वारा अपर तहसीलदार आशीष जायसवाल की ड्यूटी शासकीय कॉलेज में लगाई, जबकि श्याम सुंदर सिंह की ड्यूटी विवेकानंद महाविद्यालय में लगाई है। दोनों अधिकारियों द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण के दौरान दोनों जगह परीक्षा शांतिपूर्वक मिली, निरीक्षण के चलते नकल पर पूरी तरह से प्रतिबंध भी रहा।

बानमोर में जीवाजी यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में तीन परीक्षार्थी नकल करते पकड़े

मुरैना। जीवाजी विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा वर्ष 2025 में अनुचित संशाधनों का उपयोग रोकने के लिए कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई थी। गठित दल द्वारा शुक्रवार को शासकीय पंडित नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बानमौर में आयोजित परीक्षा मे दोपहर की पाली में बीए तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं को अनुचित संशाधनों का प्रयोग करते हुये पकड़ा गया, यह कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पहले दिन 200 लोगों का कराया परिचय, 31 कन्याओं का पूजन कर कार्यक्रम हुआ आरंभ

सत्ता सुधार ■ मुरैना

अग्रवाल समाज का दो दिवसीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन 31 कन्याओं का पूजन कार्यक्रम एवं महाराजा अग्रसेन व माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना के साथ आरंभ हुआ।

इस अवसर पर देश भर से आए राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे। पहले दिन कार्यक्रम में लगभग 200 युवक-युवतियों के परिचय मंच से कराया गया और आयोजकों का मानना है कि इस दो दिवसीय परिचय सम्मेलन से लगभग एक दर्जन जोड़े तय हो सकते हैं। अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन शनिवार को आरंभ हुआ जो रविवार की शाम तक गोपाल पैलेस माधौपुरा की पुलिया पर चलेगा। सम्मेलन के शुभारंभ में नेपाल अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कौशल किशोर, पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय महामंत्री रमेश कुमार जैन, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंगला, उड़ीसा राष्ट्रीय प्रवक्ता जगदीश जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मृदुला अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी भारती अग्रवाल, प्रदेश संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश विष्णु मुरारी अग्रवाल फिरोजाबाद वाले, ब्यावरा से रितेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भानु प्रकाश बंसल उपस्थित रहे।

वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में 22 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हो रहें हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को परिचय सम्मेलन के संयोजक अजय अग्रवाल, प्रचार प्रसार संयोजक एडवोकेट पदम चंद जैन, महासचिव नरेश अग्रवाल, संभाग अध्यक्ष दिनेश बंसल, मंत्री धीरज गर्ग, अशोक गुप्ता एहरोली, मुरारीलाल सिंघल, अशोक अग्रवाल, विनोद मंगल, उमेश गुप्ता आदि द्वारा संभाला गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल के अनुसार परिचय सम्मेलन में 400 लड़के एवं 100 लड़कियों के पंजीयन हुए हैं तथा दो दिन में सभी का परिचय करवा दिया जाएगा। सम्मेलन स्थल पर ही जोड़े तय किया जा रहे हैं तथा संभावना है कि एक दर्जन जोड़े तय हो सकते हैं।

डिप्टी कलेक्टर ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण, एक प्रकरण दर्ज

सबलगढ़। जीवाजी यूनिवर्सिटी द्वारा बीए, बीएससी की परीक्षाएं कराई जा रही हैं। इस संबंध में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने डिप्टी कलेक्टर को बीए, बीएससी की परीक्षाओं में निरीक्षण करने के लिये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। निर्देशों में कलेक्टर ने कहा है कि जीवाजी यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में अनुचित साधन का उपयोग न हो। इसलिए, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी ने गत दिवस के.एस. कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएससी फाइनल के पेपर में एक छात्र नकल करते पाया गया। सुश्री मेघा तिवारी ने तत्काल एक प्रकरण दर्ज कर दिया है।

दंगल के साथ होगा माता हरसिद्धि मेले का समापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर स्थित मां हरसिद्धि देवी के मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही है। पूजा अर्चना करने आए राघवेंद्र हर्षाना ग्राम नाका ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष यहां मेला लगा है। माता हरसिद्धि देवी के दर्शन एवं पूजा अर्चना का सिलसिला जारी है, जिसमें रोज माता के दर्शन के लिए अनेकों गांव के श्रद्धालु यहां रोज आते हैं। यह मेला पिछले अनेक वर्षो से लग रहा है। 5 अप्रैल को भागवती जागरण श्री राम नवमी को लोक संगीतकार जवारे, माता की भेंट गाकर घुड़दौड़ का कार्यक्रम रहता है। मेले के समापन पर दंगल का आयोजन 7 अप्रैल को समय दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जिसमें शहरी एवं ग्रामीण पहलवान कुश्ता का प्रदर्शन कर अपनी कला दिखाएंगे।

नेपरी-बृजगढी रोड पर ब्रॉडगेज पुल के नीचे के जल निकासी व पक्का नाला निर्माण को लेकर किसान करेंगे पदयात्रा

सत्ता सुधार ■ कैलारस

नैपरी बृजगढी रोड पर ब्रॉडगेज रेलवे पुल की ऊंचाई कम होने से रोड पर 200-200 मीटर की दूरी से ढलान देकर पुल के नीचे रोड बनाया है। जिससे पुल के नीचे 3 से 4 फुट पानी हमेशा भर रहा है। बरसात में पानी अधिक भरने से राहगीरों का रास्ता बंद हो जाता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सितम्बर माह में किसानों ने वहीं पर डेरा डाल कर आन्दोलन किया, तब कहीं प्रशासन ने पानी निकासी के लिए कच्चा नाला बनाकर, जल निकासी की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पक्का

नाला बनाने का प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया गया, परंतु अभी तक पक्के नल का निर्माण नहीं कराया गया है। पक्का नाला नहीं होने से पानी अभी भी रुका हुआ है। बरसात में पहले से भी बदतर हालात होगी। पूर्व में जल भराव के चलते एक बच्चे की मृत्यु भी हो चुकी है। सैकड़ो वाहन खराब हो गए हैं। इस सब के बाद भी प्रशासन अपने आश्वासन के अनुसार पक्के नाले का निर्माण नहीं करा रहा है, जिससे क्षेत्र के रहवासियों में आक्रोश है।

नैपरी बृजगढी रोड पर ब्रॉडगेज पुल पर पानी निकासी के लिए पक्का नाला बनाने एवं नैपरी बृजगढी रोड के तिराहे पर अधूरे रोड को पूरा करने की मांग को लेकर किसान, आम जनता ने इकट्ठा होकर 11 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से पदयात्रा करने का निर्णय लिया है। यह पदयात्रा जल भराव के स्थान से ही शुरू होगी और कैलारस तहसील कार्यालय पर समाप्त होगी। इस पदयात्रा में सैकड़ों की संख्या में किसान, छात्र व नौजवान भाग लेंगे। रेलवे अंडरब्रिज पर हुई बैठक में गयाराम सिंह धाकड़, जगन्नाथसिंह पूर्व जनपद सदस्य, बृजराज सिंह सिकरवार, भौरूलाल धाकड़, अमृतलाल धाकड़, मातादीन धाकड़, बृजवीर सिंह सिकरवार, गिरवर धाकड़, भरोषी धाकड़, जितेंद्र जाटव, महेश जाटव, राकेश धाकड़ आदि किसान छात्र व नौजवानों ने भाग लिया। पदयात्रा और ज्ञापन के बाद भी मांगें पूरी नहीं होने की दशा में आंदोलन को तेज करने और आगे बढ़ने का संकल्प भी किसानों की सभा में लिया गया है। किसानों ने जल भराव स्थल पर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश भी प्रकट किया है।

ब्रीफ न्यूज

खिलाड़ियों को मंच देने का काम करता है डीसीए : राय

सीहोर। शहर का बीएसआई मैदान क्रिकेटरों के लिए आदर्श है और यहां पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन सीनियर-जनियर खिलाडियों को मंच देने का कार्य करता है। हार-जीत खेल में लगी रहती है, खिलाडियों को हमेश धैर्य और ईमानदारी से खेलना चाहिए। उक्त विचार जेपीएल के फाइनल में पुरस्कार वितरण के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय ने व्यक्त किए। इस मौके पर उन्होंने अपनी और से विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को पांच हजार की राशि प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विशेष अतिथि भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति, भाजपा युवा मोर्चा के नगराध्यक्ष सुनील राय, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा, एकलव्य क्रिकेट अकादमी के कोच अतुल कुशवाहा, पीपीसीए अकादमी के कोच अतुल त्रिवेदी, चेतन मेवाड़ा, गौरव पिचोनिया, आदर्श राय ने पुरस्कार वितरण किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कृष्णा ब्लास्टर ने निर्धारित 40 ओवर में 210 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसमें अंशु सोनी ने 121 गेंद पर आठ चौके और दो छक्के की मदद से 117 रन की शतकीय पारी खेली, वहीं अंशुल राठौर ने 28 रन, बिलाल खान ने 13 रन बनाए थे। वहीं पीथर की ओर से केशवादित्य गोहिया ने आठ ओवर में 43 रन देकर दो विकेट, नीतिक गोहिया ने आठ ओवर में 30 रन देकर दो विकेट और वीर गावा-गौरव मेवाड़ा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बिजली करंट में फसने से 2 व्यक्ति की मृत्यु का खुलाशा, 4 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। सूचनाकर्ता मोलेराम कोल थाना ब्यौहारी में रिपोर्ट दर्ज किया कि 31.10.24 को रात्रि करीब 10.00 बजे गहनुआ नाला में लगे मोटर पम्प को बंद कर लौट रहे थे। जिस दौरान नंगी बिजली तार की करंट की चपेट में आने से छोटू कोल एवं कैलाश कोल की मृत्यु हो गई। जिस पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच के दौरान मृतक कैलाश कोल एवं छोटू कोल के शव का शव पंचनामा किया जाकर पी.एम. कराया गया तथा फरियादी एवं गवाहानो के कथन लेख कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

संविदा स्वास्थ्यकर्मी 7 को करेंगे विरोध, 22 से हड़ताल

हरदा। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। जिलाध्यक्ष सोनू चौहान ने बताया पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल की महापंचायत में समस्याओं के समाधान का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसको लेकर 7 अप्रैल को स्वास्थ्यकर्मी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। 16 अप्रैल बुधवार को रैली निकालकर सीएम के नाम ज्ञापन देंगे। 22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर नियमितिकरण सहित 8 मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं।

जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपायों को बताने लगाई गई चौपाल

जलस्रोतों की सफ़ाई कार्य में किया गया श्रमदान

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जल के बिना, जीवन असंभव है, और इसलिए हमें जल का संचयन करना चाहिए और इसका सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और जल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। हमें जल का महत्व समझना चाहिए और इसका संरक्षण करना चाहिए, ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित हो सके। ◦जल को बचाएं जीवन को बचाएं, जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शहडोल के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम जोधपुर विकास खंड सोहागपुर में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक द्वारा जल का महत्व बताने हेतु चौपाल लगाई गई। चौपाल में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने जल का महत्व बताते कहा कि जल जीवन का मूल आधार है। यह न केवल पीने के लिए आवश्यक है, बल्कि कृषि उद्योग, परिवहन और ऊर्जा उत्पादन में भी अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जल के बिना न केवल जीवन संभव नहीं है, बल्कि पृथ्वी पर जीवन का संतुलन भी अस्तित्व में नहीं रह सकता। उन्होंने यह भी

बताया कि जल का उपयोग सीमित है, और यह प्राकृतिक संसाधन है, जिसे हम बर्बाद नहीं कर सकते। जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल के उचित उपयोग की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। जल संकट को लेकर जागरूकता बढ़ाने और जल के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा जिसमें जल स्रोतों की साफ़ सफ़ाई उनके रख रखाव पर पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करना है जिसमें आप सब की सहभागिता सुनिश्चित हो।

साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम जोधपुर के प्राचीन तालाब में जन अभियान परिषद के सदस्यों एवं जनमानस द्वारा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु श्रमदान किया गया। विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल,उपसरपंच आदित्य प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखे, उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था अध्यक्ष, लोकनाथ नामदेव मेंटर शिवानी चौरसिया, सीएमसीएलडीपी के छात्र, काजल नापित,जामुनी कोल प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष अशोक नापित सहित ग्रामवासियों की विशेष भूमिका रही।

नल जल योजना के ठप होने से बड़वानी में जल संकट

काफी दूर से गरीब आदिवासी पानी लाने को मजबूर

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले के टिमरनी ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़वानी में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। यहां एक और साफ सफाई नहीं होने से चौतरफा गंदगी का आलम है। वहीं दूसरी ओर नल जल योजना के ठप होने से लोगों को भीषण गर्मी में जल संकट का सामना करना पड़ रहा है काफी दूर से पानी लाने पानी लाने को मजबूर है। वनांचल के कुछ एक बस्तियों की हालत यह है कि लोग दूषित पानी पीने को मजबूर है। इतने पर भी बंद पड़ी नल जल योजना को चालू करने में रूची नहीं ली जा रही है, जिसको लेकर पंचायत के लोगों में आक्रोश का माहौल है।

योजनाओं का लाभ लेने में मनमानी : पंचायत में जरूरतमंदों को जन कल्याण कारी योजना का लाभ नहीं योजना का लाभ दिलाने में मनमानी की जा रही है। इसको लेकर लोगों में आक्रोश का माहौल है। पात्र हितग्राही जहां योजना का लाभ लेने से वंचित है। वहीं अपात्र धड़ल्ले से योजनाओं का लाभ के लिए है। उसकी समीक्षा की जाए वास्तविकता का पता लगाया जाए तो और तमाम विसंगतियां सामने आ जायेगी। गरीब रेखा सूची में नाम जोड़कर फर्जी तरीके से राशन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ उठाया जा रहा है। जिसके कारण लोगो में व्यापक असंतोष है। जांच करा कर कार्रवाई की मांग की जा रही है। जिसको गंभीरता से लेकर जांच करवाई नहीं की जा रही है।

लाखों खर्च फिर भी नहीं मिल रहा पानी : नल जल योजना को चालू करने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किये जा चुके हैं। फिर भी लोगों को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पा रहा है। जो काम कराया गया है वह घटिया किस्म का है। इसकी जांच की जाए तो दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा।

वृक्षारोपण में अनियमितता : बड़वानी ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण पर भारी भरकम बजट खर्च करते हुए वृक्षारोपण कर दिया गया किंतु वर्तमान में कितने वृक्ष जीवित है इसकी समीक्षा की जाए तो वृक्षारोपण की पोल खुल जाएगी । साथ में सरकारी राशि खर्च होने का सार्थता समझ में आयेगी । वृक्षारोपण के बारे में देखरेख पानी देने में कहीं ना कहीं कोताही बरती गई है। जिसके कारण अधिकांश वृक्ष सूख गये है।

आगामी दिनों में जल संकट गंभीर होने के आसार

बड़वानी पंचायत में जल संकट के समाधान में रूची नहीं ली जा रही है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान नहीं करने से निकट भविष्य जल संकट के गंभीर होने के आसार है। इससे प्रकोप फैलने की आशंका है। कितने पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

शाला भवन मरम्मत में मनमानी

शाला भवन मरम्मत में मनमानी की जा रही है। जिसके कारण बड़वानी स्कूल में बच्चों को बरसात के दिनों में भवन के अंदर बैठकर पढ़ाई करने में दिक्कत होती है। पानी टपकता है भवन झज्जर है। जिसको देखने से भवन की स्थिति का अंदाजा सही तरीके से लगाया जा सकता है। बवेलू की स्थिति खराब ह दरवाजे टूटे पड़े हैं साफ-सफाई भी अच्छी नहीं है। नल टूटे हुए हैं और पानी टपक रहा है। बच्चों के पढ़ाई का स्तर भी कमजोर है। मनमानी तरीके से स्कूल का संचालन कर बच्चों के भविष्य से खिलवाड करने के साथ-साथ शासन के आदेशों और प्रावधानों की अव्हेलना की जा रही है। भवन की स्थिति देखने से पता चल जाता है कि शाला भवन के नाम पर खाना पूर्ति की गई है। उसी का परिणाम है कि भवन इतना जर्जर है कि उसमें बैठकर पढ़ाई करना जोखिम पूर्ण है बरसात में इस कदर भवन में पानी टपकता है कि अंदर बैठकर पढ़ाई नहीं की जा सकती । विभागीय अधिकारी आते हैं और भवन की स्थिति को देखकर जाते हैं । भवन को मरम्मत और नए भवन की दिवाल में ध्यान नहीं दिया जा रहा है । इसकी जांच की जाये तो अनेक पहलू सामने आ जाएंगे।

आधार कार्ड नहीं बनने से हो रही परेशानी

आधार कार्ड नहीं होने से अपर आईडी बनाने सहित अन्य और योजनाओं के लाभ से हितग्राही वंचित हो रहे हैं। फिर भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है गंभीरता से लेते हुए आधार कार्ड नहीं होने वालों का सर्वे कराकर उनके प्राथमिकता के आधार पर आधार कार्ड बनाने का दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है।

मनरेगा की मजदूरी दर में वृद्धि : मनरेगा की मजदूरी दर बढ़ गई है किंतु मजदूरों को बड़ी हुई मजदूरी दिलाने में रुचि नहीं दिलाई जा रही है। इसके कारण मजदूर परेशान है। निर्धारित मजदूरी दर नहीं मिलने से मजदूर की चिंता से चिंता बढ़ गई है। जिससे पलायन कर रहे हैं ।

मंत्री लोधी ने किये लाखों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

दमोह जिले की सबसे बड़ी विधानसभा जबेरा के अंतर्गत जनपद तेंदूखेड़ा के ग्रामों में स्थानीय विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी मध्य प्रदेश शासन में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मंत्री विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर 73 लख रुपए के भूमि पूजन एवं लोकार्पण किये जिसमें ग्राम भैंस सर्रा में 13 लख रुपए की लागत नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया ग्राम पंचायत खमरिया शिवलाल में 25 लख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया, ग्राम पंचायत झमरा में 24 लख रुपए की लागत से सीसी रोड एवं 11 लख रुपए की लागत से बनने जा रहे आंगनबाड़ी केंद्र का भूमि पूजन किया।

मंत्री श्री लोधी ने बताया कि आंगनबाड़ियों, सामुदायिक भवन, सीसी रोड के निर्माण से ग्राम वासियों के लिए सुविधा प्राप्त होगी समुदायिक भवन के निर्माण से ग्रामवासी अपने पारिवारिक कार्यक्रम इस भगवान के माध्यम से कर सकेंगे। एवं आंगनबाड़ी के निर्माण से बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण, पोषण आहार एवं शारीरिक वृद्धि कर सकेंगे और बच्चे अपने भविष्य का निर्माण कर सकेंगे।

कलेक्टर ने की महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाएं योजनाओं का लाभ : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के ने बैठक आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए, कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने पीएम मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, पोषण योजना, पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाला आशीर्वाद योजना, स्पॉन्सरशिप एवं फास्टर केयर, मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम सहित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की।

8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा पोषण पखवाड़ा : बैठक में जानकारी दी गई कि 08 अप्रैल से 22 अप्रैल तक जिले में पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस पखवाड़े के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन किया जाएगा। बच्चों में मोटापा कम करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने एवं योग गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाएगा। बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जांएगी।

किसानों, मजदूरों और लघु उद्योग के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात: बैरागी

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अखिल भारतीय किसान सभा ने अमेरिका सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए अन्यायपूर्ण टैरिफ नितियों और केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा अमेरिका के आर्थिक आक्रामक कदमों के आगे घुटने टकने की पुरजोर निंदा की हैं। अखिल भारतीय किसान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रहलाद दास बैरागी ने अमेरिकी आर्थिक आक्रामकता को कृषि प्रधान देश भारत के लिए खतरा बताया है। आर्थिक हमले का असर पूरे देश के साथ मध्य प्रदेश और सीहोर जिले के किसानों व्यापरियों नौकरी करने वाले लोगों पर भी आगामी दिनों में देखने को मिलेगा। निर्यात अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए अखिल भारतीय किसान सभा ने कारपोरेट कब्जे के खिलाफ संघर्ष करने का ऐलान किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का इन आक्रामक कदमों के आगे घुटने टेकना भारत के किसानों, मजदूरों और लघु उद्योग के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात है, जो राष्ट्रीय संप्रभुता से ज्यादा राजनीतिक फायदा को तरजीह देती है। वैश्विक प्रतिशोध ने भारत की शर्मनाक अधीनता को उजागर कर दिया है ब्राजील और चीन जैसे प्रगतिशील देशों ने इन भेदभावपूर्ण टैरिफ का मजबती से विरोध किया है, लेकिन भारत सरकार 27 त्न के भारी टैरिफ बोझ के बावजूद अमेरिका के आगे गुलामी की मुद्रा में खड़ी है ! अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व के आगे समर्पण है और ऐसे समय में हुआ है जब हमारे कृषि और औद्योगिक क्षेत्र में लाखों भारतीयों की आजीविका खतरे में है। श्री बैरागी ने रोष प्रगट करते हुए कहा कि यह देश के कृषि क्षेत्र के अस्तित्व के लिए खतरा है नए टैरिफ से भारतीय कृषि निर्यात को भारी नुकसान होगा, जिसके विनाशकारी परिणाम होंगे विशेष रूप से महाराष्ट्र के आम उत्पादको, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बासमती उत्पादक किसानों, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु के कांफी बाग़ान मालिकों और महाराष्ट्र, कर्नाटक के अंगूर उत्पादक किसान बर्बाद हो जाएगा।

राष्ट्रपति पुरूस्कृत शिक्षक व मूर्तिकार बघेल नहीं रहे

सत्ता सुधार ■ हरदा

रामकृष्ण बघेल का जन्म हरदा में उत्पन्न गरिमा और पवित्रता प्रदान कर गया । ऐसे युग पुरूष का एक युग अंत कहता है। हमें अब हरदा जिले के लिए ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करनी होगी। जिसकी कोई ऐसा युग पुरूष अवतार ले । अनकी क्षति अपूर्णनीय है। आईये हम सब उनके गुणों को आत्मसात करें और एक अच्छा राष्ट्रपति पुरूस्कृत शिक्षक हरदा को मिल सके। रामकृष्ण जी बघेल एक बहुत ही साधारण गरीब परिवार में जन्म लिया । अपने पिता की मूर्तिकलॉ की कलाकारी की विरासत को और आगे बढ़ाया। रामकृष्णजी हरदा जिले में मूर्तियों के कलाकारों में प्रसिद्ध मूर्तिकार थे।

इसी दौरान पढ़ाई भी जारी रखते हुए शिक्षा ग्रहण की और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग दिया। इसके फलस्वरूप स्वरूप महामहिम राष्ट्रपति द्वारा उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार पद से सम्मानित किया गया । आज अपने पीछे पूरा परिवार छोड़ गए हैं । उनके द्वारा नगर पालिका परिसर में लगाई गई स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं देशभक्तियों की मूर्तियां आज भी उनकी याद दिलाती है। नवरात्रि, गणेश उत्सव में उनकी मूर्ति बड़ी ही मनमोहन और खूबसूरत बनाई जाती है। उनकी यादें हमेशा हमारे हृदय में रहेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें । परिवार पर आए इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अब अपना पार्थिव देह त्यागकर अब पंच तत्वों में विलिन हो रहे हैं । आस्था को आकार देने वाले मूत्तिकार और शिक्षक जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पुरूस्कृत भी किया जा चुका था। चंद्रशेखर चंद्रवंशी, मुकेश भसीन, प्रमोद सोमानी, मुकेश उपाध्याय,राजेंद्र पाठक, प्रो. विजय अग्रवाल, केशव अग्रवाल,नवनीत पटेल, विनय पांडे, अनुप अग्रवाल, डॉ. अकबर अली, नटवर पटेल, श्रीकृष्ण गौर, अनुप अग्रवाल, अधि. अमर यादव, संजय जैन, अजय अजमेरा, आनंद नुनिहार, आनंद अग्रवाल, जेके जैन, दिनेश दिक्षित,गौरीशंकर यादव, कैलाश बंसल, मुकेश सावनेर, दयालदास, नर्मदा प्रसाद राजपूत, प्रवीण काशिव, राजु मौर्य, सुभाष अग्रवाल, निलेश शाह, अनिल काशिव, वल्लभ तोषनिवाल, घनश्याम दुगाया, अधि. मदन दुबे, मोहन पटेल, नरेन्द्र राठी, प्रहलाद सोनी, प्रमोद चौबे, राजेंद्र ठाकुर, रामकृष्ण भायरे,सुभाष आदि ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आयोजन | कुण्डलपुर में आचार्य छत्तीसी विधान, भजन संध्या का हुआ आयोजन

आचार्य श्री समयसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया गया

सत्ता सुधार ■ दमोह/कुण्डलपुर

सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में महा समाधिधारक संत शिरोमणि प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य निद्या शिरोमणि प.पू. आचार्य श्री समयसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस धूमधाम से मनाया गया।

एक वर्ष पूर्व 16 अप्रैल 2024 चैत शुक्ल अष्टमी को कुण्डलपुर की पावन धरा पर परम पूज्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज को एक भव्य समारोह में विशाल जनसमूह के बीच चतुर्विध संघ के सानिध्य में आचार्य पद प्रदान किया गया था । आचार्य श्री समयसागर जी महाराज का जीवन संयम, तप और साधना की आग में तपकर हीरा बनने की यात्रा है ।संयम की गूंज त्याग की महक है जिनके प्रत्येक पद चिन्ह में आत्मशुद्धि का प्रकाश है।आपकी वाणी अमृत सी मधुर है, संघ को नई दिशा मिली। इस अवसर पर प्रातः भक्तामर महामंडल विधान, आचार्य छत्तीसी विधान ,पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक, रिद्धि कलश ,शातिधारा, आचार्य श्री की पूजन हुई । प्रथम अभिषेक, शांतिधारा ,रिद्धि कलश करने का सौभाग्य मोहित शानू शैलेंद्र जैन बांसवाड़ा, डॉक्टर शरद शशांक संघ जैन अमेरिका एवं भोपाल, रजनीश सचिन सरधना, वैभव आरजव आगरा, धर्मेंद्र संस्कार सिरोंज, सुनील अंकित गदिया

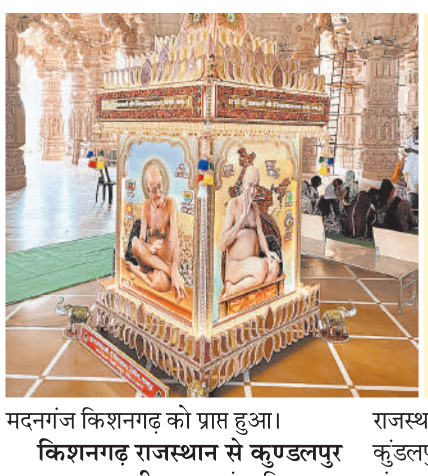

मदनगंज किशनगढ़ को प्राप्त हुआ।

किशनगढ़ राजस्थान से कुण्डलपुर आए 400 यात्री : मदनगंज किशनगढ़ राजस्थान से लगभग 400 यात्री के समूह ने कुंडलपुर आकर कुंडलपुर क्षेत्र की पूरी वंदना की एवं 6 अप्रैल को महेंद्र पाटनी कल्पना पाटनी मदनगंज किशनगढ़ 400 यात्री के साथ पूज्य बड़े बाबा मंदिर में बड़े बाबा महामंडल विधान करेंगे।

गुरुमंदिर प्रतिकृति का हुआ अनावरण

आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण दिवस के पावन प्रसंग पर बड़े बाबा मंदिर परिसर में गुरु मंदिर हस्तशिल्प प्रतिकृति का अनावरण ब्रह्मचारी वाणीभूषण विनय भैया ,चंद्रकुमार सराफ अध्यक्ष कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी,अशोक सराफ, ललित सराफ, अजय निरमा, मनोज जैन मुनिसेवा, अमर सेठ आदि पदाधिकारी सदस्यों के सानिध्य में हुआ।इस हस्तशिल्प प्रतिकृति के निर्माता एवं पुन्यार्जक परिवार श्रेष्ठी अनिल पीयूष जैन विद्यासागर रोडवेज नागपुर, मनीष मंजू पाटनी मनमन क्रिएशन सिवनी बानापुरा इंदौर है।उनकी गुरुभक्ति भावना अनुरूप वे आचार्य श्री की समाधिस्थल डोंगरगढ़ ,तपस्थली कुण्डलपुर, दीक्षा स्थली अजमेर, कर्मस्थली दयोदय जबलपुर, जन्मस्थली सदलगा कर्नाटक में यह गुरु मंदिर स्थापित किये जा रहे हैं।सायंकाल विद्या भवन में भजन संध्या एवं आचार्य श्री की आरती का भव्य आयोजन हुआ , भक्तामर दीप अर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती हुई।

प्राईवेट विद्यालय के संचालन संबंधी बैठक सम्पन्न

शहडोल। कलेक्टर डॉ केदार सिंह की उपस्थित में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिले के प्राईवेट विद्यालयों में फीस वृद्धि संबंधित बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्राईवेट विद्यालय के संचालकों को निर्देश दिए हैं कि विद्यालय में फीस की वृद्धि शासन के नियमानुसार एवं समिति की शर्तों के अनुरूप ही बढ़ाना सुनिश्चित करें। उन्होनें कहा है कि किसी भी विद्यालय में फीस की वृद्धि मनमाने तरीके से नहीं होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिले में जितने भी प्राईवेट विद्यालय हैं उनकी सतत रूप से जांच की जाए। जांच के दौरान विद्यालयों में छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं की जांच की जाए। इसे साथ ही कलेक्टर ने जिले में संचालित समस्त प्राईवेट विद्यालयों में ली जाने वाली फीस की भी जानकारी ली। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री फूल सिंह मारपाची, जिला कोषालय अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक जैन ने सीएम राइस महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण

इसी सत्र से शुरू होंगी कक्षाएं

सत्ता सुधार ■ सागर

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने महारानी लक्ष्मीबाई सीएम राइस विद्यालय के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण प्राचार्य विनय दुबे एवं ठेकेदार के साथ किया,उन्होंने नव निर्मित भवन की फिनिशिंग का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, उल्लेखनीय हैं कि 39.6 करोड़ रुपए की लागत से 5 एकड़ भूमि पर भव्य भवन तैयार किया गया है,इसमें 140 कमरे है, जिसमें केजी1 से क्लास 12 तक हिंदी, इंग्लिश मीडियम के 2500 बच्चों की क्षमता के साथ स्कूल संचालित होगा, इसमें मल्टीपरपस हाल, डाइनिंग हाल का कार्य जारी है,खेल मैदान का निर्माण, मुख्य गेट, बाउंड्रीवाल का निर्माण, गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण किया जाना शेष है, विधायक जैन ने बताया कि खेल मैदान में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल,फुटबॉल ग्राउंड रहेंगे, स्कूल का फर्नीचर आना शुरू हो गया है हम इसी सत्र से नवीन भवन में कक्षाएं लगाना शुरू करेंगे।

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने 138 करोड़ रुपए की लागत से बी एम सी के हॉस्टल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ सागर

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने पी आई यू के अधिकारियों के साथ तिली स्थित गिरधारीपुरम के ऊपर स्थित पहाड़ी पर 138 (92+46)करोड़ रुपए की लागत से बन रहे बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के अंडर ग्रेजुएशन के लिए 292 सीटर मेल फीमेल एवं पोस्ट ग्रेजुएट्स स्टूडेंट्स के लिए 159 सीटर मेल फीमेल हॉस्टल का निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।उल्लेखनीय है कि विधायक जैन के प्रयासों से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं में विस्तार के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के द्वारा मेडिकल स्टूडेंट्स की सीटों में इजाफा किया गया है जिससे हमारे बुन्देलखण्ड के और भी बच्चे यहां पर एडमिशन लेकर डॉक्टर के रूप में चयनित होकर अपनी सेवाएं दे सकेंगे।इसी के विस्तार की दिशा में हॉस्टल,मल्टीपरपस हाल, डाइनिंग हाल एवं कैंटीन का निर्माण किया

जाना है, विधायक जैन ने बताया कि शहर की सबसे ऊंची पहाड़ी पर इस होस्टल का निर्माण किया जा रहा है।यहां से सारे शहर का दर्शन किया जा सकता,उन्होंने कार्य समयावधि में और गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए,निरीक्षण के दौरान नितिन बंटी शर्मा,मनीष चौबे,पी आई यू के अधिकारी,समेत ठेकेदार उपस्थित थे।

शहीदों की स्मृति में हुआ 'रक्त-क्रांति रक्तदान शिविर 71' का आयोजन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

सिविल अस्पताल बीना के सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद रानी अवंतीबाई लोधी, महारानी लक्ष्मीबाई, वीर महाराणा प्रताप, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु आदि की शहादत की याद में मनाए जाने वाले ÷शहीद स्मृति दिवस÷ एवं ÷नवरात्रि महोत्सव÷ के अवसर पर सिविल अस्पताल बीना के डॉक्टर्स व स्टाफ एवं स्वास्थ्य सेवा संगठन बीना द्वारा ÷रक्त-क्रांति रक्तदान शिविर -71÷ का आयोजन किया गया, जिसमें 15 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ दीपक तिवारी, ब्लड स्टोरेज सेंटर बीना प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर एवं स्वास्थ्य सेवा संगठन अध्यक्ष मनीष सिंघई के द्वारा स्वास्थ्य के देवता भगवान धन्वंतरि के पूजन व माल्यार्पण के साथ किया गया। लैब टेक्नीशियन रवि बोथ, निधि, दीनदयाल, रजनीश तिवारी, लैब सहायक पुष्पा कोरी, मोहित, जसवंत सेन, रामसहाय, पी जी कालेज बीना के छात्रों द्वारा रक्तदाताओं से रक्तदान करवाया गया।अब तक आयोजित हुए इन 71 ÷रक्त-क्रांति÷ रक्तदान शिविरों के समस्त भागों में 2322 यूनिट से अधिक ब्लड, रक्तदान किया जा चुका है। रक्तदान शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा 31वीं बार रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में? नितमय जैन, मुकेश कुमार रिछारिया, अनिल राय, संतोष कुशवाहा, हेमंत सिरोठिया, राकेश सुमन, संदीप तिवारी, संजय जैन सहित कुल 15 स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया।

31वीं बार रक्तदान करने वाले हेमंत सिरोठिया को ÷रक्त-क्रांति रक्तवीर सम्मान÷ एवं रक्तदाता रोशनी अहिरवार को ÷रक्त-वीरांगना÷ सम्मान प्रदान किया गया। मोतीचूर नदी संरक्षण समिति बीना के 40वीं बार रक्तदान करने वाले रक्तदाता राकेश सुमन को ÷उत्कृष्ठ सुरक्षा सम्मान÷ एवं सिविल अस्पताल बीना की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ नेहा कटारे को ÷उत्कृष्ठ महिला सुरक्षा सम्मान÷ प्रदान किया गया। तीसरी बार रक्तदान करने वाले संदीप तिवारी को ÷उत्कृष्ट जीव-रक्षा सम्मान÷ चिकित्सा अधिकारी डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। सघन वृक्षारोपण करवाने के लिए रक्तदाता संतोष कुशवाहा को ÷उत्कृष्ठ पर्यावरण संरक्षण सम्मान÷ प्रदान किया गया।

सभी रक्तदाताओं का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ÷शहीद स्मृति दिवस÷ के अवसर पर डॉ वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा आम जन? से अपील की गई कि जिस तरह हमारे भारत देश के वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा भारत देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का दान किया था, उसी तरह हम हम सभी भारतवासी अपने देशवासियों की जान की रक्षा के लिए हर 3 माह में एक अपने रक्त का दान रक्तदान करें व खून? की कमी वाले गंभीर मरीजों, कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं, कैंसर, थैलेसीमिया इत्यादि बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जान? की रक्षा करें। रक्तदान शिविर में आ कर किसान नेता इंदर सिंह ठाकुर एवं वरिष्ठ वकील अल्ताफ अब्बासी द्वारा रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की गई एवं हर महीनें 50 यूनिट से अधिक ब्लड की आवश्यकता को देखते हुए सरकार से सिविल अस्पताल बीना में जल्दी से जल्दी ब्लड बैंक बनाए जाने की मांग की गई।

पैर पखारे एवं पुष्प वर्षा कर किया कन्या पूजन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

परमार्थ सेवा संगठन बीना व्दारा नवसंवत्सर हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य मे पंचमी तिथी पर, श्री शीतला माता मंदिर कानूनों वार्ड मे कन्या पूजन, भारतमाता की आरती एवं नवसंवत्सर एवं नवरात्रि साधना पर्व पर व्याख्यांन माला का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम वरिष्ठ संरक्षक सदस्य सीताराम चौरसिया ने भारत माता के चित्र पर तिलक कुमकुम लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की, कन्याओं के पैर पखार कर, सभी कन्याओ को पैरो मे माहुर लगाकर, कुमकुम अक्षत से तिलक किया गया एवं सभी कन्याओं पर पुष्प वर्षा भी की गई।

पैकेट के साथ दक्षिणा एवं अन्य सामग्री कन्याओ को भेट की एवं सभी सेवा मित्रों ने चरण स्पर्श कर आर्शिवाद लिया गया। इस अवसर पर 75 कन्याओं का पूजन किया गया।अध्यक्ष पंडित महेश दत्त तिवारी ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए विधीविधान से पूजन करवाया, कार्यक्रम संयोजक उमेश शर्मा बताया की परमार्थ सेवा संगठन के सेवा मित्र नवसंवत्सर हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्रि के उपलक्ष्य मे प्रतिवर्ष दोनो नवरात्रि पर्व पर, कन्याओं का पूजन कर,उन्हें अनेक प्रकार की सामग्री भी भेंट करते है।

वरिष्ठ संरक्षक सदस्य पूर्व शिक्षक सीताराम चौरसिया ने बताया कि भगवान ब्रह्मा जी ने जिस दिन सृष्टि की रचना की थी उसी दिन से सभी सनातनी हिन्दू नव वर्ष मनाते है, नवसंवत्सर पर हिन्दुओं का नूतन वर्ष का शुभारंभ होता है,प्रो. डालचंद पटैल ने बताया की चैत्र की नवरात्रि से विक्रम संवत की शुरुआत हुई थी साल भर के भोजन हेतु अनाज भी हमे इसी समय मिलता है, सभी कन्याओं को दक्षिणा भी दी गई, लल्लू यादव द्वारा सभी कन्याओं को चुनरी भेंट कर मिठाई खिलाई गई, अन्त मे सभी सेवा मित्र ने, आरती भारत माता की जगत के भाग्य विधाता की, का गायन सास्वर किया, कार्यक्रम का संचालन सीताराम चौरसिया ने किया एवं अन्त मे सभी का आभार भोले सेन ने आभार माना। कन्या पूजन कार्यक्रम मे मुख्य रूप ज्योति तिवारी रेणुका दांडगे, ममता चौरसिया, प्रीति लखेरा, श्रीमती प्रियंका माले, महेश दत्त तिवारी, सीताराम चौरसिया, आर. के. अवस्थी, प्रो. डालचंद पटैल, धर्मेंद्र नामदेव, भोले सेन, श्रीमती रश्मि बुन्देला, सुरेंद्र बुन्देला श्रीमती नीलम चौरसिया एवं उमेश शर्मा के साथ साथ अनेक लोग उपस्थित रहे एवं सहयोग प्रदान किया।

निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

पालक महासंघ बीना ने विधायक निर्मला सप्रे को निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर एक ज्ञापन सौंपा जिसमें जिसमें म.प्र निजी स्कूल फीस विनियमन अधिनियम 2017 तथा 2020 का परिपालन करने,जो स्कूल सी.बी.एस.ई मान्यता प्राप्त है उनमें नियम व अधिनियम के साथ समय समय पर परिपत्रों का पालन कराया जाए। पालक महासंघ अध्यक्ष अमित साहू ने बताया कि अभिभावकों से उन्हें शिकायत मिली है कि कुछ स्कूल पाठ्यपुस्तकों, यूनिफॉर्म ,फीस मैं म.प्र सरकार व सी. बी एस. सी के नियमों का उल्लंघन कर रहे है। निश्चित विक्रेता से पाठ्य सामग्री खरीदने पर मजबूर कर रहे है जिसकी कीमत वास्तविक मूल्य से अधिक है जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है,जिन स्कूलों ने अभी तक अपना नवीनीकरण नहीं करवाया है और एडमिशन दे रहे है उनकी जमीनी सत्यापन हो, एड.राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए जो सरकार की गाइडलाइन है प्रशासन कानून के अनुसार कारवाही करे। ज्ञापन सौंपने वाले मैं राजेश श्रीवास्तव,राकेश श्रीवास्तव, दुर्गेश वर्मा, एड.विनोद कुमार अस्थाना शामिल रहे।

रिफाइनरी में काम करने वाले 70 कर्मचारी वेतन के लिये परेशान

बीना(सागर)। रिफाइनरी में काम करने वाले आकाश इंटरप्राइजेज और सारा फैसिलिटी कंपनी के 70 कर्मचारियों को पिछले 3 महीने से वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कुछ ने अपनी पत्नियों के गहने तक गिरवी रख दिये हैं। बताया जा रहा है कि कई कर्मचारियों को 10 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज लेना पड़ा है। पिछले एक सप्ताह से कर्मचारी वेतन की मांग को लेकर रिफाइनरी प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारियों और नेताओं के पास चक्कर लगा रहे हैं। 31 मार्च को कर्मचारी विधायक निर्मला सप्रे से मिले। 3 दिन तक कोई समाधान नहीं निकलने पर 40-50 कर्मचारी आगासौद पुलिस थाने पहुंचे। सारा फैसिलिटी कंपनी के मालिक एस आर प्रधान ने केवल 1 माह का वेतन देने की बात कही। नरेश कुशवाहा, उमेश और राकेश सेन सहित कई कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें 5 महीने से वेतन नहीं मिला है। आगासौद थाना प्रभारी नितिन पाल के अनुसार दोनों पक्ष उनके सामने सहमत हुये थे, लेकिन बाद में क्या हुआ यह उन्हें नहीं पता। उन्होंने कहा यदि सहमति नहीं बनती है, तो कर्मचारी कोर्ट जा सकते हैं।

सागर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए सागर ड्रीम्स महत्वपूर्ण प्लेटफार्म : कलेक्टर संदीप जी आर

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि सागर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए सागर ड्रीम्स एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है इस प्लेटफार्म के माध्यम से सागर की प्रतिभाओं को निखार कर उनको आगे बढ़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का सागर ड्रीम का कार्यक्रम अजा ज्वेलर ÷सच्चा सौदा÷ के द्वारा कराया गया इससे प्रतिभागियों को एक नया मौका मिलेगा ।जिला पुरातत्त्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद्, जिला सागर और अजा ज्वेलर, सागर के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी सिनेमा के महान गीतकार आनंद बक्शी के सदाबहार गीतों पर आधारित संगीतमय कार्यक्रम ÷प्यार तेरी पहली नज़र को सलाम÷ का भव्य आयोजन दिनांक 4 अप्रैल को अजा ज्वेलरी ÷सच्चा सौदा÷ राजघाट रोड तिली तिराहा पर किया गया।इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा आनंद बक्शी के प्रसिद्ध गीतों की प्रस्तुति दी गई। आनंद बक्शी के गीतों ने कई दशकों से श्रोताओं के दिलों पर राज किया है। उनके गीतों में प्रेम, विरह, और जीवन के विभिन्न पहलुओं को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संदीप जी आर कलेक्टर सागर रूपेश उपाध्याय एडीएम सागर, श्रीमती जूही गर्ग सिटी मजिस्ट्रेट, श्रीमती आरती यादव संयुक्त कलेक्टर, श्रीमती अदिति यादव, स्छरू सागर उपस्थित रहे। केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने कहा कि सागर की प्रतिभाओं को उभरने के लिए सागर ड्रीम्स का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिला प्रशासन एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद जिला सागर बधाई का पात्र है।कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अजा ज्वेलरी के संचालक नीरज तिवारी, श्रीमती शिल्पा तिवारी,आकाश तिवारी एवं विकास तिवारी द्वारा मोमेंटो भेंट कर किया गया।सभी प्रतिभागियों को अजा ज्वेलरी द्वारा शील्ड प्रदान की गई।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आनंद बक्शी के गीतों की सराहना की।

कलेक्टर ने फाईल के ऑनलाईन अनुमोदन सहित ई ऑफिस से किया फाईल का निराकरण

कलेक्ट्रेट में शुरू हुआ ई-ऑफिस सिस्टम

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर सागर कलेक्ट्रेट में ई- ऑफिस सिस्टम शुरू हो चुका है जिसके अंतर्गत आज कलेक्टर ने फाइल के ऑनलाइन अनुमोदन सहित ई - ऑफिस से फाइल का निराकरण किया। कलेक्टर ने बताया कि ई-ऑफिस के माध्यम से जहां एक ओर कार्य में पारदर्शिता रहेगी, वहीं गुणवत्ता के साथ समय की बचत भी होगी। उन्होंने जिले के सभी विभागों को ई ऑफिस पर शीघ्र ऑनबोर्ड होने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि कमिश्नर ऑफिस, कलेक्टरेट सहित फूड, लेबर, ट्रेजरी , एसएलआर , लोक सेवा, ई-गवर्नेंस , ओबीसी, प्लानिंग एंड स्टैटिसटिक्स, आयुष, एक्सरसाइज, जनसंपर्क , कृषि तथा सीएमएचओ कार्यालय की ई ऑफिस ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

ई ऑफिस से सरकारी विभागों में जनता के काम को लेकर अब ज्यादा दिन फाइल अटक नहीं पाएंगी। फाइल में हेराफेरी व कांटछांट की तो कोई गुंजाइश ही नहीं। फिलहाल अधिकारी-कर्मचारियों को इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद सभी तरह की फाइल ऑनलाइन खलेंगी। फाइल किस अधिकारी के पास पेंडिंग है, यह सब ऑनलाइन दिखेगा। लोगों के आवेदन पर विभागीय स्तर से जो फाइल चलेगी उसका समय सीमा में निराकरण होगा। इस तरह से सरकारी काम में पारदर्शिता आएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनवरी 2025 में मुख्यमंत्री निवास से ई-ऑफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ किया था। इसके बाद सभी जिलों में इस पर काम शुरू हुआ है। ई-ऑफिस सिस्टम में अधिकारी, कर्मचारी अपनी आईडी से ऑनलाइन अन्य अधिकारी को फाइल भेज सकेंगे और अनुमोदन भी ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकेगा। ई-ऑफिस सिस्टम से समय और पेपर दोनों की बचत होगी।

ई-ऑफिस में कार्य करने के लिए सभी अधिकारी, कर्मचारी के पास स्वयं की शासकीय ई-मेल आईडी होना चाहिए। आगामी समय में सभी फाइलों का संचालन ई-ऑफिस के माध्यम से किया जाएगा। जिससे प्रशासनिक कार्यों में गति एवं पारदर्शिता आएगी। संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के काम पूरा करने का समय भी तय होगा। सभी विभागों को अपने किसी कम्प्यूटर में दक्ष कर्मचारी को कार्यालय के लिए नोडल नियुक्त करना है, जो ऑफिस के लिए मास्टर ट्रेनर की तरह काम करेगा।

कभी भी और कहीं से भी चला सकेंगे नोटशीट

विभाग प्रमुखों को ई-ऑफिस का प्रशिक्षण जिला सूचना विज्ञान अधिकारी डेलन प्रजापति और ई-गवर्नेस मैनेजर राहुल शर्मा द्वारा दिया जा रहा है। डीआईओ प्रजापति ने बताया कि कलेक्ट्रेट ऑफिस ई-सिस्टम के लिए अपडेट हो गया है। अन्य विभागों से डेटा मांगा जा रहा है। यह एक तरह से पेपरलेस सिस्टम होगा। भविष्य में विभागीय स्तर पर जो आवेदन डिजिटलाइज्ड होंगे तो एक क्लिक पर उपलब्ध हों सकेंगे। इमरजेंसी में कोई नोटशीट ऑनलाइन कभी भी और कहीं से चला सकते हैं। इसमें मूवमेंट व टाइम रिकॉर्ड होगी। इससे कामकाज की गति और दक्षता बढ़ेगी। विभागों को त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। ई ऑफिस की प्रक्रिया भोपाल से मैपिंग के माध्यम से की जाती है जिसके उपरांत विभाग ऑफिस में कार्य शुरू कर सकते हैं।

लोगों की मांग पर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने खुद नापी सड़क की चौड़ाई

समानता के साथ न्याय करने का दिया भरोसा

सत्ता सुधार ■ सागर

मोतीनगर चौराहा से धर्म श्री चौराहा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के संबंध में स्थानीय निवासियों ने विधायक शैलेंद्र कुमार जैन के निवास पर पहुंचकर मुलाकात की और दोबारा सड़क की चौड़ाई का नाप करने का आग्रह किया।इसके बाद विधायक जैन ने आयुक्त नगर निगम राजकुमार खत्री के साथ मोतीनगर चौराहा से धर्मपुरा तक का निरीक्षण किया और लोगों से अलग अलग बात की और खुद टेप लेकर सड़क की चौड़ाई नापी।उन्होंने कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं किया जाएगा।यथासंभव कम से कम नुकसान के साथ हम सड़क का चौड़ीकरण करेंगे।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया,एम आई सी सदस्य धर्मेंद्र खटीक, पार्षद विशाल खटीक,इंजीनियर दिनकर शर्मा, इंजीनियर संयम चतुर्वेदी सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए सेकंड ट्रायल शुरू, बिहार में 4 मई से शुरू

पटना। बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 4 मई से 15 मई के बीच हो रहा है। इसमें योगासन के दूसरे चरण का ट्रायल ऑनलाइन होगा। सिर्फ 18 साल से कम उम्र की लड़कियों के लिए दूसरे चरण का ट्रायल शुरू किया जाएगा। जो भी लड़कियां इसमें भाग लेना चाहती हैं, वह अपना वर्चुअल ट्रायल के लिए 1 से 1.50 मिनट का वीडियो भेज सकती हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण ने कहा कि योगासन एक मेडल स्पोर्ट है, जिसका कंपटीशन गया में होगा। 18 साल से कम उम्र की लड़कियां जिन्हें योगासन में रुचि है, और वह योगासन करते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड करके भेज दें। उस वीडियो को देखा जाएगा और सेलेक्ट हुई लड़कियों को कैंप के लिए बुलाया जाएगा। उन्हें फिर खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लेना का मौका मिलेगा।

टीम इंडिया के लिए किसी भी नंबर पर खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। बाएं हाथ के बैटर साई सुदर्शन ने कहा कि टीम इंडिया के लिए खेलना महत्वपूर्ण है, वह अपने को इतना बहुमुखी बनाना चाहते हैं कि टीम में जिस नंबर पर मौका मिले, वह खेल सकें। साई ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन शुरुआत करते हुए तीन मैचों में 62 की औसत से 186 रन बनाए हैं। इसमें 157 से अधिक की स्ट्राइक रेट से दो अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने जियो हॉटस्टार प्रेस रूम कार्यक्रम में कहा, मुझे लगता है कि जब भी हमें देश के लिए खेलने का मौका मिले हमें खेलना चाहिए। यह बहुत बड़ा सौभाग्य है। सैकड़ों लोग टीम इंडिया में आना चाहते है। तो मैं खुद नहीं चुन सकता की मैं कौन से नंबर पर खेलूंगा। लेकिन मैं पूरी कोशिश करूंगा की इतना बहुमुखी (वर्सटाइल) बन जाऊं कि जिस नंबर पर टीम मुझे खेलने के लिए कहे मैं वहां खेल सकूं।

बेंगलुरू एफसी को अपने घर पर दो गोल के ज्यादा अंतर से पछाड़ने उतरेगी एफसी गोवा

फातोर्दा। एफसी गोवा रविवार को शाम 7.30 बजे फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बेंगलुरू एफसी की मेजबानी करेगी, तो गौर्स का लक्ष्य दो गोल के अंतर को पाटकर जीत से फाइनल की राह बनाना होगा, क्योंकि उसे ब्लूज ने अपने घर में 2-0 से हराया था। बेंगलुरू एफसी ने अपने पिछले दो प्लेऑफ मैचों में जीत के दौरान कोई गोल नहीं खाया है, जिससे कोच मैनोलो मार्क्वेज और उनके गौर्स चिंतित होंगे। लेकिन गोवा के अपने पिछले दो दौरों में ब्लूज को हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें वे यहां खेले गए पिछले मैच में गोल नहीं कर पाए थे। अगर ब्लूज आगामी मुकाबले में गोल करने में विफल रहते हैं, तो एफसी गोवा ऐसी तीसरी टीम बन जाएगी जिसके खिलाफ वे आईएसएल में लगातार तीन अवे मैचों में गोल से वंचित रहे।

विश्व मुक्केबाजी कप: क्लीनिकल अभिनाश जामवाल 65 किग्रा के फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अभिनाश जामवाल ने इटली के जियानलुइगी मलंगा के खिलाफ लगभग परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए बीते दिन को फोज डू इगुआकु में विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 के 65 किग्रा के फाइनल में प्रवेश किया। 22 वर्षीय भारतीय ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपने लंबे कद और एथलेटिसिज्म का इस्तेमाल किया, लेकिन जब उनके प्रतिद्वंद्वी का गार्ड नीचे था, तो उन्होंने तेजी से हमला किया और 5.0 के सर्वसम्मत फैसले को हासिल किया। पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 दिया, जिसमें सभी पांच जजों ने पहले और तीसरे राउंड को भारतीय के नाम सर्वसम्मति से दिया। मलंगा को पहले राउंड में ही उल्टी गिनती का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें बाकी मुकाबले में बैकफुट पर रहना पड़ा। इससे पहले हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में फ्रांसीसी ओलंपियन माकन ट्रोरे को हराकर विश्व मुक्केबाजी कप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। भारतीय मुक्केबाज ने ओलंपियन ट्रोरे के खिलाफ शुरुआत में सतर्क रुख अपनाया, लेकिन हमेशा पलटवार की तलाश में रहे। इस रणनीति ने हितेश को मुकाबले की गति को नियंत्रित करने में मदद की और हालांकि उन्हें तीसरे और अंतिम दौर में पेनल्टी मिली, लेकिन अंतिम परिणाम पर कभी संदेह नहीं हुआ। जहां हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से होगा, वहीं जामवाल का मुकाबला स्थानीय पसंदीदा यूरी रीस से होगा। हालांकि, 55 किग्रा वर्ग में मनीष राठौर का अभियान सेमीफाइनल चरण में समाप्त हो गया, क्योंकि वह कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टीनबेक से 0.5 से हार गए। यह विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एलीट मुक्केबाजी कार्यक्रम है जिसमें भारतीय मुक्केबाज भाग ले रहे हैं और 10 सदस्यीय दल ने एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों को चुनौती देने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसमें से दो फाइनल में पहुंचे हैं और चार अन्य अंतिम चार राउंड में जगह बनाने में सफल रहे हैं।

गुजरात के खिलाफ हैदराबाद को करनी होगी वापसी

हम कुछ उन आंकड़ों का रुख़ करते हैं जो दोनों टीमों के बीच होने वाली इस भिड़ंत में अपनी छाप छोड़ सकते है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें आमने-सामने होंगी। जीटी इस समय जीत की पटरी पर है जबकि एसआरएच लगातार तीन मैच हारकर आ रही है। हम कुछ उन आंकड़ों का रुख़ करते हैं जो दोनों टीमों के बीच होने वाली इस भिड़ंत में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। गिल और बटलर की काट शमी के पास मोहम्मद शमी ने केकेआर के खिलाफ पिछले मैच में शुरुआती झटका देकर एसआरएच को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और शमी से इस बार भी उनकी टीम को उम्मीद होगी। जीटी के कप्तान शुभमन गिल और जॉस बटलर के खिलाफ टी20 में शमी के प्रभावी आंकड़े हैं। शमी गिल को पांच पारियों में दो बार आउट कर चुके हैं जबकि इस दौरान गिल उनके खिलाफ 114 के स्ट्राइक रेट से 41 रन ही बना पाए हैं। वहीं शमी 13 पारियों में तीन बार बटलर का शिकार कर चुके हैं जबकि बटलर ने उनके खिलाफ 134 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बनाए हैं।

पावरप्ले में खराब प्रदर्शन एसआरएच की समस्या

एसआरएच का शीर्ष क्रम पहले मैच के बाद कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया है। इस सीजन अब तक एसआरएच पावरप्ले में सर्वाधिक 10 विकेट गंवाने वाली टीम है। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी की औसत में पिछले सीजन की तुलना में गिरावट देखने को मिली है। हेड और अभिषेक की जोड़ी ने 49.9 की औसत से रन बनाए थे जबकि इस सीजन इस जोड़ी ने साथ में 18.8 की औसत से ही रन बनाए हैं। ऐसे में हेड और अभिषेक की जोड़ी को जल्द ही लय प्राप्त करनी होगी।

राशिद कर सकते हैं किशन और क्लासेन को परेशान

राशिद खान के पास हैदराबाद में खेलने का अच्छा खासा अनुभव है। एसआरएच के बल्लेबाजी क्रम का भार अब तक प्रमुख रूप से हेनरिक क्लासेन के कंधों पर ही रहा है, ऐसे में क्लासेन के खिलाफ जीटी राशिद का रुख कर सकती है। राशिद ने पांच टी20 पारियों में दो बार क्लासेन को अपना शिकार बना चुके हैं लेकिन क्लासेन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 149 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। वहीं राशिद ने 10 टी20 पारियों में दो बार इशान किशन का शिकार किया है जबकि किशन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 119 के स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाए हैं। किशन ने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी लेकिन इसके बाद वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

राशिद के खिलाफ खोई लय प्राप्त कर सकते हैं अभिषेक

राशिद खान के पास हैदराबाद में खेलने का अच्छा खासा अनुभव है। एसआरएच के बल्लेबाजी क्रम का भार अब तक प्रमुख रूप से हेनरिक क्लासेन के कंधों पर ही रहा है, ऐसे में क्लासेन के खिलाफ जीटी राशिद का रुख कर सकती है। राशिद ने पांच टी20 पारियों में दो बार क्लासेन को अपना शिकार बना चुके हैं लेकिन क्लासेन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 149 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। वहीं राशिद ने 10 टी20 पारियों में दो बार इशान किशन का शिकार किया है जबकि किशन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 119 के स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाए हैं। किशन ने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी लेकिन इसके बाद वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

पांच टी20 पारियों में दो बार क्लासेन को अपना शिकार बना चुके हैं लेकिन क्लासेन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 149 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। वहीं राशिद ने 10 टी20 पारियों में दो बार इशान किशन का शिकार किया है जबकि किशन ने इस दौरान राशिद के खिलाफ 119 के स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाए हैं। किशन ने पहले मैच में शतकीय पारी खेली थी लेकिन इसके बाद वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

पाकिस्तानी ऑलराउंडर खुशदिल शाह ने खोया आपा, प्रशंसक पर किया हमला

सुरक्षाकर्मियों ने किया बीच-बचाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट की हालत दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। एक तरफ टीम को हर मुकाबले में हार का सामना करना पड़ रहा है, तो दूसरी तरफ उनके खिलाड़ी अपना आपा खोते जा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिनको साझा करते हुए प्रशंसकों ने दावा किया है कि खुशदिल शाह का फैंस के साथ झगड़ा हो गया।

मैच के बाद प्रशंसकों से भिड़े खुशदिल शाह

दरअसल, पाकिस्तान की टीम इन दिनों न्यूजीलैंड के दौरे पर है। शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला गया जिसमें न्यूजीलैंड ने उन्हें 84 रन से रौंदकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इस हार के बाद बौखलाए पाकिस्तानी ऑलराउंडर खुशदिल शाह फैंस से उलझ गए। बात इतनी बढ़ गई कि सुरक्षाकर्मियों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा। वनडे विश्व कप 2023, टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खराब प्रदर्शन के बाद अब न्यूजीलैंड दौरे पर भी पाकिस्तान का बुरा हाल हुआ है। न्यूजीलैंड के दौरे पर गई पाकिस्तान टीम को टी20 सीरीज में 4-1 से हार का सामना करने के बाद अब वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है।

टी20 सीरीज में 4-1 से हारा था पाकिस्तान

सलमान अली आगा के नेतृत्व में पाकिस्तान की टीम ने तीसरा टी20 नौ विकेट से जीता था और वह भी रिकॉर्ड के साथ, लेकिन इससे पहले और इसके बाद टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। न्यूजीलैंड ने पहला टी20 नौ विकेट से, दूसरा टी20 पांच विकेट से, चौथा टी20 115 रन से और पांचवां टी20 आठ विकेट से अपने नाम किया था। इसके बाद वनडे सीरीज में भी कीवियों का बोलबाला रहा। माइकल ब्रेसवेल के नेतृत्व में एक नई कीवी टीम ने पहले वनडे में पाकिस्तान को 73 रन से, दूसरे वनडे में 84 रन से और तीसरे वनडे में 43 रन से हरा दिया। तीसरे वनडे के दौरान इमाम उल हक के चेहरे पर गेंद लगी और उन्हें एंबुलेंस से मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। इसके बाद उन्हें चेकअप के लिए अस्पताल में भर्जी कराया गया है। वहीं, पाकिस्तान की पारी के दौरान मैदान में अंधेरा भी छा गया था।

मुंबई की तीसरी हार के बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर भड़के कप्तान हार्दिक पांड्या

एजेंसी ■ लखनऊ

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 12 रन से हार का सामना करने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि उनकी टीम ने गेंदबाजी करते समय 10-12 रन अधिक खर्च किए। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में हार्दिक ने कहा, हारना हमेशा निराशाजनक होता है। मैं अगर ईमानदारी से कहूं तो मैदान में हमने 10-12 रन ज्यादा खर्च किए। आखिरी में हम इसी अंतर से हारे।

हार्दिक ने अपनी गेंदबाजी की तारीफ की: हार्दिक ने इस मैच में 36 रन देकर पांच विकेट लिए। टी20 क्रिकेट में उन्होंने पहली बार पांच विकेट चटकाए हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है। मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, लेकिन मैं विकेट परखकर समझदारी से अपने विकल्प चुनता हूं। मैं विकेट लेने की जगह बल्लेबाजों से गलतियां करवाने और उन्हें डॉट गेंद फेंकने की कोशिश करता हूं। हार्दिक ने बल्लेबाजों को भी फटकार लगाते हुए कहा, मुझे लगता है कि एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम पिछड़ गए। हम एक टीम के रूप में जीतते हैं और एक टीम के रूप में हार रहे हैं। किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहता। इसकी जिम्मेदारी पूरी बल्लेबाजी इकाई को लेनी होगी। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।

गायकवाड़ की अनुपस्थिति में वॉटसन ने धोनी को सीएसके की कमान सौंपने का समर्थन किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एमएस धोनी को सीएसके की कमान सौंपने का समर्थन किया है, अगर नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ अपनी कोहनी की चोट से समय पर ठीक नहीं होते हैं। चेन्नई के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले बीते दिन को इसी तरह के संकेत दिए थे। जब उनसे पूछा गया कि अगर रुतुराज गायकवाड़ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीएसके के अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो क्या एमएस धोनी कप्तान के रूप में कदम रखेंगे, तो वॉटसन ने बस इस फैसले का स्वागत किया। वॉटसन ने जियोहॉटस्टार पर कहा, अगर रुतुराज नहीं खेलते हैं, तो आप उम्मीद करेंगे कि एमएसडी आगे आएंगे। वह पहले से ही मैदान पर नेतृत्व कर रहे हैं, जब भी वह कर सकते हैं रुतुराज का मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए, अगर जरूरत पड़ी, तो कप्तान के रूप में उनका पद संभालना बहुत ही सहज बदलाव होगा। रविवार को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से सीएसके की हार के दौरान दूसरे ओवर में तुषार देशपांडे की गेंद पर गायकवाड़ के दाहिने हाथ पर चोट लग गई थी। हसी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने वास्तव में इसके (कप्तानी) बारे में बहुत सोचा है। खैर, मैंने इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचा है। मुझे यकीन है कि स्टीफन फ्लेमिंग (मुख्य कोच) और रुतु ने इसके बारे में सोचा होगा। लेकिन हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी आ रहे हैं। वह स्टंप के पीछे है। शायद वह अच्छा काम कर सके। मुझे यकीन नहीं है।

आईपीएल 2025

पांड्या ने बीते दिन को लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के सामने पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया

वार्न-कुंबले जो कर नहीं कर पाए, वह हार्दिक पांड्या ने करके दिखाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बीते दिन को लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के सामने पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया। आईपीएल के इतिहास में जो काम पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वार्न और भारतीय दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले नहीं कर पाए, वह हार्दिक पांड्या ने करके दिखा दिया। हार्दिक आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे कप्तान बन गए जिन्होंने एक मैच में पांच विकेट झटके। इससे पहले यह उपलब्धि किसी भी आईपीएल टीम के कप्तान द्वारा हासिल नहीं की गई थी। हार्दिक ने 36 रन देकर 5 विकेट लिए, जो आईपीएल में कप्तान के तौर पर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है। इससे पहले, साल 2009 में आरसीबी की कप्तानी कर रहे अनिल कुंबले ने डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ चार ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट लिए थे। यह कप्तान के तौर पर आईपीएल में अब तक का बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन था। कुंबले ने 2010 में भी आरसीबी के लिए 3.3 ओवर में 16 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस तरह से कुंबले दो बार 16 रन देकर चार विकेट लेकर टॉप पर थे। हार्दिक ने उनको पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल में गेंदबाज-कप्तानों के अन्य बेस्ट प्रदर्शन की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए पॉल डुमिनी ने साल 2015 में सनराइजर्स हैदराबाद के सामने तीन ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिए थे। राजस्थान रॉयल्स के लिए साल 2010 में कप्तानी कर रहे शेन वार्न ने भी डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 21 रन देकर चार विकेट लिए। गेंदबाज के तौर पर बेस्ट प्रदर्शन करने वाले कप्तानों की इस लिस्ट में अब नंबर एक पर हार्दिक पांड्या हैं। इतना ही नहीं, यह हार्दिक पांड्या के टी-20 करियर का भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे पहले उन्होंने साल 2023 में अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 रन देकर 4 विकेट लिए थे। आईपीएल के इतिहास में हार्दिक पांड्या दूसरे ऐसे कप्तान बन गए हैं, जिनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट हैं। हार्दिक पांड्या के नाम 30 विकेट हैं और उन्होंने इस मामले में पूर्व भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले की 30 विकेट की बराबरी भी कर ली है। इस लिस्ट में 57 विकेट लेकर शेन वार्न टॉप पर हैं। इसके बाद 25 विकेट के साथ रविचंद्रन अश्विन चौथे नंबर पर हैं और 21 विकेट के साथ पैट कमिंस पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि हार्दिक की गेंदबाजी उनकी टीम को मैच नहीं जिता सकी क्योंकि लखनऊ सुपर जांयट्स ने रोमांचक मैच में 12 रनों से जीत दर्ज की। लेकिन एलएसजी के बल्लेबाज और टी20 धुरंधर डेविड मिलर एक बार फिर हार्दिक पांड्या की बेहतरीन गेंदबाजी के सामने ज्यादा रन नहीं बना सके। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी-20 हिटर में एक मिलर इस बार भी पांड्या के सामने ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और 27 रन बनाकर आउट हो गए। आईपीएल के इतिहास में डेविड मिलर और हार्दिक पांड्या का 13 पारियों में आमना-सामना हुआ है।

क्या धोनी लेंगे आईपीएल से संन्यास? पहली बार थाला को खेलते देखने पहुंचे माता-पिता

चेन्नई। आईपीएल 2025 का रोमांच जारी है। 18वें सत्र का 17वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के माता-पिता भी पहुंचे हैं। यह पहला मौका है जब धोनी के माता-पिता को स्टेडियम में देखा गया है। अब फैंस को डर सताने लगा है कि क्या धोनी आज आईपीएल से संन्यास का एलान कर देंगे।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

भक्ति-शक्ति और नीति का प्रतीक भगवान राम जन्मोत्सव 'राम नवमी'

सत्ता सुधार, ग्वालियर। चैत्र मास की शुक्ल नवमी का दिन भारतीय संस्कृति में अत्यंत पवित्र माना जाता है, क्योंकि इसी दिन त्रेता युग में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यह दिन राम नवमी के रूप में पूरे देश में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास से मनाया जाता है। अयोध्या से लेकर देश-विदेश तक, हर कोना 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठता है। यह केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक चेतना का पर्व है। भगवान श्रीराम केवल एक देवता नहीं हैं, वे भारत की आत्मा हैं। उनका जीवन मर्यादा, धर्म, निष्ठा और कर्तव्य का मार्ग दिखाता है। राम जन्मोत्सव हमें याद दिलाता है कि जीवन में सत्य, प्रेम, त्याग और सहनशीलता का कितना महत्व है। वे पुत्र, पति, भाई, मित्र और राजा-हर भूमिका में आदर्श बने।

भगवान राम के जीवन से सीखने योग्य मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अनुकर्णीय बातें

भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, संयम और कर्तव्यपरायणता का अनुपम उदाहरण है। मनोविज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो उनका धैर्य, आत्मसंयम और प्रत्येक परिस्थिति में संतुलन बनाए रखना अत्यंत प्रेरणादायक है। विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने क्रोध या प्रतिशोध के स्थान पर विवेक और करुणा को चुना। वनवास जैसी कठिन परिस्थिति में भी उन्होंने मानसिक संतुलन नहीं खोया, जो आज के समय में तनाव प्रबंधन का श्रेष्ठ उदाहरण है। उनका नेतृत्व कौशल, संवाद की स्पष्टता और दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता उन्हें एक आदर्श व्यक्तित्व बनाता है। राम के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि मानसिक संतुलन, कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के साथ जीवन जीना ही सच्चा मनोबल है।

निधि कुलकर्णी

शिक्षा में रामत्व-एक आदर्श की ओर

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास का आधार भी है। जब हम शिक्षा में रामत्व की बात करते हैं, तो इसका अर्थ होता है शिक्षा में श्रीराम जैसे गुणों-सत्य, मर्यादा, त्याग, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा-का समावेश। श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, वे एक ऐसे आदर्श पुरुष हैं जिनके जीवन से हम श्रेष्ठ और संतुलित शिक्षा का मार्गदर्शन पा सकते हैं। शिक्षा में रामत्व का अर्थ है ऐसी शिक्षा जो केवल जानकारी नहीं, बल्कि जीवन को संवारने वाले गुण प्रदान करे। अगर आज के विद्यालयों और पाठ्यक्रमों में रामत्व के मूल तत्वों को समाहित किया जाए, तो हम एक सशक्त, संस्कारी और नैतिक समाज की स्थापना कर सकते हैं। रामत्व केवल पूजा नहीं, बल्कि जीने की कला है और शिक्षा इसका पहला पथ है।

यश पाल

रामराज्य सुशासन की संकल्पना

रामराज्य भारतीय राजनीति और प्रशासन में आदर्श राज्य की कल्पना है, जहां हर नागरिक सुखी, सुरक्षित और संतुष्ट था। न कोई भूखा था, न कोई दुखी। राम ने शासन करते समय न केवल न्याय का पालन किया, बल्कि जनता की भावनाओं का भी आदर किया। यही कारण है कि आज भी रामराज्य एक स्वप्नवत आदर्श बनकर हर नेता और नागरिक की कल्पना में बसा है।

अतुल पारीक

प्रभु राम से सीखें कठिन समय पर कर्तव्य निष्ठा

राम जन्मोत्सव एक उत्सव भर नहीं, यह आत्मा के जागरण का पर्व है। यह वह दिन है जब हम अपने भीतर के राम को खोजने का प्रयास करते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि धर्म, सत्य और कर्तव्य की राह कठिन हो सकती है, लेकिन अंततः वही विजय दिलाती है।

पी एल कुशवाह

आदर्श जीवन की जीवंत प्रेरणा प्रभु राम

भगवान श्रीराम न केवल एक दिव्य अवतार हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मूल्यों और जीवन के आदर्शों का प्रतीक भी हैं। उनका जीवन एक ऐसा दर्शन है, जिसमें मानवता, धर्म, कर्तव्य, त्याग, नारी सम्मान, और न्याय की पराकाष्ठा देखने को मिलती है। राम केवल एक राजा नहीं थे, वे एक पुत्र, पति, भाई, मित्र और आदर्श शासक के रूप में युगों-युगों तक पूजनीय रहेंगे।

अभिषेक मिश्रा

जीवन जीने की कला सिखाता है भगवान राम का जीवन

भगवान श्रीराम का जीवन केवल एक राजा या योद्धा की कथा नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। वे आज भी हर भारतवासी के हृदय में बसे हुए हैं। उनका आदर्श जीवन हमें सिखाता है कि सच्चाई, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलकर हर संकट पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

अंकित सेन

भगवान राम से सीखें मर्यादा का पालन करना

भगवान राम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया है, क्योंकि उन्होंने हर भूमिका में मर्यादा का पालन किया। जब पिताश्री ने वनवास का आदेश दिया, उन्होंने बिना एक क्षण गंवाए उसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कभी अपने स्वार्थ को धर्म के ऊपर नहीं रखा। यही कारण है कि वे आज भी सत्य और नीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं।

संकित सेन

मानवता के सबसे ऊंचे आदर्श प्रभु राम

भगवान श्रीराम कोई काल्पनिक पात्र नहीं, बल्कि जीवन की कठिन राहों में प्रकाश देने वाला दीप हैं। वे धर्म की परिभाषा हैं, कर्तव्य की मिसाल हैं, और मानवता के सबसे ऊंचे आदर्श हैं। राम केवल पूजे नहीं जाते, राम को जिया जाता है।

रत्नेश गुप्ता

लापरवाही...बीए-एलएलबी के 500 छात्रों की डिग्री गलत छपी

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में डिग्री छपाई में बड़ी लापरवाही सामने आई है। 500 छात्रों की डिग्री में विषय का नाम ही गलत छप गया है। अधिवक्ता साक्षात्कार के लिए डिग्री ले जाने पर सच्चाई सामने आई है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन डिग्री वापस मंगवा रहा है। पिछले दिनों अधिवक्ता पंजीकरण के लिए हुए साक्षात्कार में डिग्री के साथ बहुत से छात्र-छात्राएं पहुंचे थे। वहां इनकी डिग्री पर 'बीए एलएलबी ऑनर्स' की जगह 'बैचलर ऑफ आर्ट्स एंड बैचलर ऑफ लॉज' लिखा देखकर साक्षात्कार लेने आए विशेषज्ञ चौंक गए। उन्होंने डिग्री ठीक कराने की नसीहत दी, जिसके बाद छात्र परेशान हो गए।

वर्धानी क्लासेज छात्रों के लिए 100 फीसदी छात्रवृत्ति और बेहतरीन कोचिंग का अनूठा संगम

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वर्धानी क्लासेज ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति और बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र तैयारी का अनूठा अवसर प्रस्तुत किया है। इस संस्थान की विशेषता सिर्फ शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ावा देता है। वर्धानी क्लासेज का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शिक्षा तकनीकों के साथ सफलता की ओर अग्रसर करना है। वर्धानी क्लासेज में आपको डेली ओरल टेस्ट , कोटा पैटर्न पर आधारित सिलेबस, कमजोर छात्रों के लिए विशेष क्लासेस, प्रतियोगी टेस्ट जैसी सुविधाएं मिलेगी जिससे विद्यार्थी मुश्किल विषयों को आसान बना कर पड़ एवं समझ सकता है और इसी के साथ साथ वर्धानी क्लासेज में वन-टू-वन डाउट सेशन एवं बोर्ड परीक्षा की रियल प्रैक्टिस मॉक टेस्ट, लैब और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं मिलेगी वर्धानी क्लासेज हर साल 'सुपर 100 स्कॉलरशिप टेस्ट' आयोजित करता है, जिसमें अव्वल आने वाले छात्रों को फुल फीस माफी दी जाती है। यह टेस्ट एनसीईआरटी और एडवांस्ड लेवल के प्रश्नों पर आधारित होता है, जिससे प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी मेहनत का उचित सम्मान मिलता है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेज

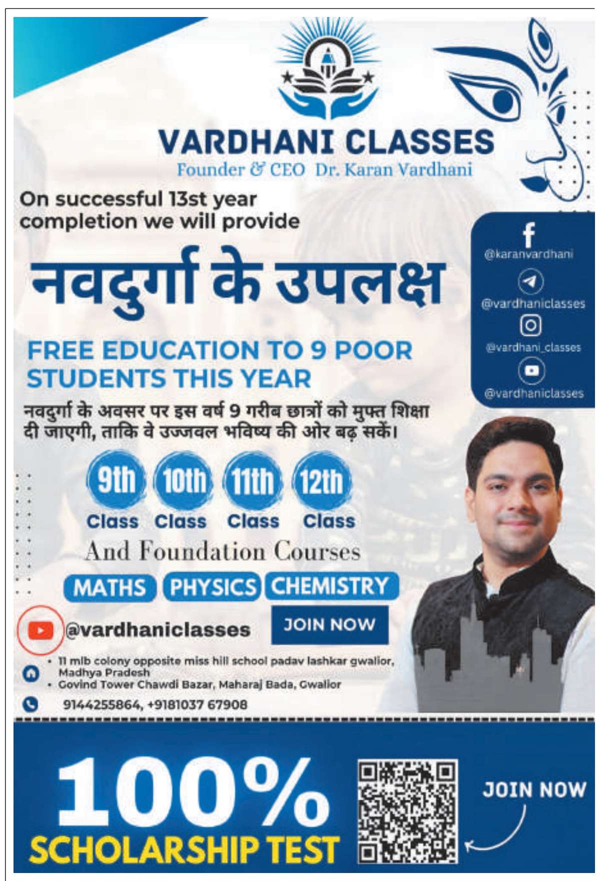

लखनऊ और चारबाग स्टेशन को मिलाकर बनेगा ग्रेटर चारबाग

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित चारबाग स्टेशन उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का प्रमुख स्टेशन है। वहीं लखनऊ जंक्शन पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का स्टेशन है। दोनों स्टेशन आसपास हैं, लेकिन इनका संचालन अलग-अलग जोन करते हैं। ऐसे में ट्रेनों के संचालन से पार्किंग आदि को लेकर कई विवाद खड़े होते रहे हैं। लिहाजा इस समस्या को निस्तारित करने के लिए उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने पहल की है। इसके तहत लखनऊ जंक्शन का संचालन पूर्वोत्तर रेलवे से लेकर उत्तर रेलवे द्वारा कराने की योजना है। हालांकि, इसके लिए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन के साथ बैठक व विचार-विमर्श करना बाकी है। दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि एक ही जगह पर होने के बावजूद दोनों स्टेशनों के बीच विवाद रहते हैं।

कैबवे चौड़ीकरण

ऐसे में जंक्शन को चारबाग में मिला देने से ग्रेटर चारबाग बन जाएगा। यात्रियों को राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कैबवे चौड़ीकरण का काम वर्षों तक अटका रहा, जब दोनों मंडलों की कमान एक ही महाप्रबंधक के पास आई तो कैबवे चौड़ीकरण कराया जा सका।

केंद्र की जननी में घपला! जौनपुर की सीएमओ पर गिरी गाज

डिप्टी सीएम के निर्देश पर तीन गैरहाजिर डॉक्टरों पर भी कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

केंद्र सरकार की जननी सुरक्षा योजना के भुगतान में घालमेल का मामला सामने आया है। मामले के आरोपी भदोही की तत्कालीन सीएमओ डॉ. जीबीएस लक्ष्मी की तीन वेतन वृद्धि स्थायी रूप से रोक दी गई हैं। डॉ. लक्ष्मी इस समय जौनपुर की सीएमओ हैं। इसी तरह अलग-अलग मामले में कई अन्य चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। ये कार्रवाई उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर की गई है। भदोही जिले में 2017 से 2021 के बीच

जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को अनियमित तरीके से भुगतान किया गया था। चिकित्सकीय सामग्री की खरीद में भी धांधली हुई थी। ऑडिट टीम की आपत्ति के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक ने तत्कालीन जिलाधिकारी से जनवरी 2022 में जांच कराई। आरोप है कि जांच के दौरान तत्कालीन सीएमओ डॉ. जीबीएस लक्ष्मी ने अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए। मामले की जानकारी मिलने पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महानदेशक (प्रशिक्षण) को जांच सौंपी। महानिदेक ने पूरे मामले में जांच कर अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी। जिसके मुताबिक डॉ. लक्ष्मी को उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना, जिम्मेदारियों का निर्वहन ठीक से न करने एवं वित्तीय अनियमितता संबंधी सभी आरोपों में दोषी पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। इसी तरह फतेहपुर में उप मुख्य चिकत्साधिकारी डॉ. निशान्त एस शहाबुद्दीन पर बलिया में तैनाती के दौरान लोक सेवा आयोग के दायरे में आने वाले 10 वाहन चालकों की अनियमित ढंग से नियुक्ति करने का आरोप लगा।

हत्याकांड के आखिरी आरोपी को भी उम्रकैद

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए चर्चित गुदड़ी बाजार हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने इस हत्याकांड के आखिरी आरोपी को भी उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं इस मामले में 10 आरोपियों को अदालत पहले ही उम्रकैद की सजा सुना चुकी है। गुदड़ी बाजार के तिहरे हत्याकांड में न्यायालय ने अपने 173 पेजों के निर्णय में इस घटना को विरल से विरलतम श्रेणी का न मानते हुए इजलाल समेत दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी और जुर्माना लगाया।

भगवान राम आदर्श पुरुष की परिभाषा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

श्रीराम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया है अर्थात वह पुरुष जो मर्यादा, धर्म और कर्तव्य की सर्वोच्च मिसाल बन गए। उनके जीवन में पुत्र धर्म, पति धर्म, राजा धर्म, और भ्राता धर्म का अद्वितीय समन्वय देखने को मिलता है। उन्होंने सुख और अधिकारों का त्याग कर धर्म और सत्य के मार्ग को चुना, चाहे इसके लिए उन्हें वनवास ही क्यों न झेलना पड़ा। वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण और गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस, दोनों ही न केवल धार्मिक ग्रंथ हैं, बल्कि व्यवहारिक जीवन के मार्गदर्शक भी हैं। रामायण का हर पात्र चाहे वह भरत का त्याग हो, हनुमान की सेवा भावना, लक्ष्मण की निष्ठा या सीता का धैर्य जीवन के हर मोड़ पर हमें कुछ सिखाता है। आज जब समाज नैतिक मूल्यों से विचलित हो रहा है, भगवान श्रीराम का चरित्र हमें फिर से सही दिशा की ओर लौटने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कभी सत्ता या व्यक्तिगत सुख की लालसा नहीं की, बल्कि जनकल्याण और धर्म की रक्षा को सर्वोपरि माना। उनकी नीति, नेतृत्व और करुणा आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी त्रेता युग में थीं।

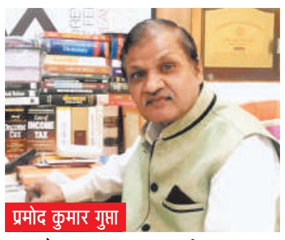

प्रमोद कुमार गुप्ता

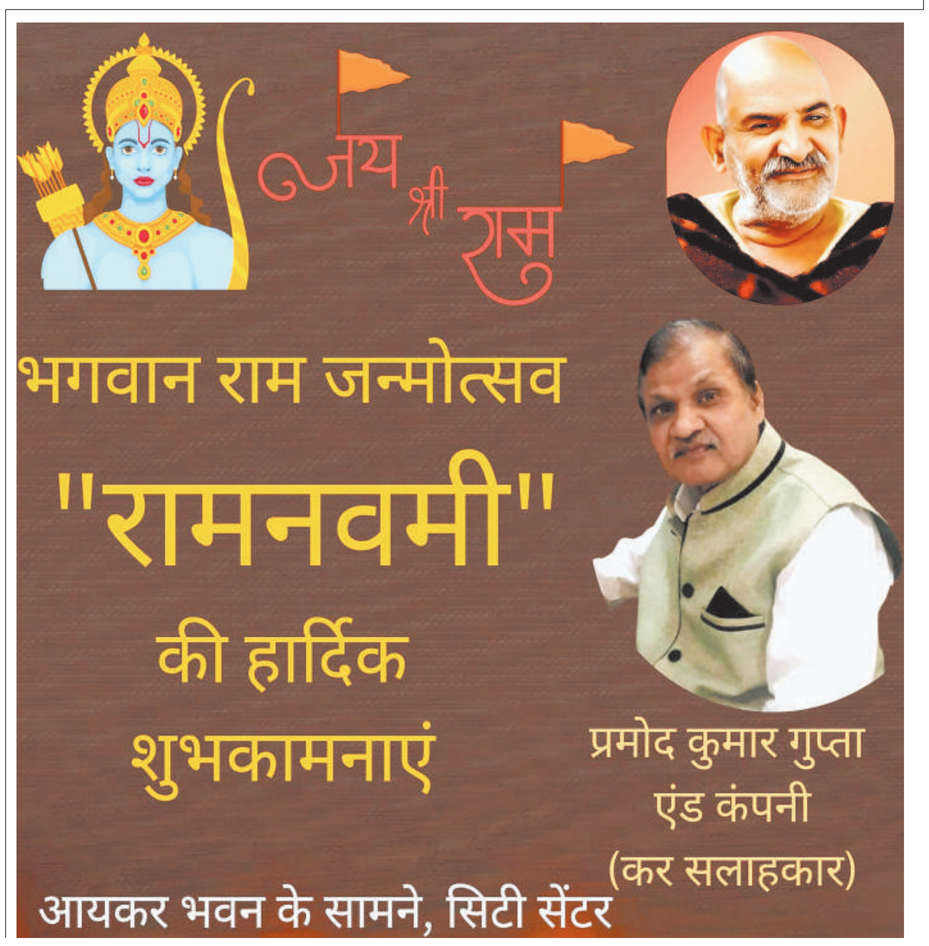

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लॉट नं.36 इंडस्ट्रियल एरिया चनाटोरिया सागर (म.प्र.) से मुद्रित एवं तिरुपतिपुरम, अशोक विहार कॉलोनी के पीछे तीली वार्ड सागर, से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-संजय कुमार गुप्ता*, मोबाईल न. 9424880832
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910